वर्ष-07 - अंक 288
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शनिवार ,25 जुलाई 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

गोबर से ऊर्जा, गोमूत्र से मूल्यवर्धन और नवाचार से .... 3 | सोनभद्र में बेटियों के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला बनी .... 4 | कर संग्रह केवल एक ड्यूटी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आराधना है............. 11

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित पुलिस ज्यादती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में दायर याचिकाओं पर 27 जुलाई को सुनवाई करने की मंजूरी दे दी है। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के कई राज्यों में आयोजित छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया, जिससे कई छात्रों को चोटें आईं और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ। यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ के समक्ष उल्लेखित किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान और गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत से मामले की शीघ्र सुनवाई का आग्रह करते हुए कहा कि दोनों याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं और सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री द्वारा उन्हें क्रमांकित भी कर दिया गया है। उन्होंने अदालत को बताया कि पेपर लीक के विरोध में देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं और कई स्थानों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। याचिकाओं में कहा गया है कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने कथित रूप से अनावश्यक बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें बिना पर्याप्त चेतावनी के लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस कार्रवाई से कई छात्र घायल हुए और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। गौरतलब है कि 20 जुलाई को दिल्ली में आयोजित संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी। प्रदर्शनकारी संसद की ओर बढ़ रहे थे, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज तथा आंसू गैस का इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगे। प्रदर्शन में शामिल छात्र और विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रणाली में सुधार तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस बीच, 22 जुलाई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इस मामले का संज्ञान लेते हुए संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा कथित अत्यधिक बल प्रयोग से संबंधित दो अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में पुलिस कार्रवाई से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों, जिनमें सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, मोबाइल वीडियो और अन्य उपलब्ध वीडियोग्राफी शामिल हैं, को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सभी डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्यों का संरक्षित रहना आवश्यक है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि पुलिस कार्रवाई उचित प्रक्रिया के अनुरूप नहीं पाई जाती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और घायल छात्रों को उचित राहत एवं मुआवजा दिया जाना चाहिए। वहीं, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनवाई के दौरान सामने आने की संभावना है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण प्रस्तुत किया जा सकता है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में होगी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुनवाई में प्रदर्शन के अधिकार, पुलिस द्वारा बल प्रयोग की सीमा और नागरिकों के मौलिक अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्नों पर भी चर्चा हो सकती है। इस मामले पर छात्रों, शिक्षाविदों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की निगाहें टिकी हुई हैं, क्योंकि अदालत का निर्णय भविष्य में ऐसे आंदोलनों और पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश तय कर सकता है।

आज फतेहपुर आएंगे सीएम योगी

578 करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

लोकार्पण-शिलान्यास के बाद जनसभा को करेंगे संबोधित, प्रशासन और भाजपा ने पूरी की तैयारियां

फतेहपुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को फतेहपुर जनपद के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह लगभग 578 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित कर प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर मदारीपुर कला गांव के निकट स्थित एयरपोर्ट मैदान में आयोजित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 10:30 बजे हेलीकॉप्टर से हेलीपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर 10:40 बजे से 11:40 बजे तक विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में वह विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग, पार्किंग, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन और यातायात प्रबंधन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक करीब तीन लाख ईंटें बिछाई गई हैं। इसके अलावा जमीन पर पहले बालू और पन्नी बिछाकर ऊपर से मैट लगाया गया है, ताकि बारिश के बावजूद लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर फतेहपुर जिला मुख्यालय से लेकर कानपुर और प्रयागराज की सीमाओं तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती के साथ प्रवेश और निकास मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम के संचालन के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को 15 अलग-अलग श्रेणियों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मंडलों और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार मुख्यमंत्री जिन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, उनमें सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से जिले के विकास को गति मिलने के साथ ही स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है। प्रशासन का दावा है कि कार्यक्रम को सुरक्षित, व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

पश्चिम बंगाल में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के नियम बदले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार अब ग्राम पंचायत प्रधानों और नगर निकायों के अध्यक्षों के स्थान पर जिलाधिकारी (डीएम), स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी तथा राज्य संचालित अस्पतालों के प्रमुख जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत होंगे। यह निर्णय राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा गुरुवार को की गई घोषणा के एक दिन बाद लागू किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया था कि अब ग्रामीण और शहरी निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार नहीं रहेगा। सरकार के अनुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों के निर्गम में कई विसंगतियां और अनियमितताएं सामने आई थीं। इन्हीं को देखते हुए प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से नियमों में संशोधन किया गया है।

दिल्ली में पैलेट गन के इस्तेमाल पर विवाद, छात्रों के घायल होने के दावे से सियासत तेज

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विवाद गहरा गया है। छात्रों और विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जिससे कई छात्र घायल हुए हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से इनकार किया है। इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए एक घायल प्रदर्शनकारी को मीडिया के सामने पेश किया, जिसके शरीर पर छर्रे लगने का दावा किया गया। मामले को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्ष का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग किया गया, जबकि पुलिस का कहना है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया। इस बीच यह दावा भी किया गया कि दंगारोधी बल रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा पैलेट गन का उपयोग किया गया था। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पैलेट गन को लेकर वर्षों से विवाद रहा है। जानकारी के अनुसार, 1992 में आरएएफ के गठन के बाद इस्राइल और बेल्जियम से इन हथियारों की खरीद की गई थी।

लाहौल के कड़ू नाला में पहाड़ी दरकने से बड़ा हादसा, मलबे में दबी टैक्सी, 13 लोगों की मौत

उदयपुर(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग पर कड़ू नाला के समीप अचानक पहाड़ी का बड़ा हिस्सा दरककर सड़क पर आ गिरा, जिसकी चपेट में कुल्लू से पांगी जा रही एक टाटा सूमो टैक्सी (एचपी-01एम-2210) आ गई। मलबे में दबने से वाहन में सवार 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू कराया गया है। हादसे की पुष्टि पुलिस अधीक्षक लाहौल-स्पीति शिवानी मेहला ने की। घटना की सूचना मिलते ही तिंदी पुलिस, जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और राहत एवं बचाव दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे तथा युद्धस्तर पर राहत अभियान शुरू किया गया। भारी मलबा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग एक दिन पहले भारी बारिश और भूस्खलन के कारण बंद हो गया था। सड़क बंद होने से टैक्सी में सवार सभी यात्री तिंदी क्षेत्र में रुकने को मजबूर हो गए थे। शुक्रवार सुबह मार्ग बहाल होने के बाद वाहन पांगी की ओर रवाना हुआ। कड़ू नाला के समीप पहुंचते ही अचानक पहाड़ी का विशाल हिस्सा भरभराकर सड़क पर आ गिरा। मलबा सीधे टैक्सी पर गिरा और वाहन पूरी तरह दब गया। हादसा इतना भीषण था कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से मलबा हटाने का कार्य किया गया। बचाव दल ने एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्रशासन ने बताया कि राहत अभियान पूरा होने के बाद ही सभी यात्रियों की पहचान और अन्य औपचारिक जानकारी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है।

असम में बाढ़ का कहर, मृतकों की संख्या 50 पहुंची, 40 लोग अब भी लापता

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम में विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन कई दुर्गम क्षेत्रों तक राहत एवं बचाव दल अब भी नहीं पहुंच सके हैं। उन्होंने आशंका जताई कि लापता लोगों का पता चलने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिवसागर जिले के नजीरा अनुमंडल में करीब 40 लोग अब भी लापता हैं। उनकी तलाश के लिए प्रशासन, सेना और बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाढ़ के कारण बिजली ढांचा बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे 60 हजार से अधिक घरों में अब भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां लगभग 20 प्रतिशत आबादी अब भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। कई जलमग्न गांवों तक प्रशासनिक टीमें अभी नहीं पहुंच सकी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) तथा अन्य एजेंसियां युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की अंतर-मंत्रालयी टीम शनिवार को असम पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करेगी और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करेगी।

बुलडोजर कार्रवाई पर बयान के बाद अभिषेक बनर्जी पर नई एफआईआर दर्ज

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आमतला स्थित उनके कार्यालय पर हुई बुलडोजर कार्रवाई के बाद दिए गए कथित विवादित बयान को लेकर बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम विभाग में उनके खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, राजीव सरकार नामक एक युवक की शिकायत पर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बुलडोजर कार्रवाई के बाद दिया गया उनका बयान धमकी भरा था। पुलिस कथित विवादित वीडियो की जांच कर रही है। गौरतलब है कि अवैध निर्माण के आरोप में आमतला स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय पर बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया था कि कार्यालय से संबंधित भवन का स्वीकृत नक्शा और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं।

अवैध शराब पर सख्ती, 583 उत्पाद सिपाहियों की होगी नियुक्ति : हेमंत सोरेन

रांची(एजेंसी)। झारखंड सरकार ने राज्य में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, बिक्री और तस्करी पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति, जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने, नई मदिरा नीति तैयार करने तथा स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभाग की योजनाओं, राजस्व संग्रह और अवैध शराब के खिलाफ चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अवैध शराब का कारोबार न केवल सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है। ऐसे कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की जाए। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने 3,885.11 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 4,013.53 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं, वर्ष 2026-27 के लिए 4,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जुलाई 2026 के मध्य तक विभाग 1,376 करोड़ रुपये का राजस्व जुटा चुका है, जो वार्षिक लक्ष्य का 30.57 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने विभागीय कार्यों में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए उत्पाद इकाइयों की निगरानी को तकनीक आधारित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलों में बनने वाले उत्पाद विभाग के गोदामों के निर्माण में स्थानीय आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता दी जाए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने बताया कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के माध्यम से चयनित 583 उत्पाद सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

जनता को कार्यालयों के चक्कर न लगवाएं : सीएम धामी

मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में अधिकारियों को दिए संवेदनशील एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जनसमस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनहित और सुशासन के सिद्धांत पर कार्य कर रही है तथा जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की जवाबदेही तभी सार्थक होगी, जब नागरिकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए और शिकायतकर्ता को समाधान की प्रगति की भी जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार का दायित्व है तथा प्रत्येक अधिकारी जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए पूर्ण संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का परिचय दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप और गढ़वाल आईजी राजीव स्वरूप को प्राप्त जनसमस्याओं के प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान जिला या विभागीय स्तर पर संभव है, उनका तत्काल निस्तारण किया जाए, जबकि उच्च स्तर पर निर्णय अपेक्षित मामलों को शीघ्र संबंधित विभागों को भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती आरपीएफ: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली(एजेंसी)। रेलवे में अपराध होने की स्थिति में कार्रवाई किस एजेंसी द्वारा की जाती है, इसे लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत किसी भी मामले में एफआईआर दर्ज करने का अधिकार नहीं है। ऐसे मामलों में कार्रवाई, एफआईआर दर्ज करने और जांच की जिम्मेदारी सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) अथवा संबंधित जिला पुलिस की होती है। राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में रेल मंत्री ने आरपीएफ और जीआरपी की जिम्मेदारियों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि आरपीएफ को केवल रेलवे संपत्ति (गैरकानूनी कब्जा) अधिनियम, 1966 तथा रेलवे अधिनियम, 1989 के तहत ही मामले दर्ज करने का अधिकार प्राप्त है। ये प्रावधान मुख्य रूप से रेलवे संपत्ति की चोरी, गैरकानूनी कब्जे और उसके अवैध उपयोग अथवा निपटान से संबंधित मामलों पर लागू होते हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार पुलिस और कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है। इसलिए रेलवे परिसरों में होने वाले आपराधिक मामलों की रोकथाम, एफआईआर दर्ज करना, जांच करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों के अधीन कार्यरत जीआरपी या जिला पुलिस की होती है।

संक्षिप्त खबरें

बीआरसी परिसर में नई विभागीय प्रशिक्षण नोटबुक का विमोचन

बस्ती। बस्ती सदर स्थित बीआरसी परिसर में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी ने नई विभागीय प्रशिक्षण नोटबुक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह नोटबुक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने तथा सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बीएसए अनूप तिवारी ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों एवं नवाचारों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल सभी शिक्षकों से पूरी गंभीरता और रुचि के साथ सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एआरपी प्रदीप गुप्ता, रुक्मणी मिश्रा,शिव प्रसाद, शैलेश, सर्वेन्द्र सीएसएफ की अनिका सिद्दीकी तथा रूम टू रीड एनजीओ के अमित कुमार और संजय यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिक्षण कौशल, नवाचार, कक्षा-कक्ष प्रबंधन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा, समूह गतिविधियां एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे शिक्षकों की दक्षता में वृद्धि हो सके।

नहरें सूखी, धान की रोपाई अटकी; पानी के इंतजार में किसान परेशान

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र की नहरों में पानी न आने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। धान की रोपाई का समय चल रहा है, लेकिन सिंचाई के अभाव में सैकड़ों बीघे खेत अब भी खाली पड़े हैं। कई स्थानों पर रोपी गई धान की फसल भी सूखने लगी है। बन्नामऊ माइनर में पानी न आने से चांदा, मेरुई, तौधकपुर, गोविंदपुर, वलौली, यूसुफपुर, दतौली और चचिहा समेत कई गांवों के किसान प्रभावित हैं। किसानों का कहना है कि खेत तैयार हैं, लेकिन पानी न मिलने से रोपाई शुरू नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि एकौनी से बन्नामऊ तक फैली नहरों की सिल्ट सफाई तो कराई गई, लेकिन अब तक पानी नहीं छोड़ा गया। नहरों में पानी की जगह धूल उड़ रही है। रजबहा और माइनर भी सूखे पड़े हैं। ऐहार क्षेत्र में भी यही स्थिति बनी हुई है। देव कुमार यादव, रामकुमार, दलपत सिंह, बचई सिंह, सनत द्विवेदी, मुकेश त्रिवेदी, सुशील शुक्ला, महीप त्रिवेदी, केसरी बाजपेई आदि किसानों का कहना है कि यदि जल्द पानी नहीं मिला तो धान की खेती पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने नहरों में तत्काल जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है। नहर विभाग के अवर अभियंता अरशद ने बताया कि क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुरवा ब्रांच से निकलने वाली नहर खुलवा दी गई है। उम्मीद है कि दो से तीन दिनों के भीतर क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंच जाएगा।

दो आरोपित हिरासत में, चोरी का सामान बरामद

देवरिया। जिले के महुआडीह पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो बैटरियां, एक इन्वर्टर और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अवरही निवासी असगर (24) और मुसीर (25) के रूप में हुई है। दोनों को हेतिमपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई थाना महुआडीह में पहले से दर्ज चोरी के मुकदमे की विवेचना के दौरान की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में चोरी का माल रखने तथा आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जमीन विवाद को लेकर दबंगों का हमला

पीड़ित परिजनों ने दबंगों के जानलेवा हमले से भाग कर किसी तरीके से बचाई अपनी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुबौला चौकी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भीटा में जमीनी विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने गरीब परिवार पर जानलेवा कर दिया जिसमें कई लोगों को गंभीर चोटे लगी है पीड़ित परिजनों ने किसी तरीके से भाग अपनी - अपनी जान बचाई। मारपीट की सूचना पर 112 पुलिस पहुंची तब जाकर पीड़ित परिजनों की जान बची। आपको बता दें कि पीड़ित धनराज पुत्र राम जुगुन ग्राम पंचायत- भीटा थाना- कप्तानगंज जनपद बस्ती का निवासी है। दिनांक 23-07-2026 को विपक्षी गण अनिल पाण्डेय पुत्र कपिल देव, अंकित पाण्डेय पुत्र कपिलदेव साकिन- चनईपुर, अनोज शुक्ला पुत्र प्रदीप कुमार, प्रशान्त कुमार पुत्र प्रदीप कुमार, विपिन कुमार, विजय कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी साकिन- भीटा ने पीड़ित के जमीन पर कब्जा करने लगे व ट्रैक्टर से से मेड़ बाधने लगे और जुताई करने लगे। जिस पर दिनांक- 04-07-2006 को राजस्व टीम द्वारा नियमानुसार पत्थर नसब कर दिया गया था।

उपरोक्त जमीन पर उपरोक्त लोगो द्वारा कब्जा किया जाने लगा तब पीड़ित परिवार के सदस्यों में दुर्गावती पत्नी दयाराम, रामदयाल पुत्र राम नोकर, कैलाश पुत्र राम नोकर, धनराज पुत्र राम जुनून, शुभई, सीता पुत्री गण राम नोकर को उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा लाठी डंडा व बॉस लेकर मारने- पीटने लगे और मां बहन की भद्दी-भद्दी गालियां गालियां देने लगे व जानमाल की धमकी दिया दबंगों की पिटाई से घायल दुर्गावती पत्नी दयाराम बेहोश हो गई और उन्हें गम्भीर चोटें लगी सभी घायलों को इलाज हेतु सीएचसी कप्तानगंज लाया गया।

जहां पर घायलों का इलाज हुआ। पीड़ित परिजनों ने मीडिया टीम को बताया कि

कप्तानगंज थाने पर पूरा दिन बैठाया गया था और कार्यवाही हो रही है का आश्वासन देकर थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने मामले में लीपापोती करने में जुटे रहे। मामला बढ़ता देख बड़ी मशक्कत के बाद कप्तानगंज पुलिस ने उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर घायलों का मेडिकल सीएचसी कप्तानगंज कराया। उक्त प्रकरण में सीओ कलवारी से फोन के माध्यम से जानकारी ली गई तो कलवारी सीओ ने बताया कि उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज हो गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में दर्जी ट्रेड के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 जुलाई को

देवरिया। उत्तर प्रदेश सरकार की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी (टेलरिंग) ट्रेड में प्रशिक्षण के लिए चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए 27 जुलाई को अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दीकी ने बताया कि अप्रैल एवं मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने वाले पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार सुबह 10:30 बजे से जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, देवरिया स्थित उपायुक्त उद्योग कार्यालय में होगा। उन्होंने सभी संबंधित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होने की अपील की है। साक्षात्कार के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं अन्य निर्धारित सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त उद्योग ने कहा कि अभ्यर्थी समय से पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डीसी मनरेगा को खुलेआम चुनौती दे रहा ग्राम पंचायत पड़री बाबू का भ्रष्टाचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड परसरामपुर की ग्राम पंचायत पड़री बाबू में मनरेगा कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि प्रतिदिन लगभग 53,100 की मजदूरों की फर्जी हाजिरी दर्ज कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। इन आरोपों के चलते ग्राम प्रधान शशी प्रभा सिंह की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप यह भी है कि सचिव एवं तकनीकी सहायक (TA) की कथित मनमानी के कारण ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि ग्राम पंचायत में प्रशासकीय व्यवस्था लागू होने के बाद भी भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पाया है। वहीं, मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए नियुक्त एपीओ (APO) मनरेगा की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि संबंधित

ग्राम पंचायत पड़री बाबू में मनरेगा कार्यों में फर्जी हाजिरी का आरोपपड़री बाबू में प्रतिदिन 53,100 रुपये के फर्जी भुगतान पर उठ रहा बड़ा सवाल

अधिकारी कथित रूप से मिलीभगत कर फर्जी हस्ताक्षर एवं अनियमित भुगतान को संरक्षण दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

घुघसा में पानी से भरे तालाब में चल रहा आनलाइन फर्जी मस्टर रोल

ग्राम पंचायत घुघसा में तालाब सफाई, खुदाई और वृक्षारोपण के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड बनकटी अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघसा में मनरेगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब में पानी और घास-फूस होने के बावजूद कागजों पर तालाब की सफाई और खुदाई का कार्य दर्शाया जा रहा है। आरोप है कि वृक्षारोपण, तालाब खुदाई एवं सफाई के नाम पर फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी कर मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है और सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि धरातल पर कार्य नगण्य दिखाई देता है, जबकि अभिलेखों में बड़े पैमाने पर काम दर्शाया गया है।

ग्रामीणों ने इस मामले में ग्राम प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक और महिला मेट की भूमिका पर सवाल उठाए

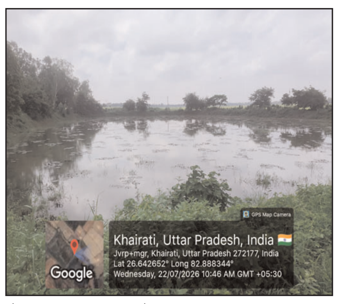

हैं। उनका आरोप है कि मिलीभगत से फर्जी मस्टर रोल तैयार कर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। वहीं एपीओ मनरेगा और खंड विकास अधिकारी बनकटी पर भी मामले की अनदेखी करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हुए, जिससे लोगों में नाराजगी और जनआक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा ग्राम पंचायत में वास्तविक विकास कार्य सुनिश्चित करने की मांग की है। उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी बनकटी से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो खण्ड विकास अधिकारी बनकटी का फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर निकला।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में रैंकिंग सुधारने के लिए जिलाधिकारी हुए सख्त

देवरिया। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग बेहतर बनाने के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की लापरवाही से जिले की रैंकिंग प्रभावित हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से सी एवं डी श्रेणी के विभागों को कार्ययोजना बनाकर जल्द ए एवं बी श्रेणी में आने के लिए प्रभावी प्रयास करने को कहा। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), जन कल्याणकारी योजनाओं, निर्माण कार्यों, सेतु परियोजनाओं और राइट ऑफ वे से जुड़े मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। लाभार्थीपरक योजनाओं, लंबित आवेदनों और मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना कल्याण योजना की भी समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए धनराशि वितरण में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

कलेक्ट्रेट में जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उद्योग एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान उद्यमियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिन पर विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विद्युत के जर्जर तार, सड़क, जल निकासी, शहर मे जाम, तथा अन्य विभागीय मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। उद्यमियों ने कई प्रकरणों के लंबित होने की जानकारी देते हुए उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की। इस पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी उद्यमी को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का समाधान किया जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक विकास जनपद की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। शासन की मंशा के अनुरूप निवेशकों एवं उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों की स्थापना एवं संचालन से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। बैठक में उद्यमियों ने अवगत कराया कि मेडिकल बेस्ट मटेरियल निर्धारित स्थान पर डिस्पोज नहीं किया जाता है जिसका संज्ञान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लिया गया। उन्होने ईओ नगरपालिका को जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र प्रेषित कर यह सुनिश्चित किया जाय कि शहर के अस्पतालो द्वारा निर्धारित स्थान पर ही मेडिकल वेस्ट मैटेरियल को डिस्पोज किया जाय। बैठक में निवेशमित्र पोर्टल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा

स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद, वित्त पोषण सहायता योजना आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय लक्ष्य के अनुरूप प्रगति करना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, उपायुक्त प्रशासन राज्यकर उपेन्द्र यादव, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, सहायक आयुक्त खाद्य चितरंजन कुमार सिंह, एनएचआई के प्रतिनिधि, विद्युत विभाग से संबंधित अधिकारीगण, अध्यक्ष चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज अशोक कुमार सिंह, महासचिव चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज हरीश चन्द्र शुक्ला, उद्योग व्यापार मण्डल के जगदीश अग्रहरि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने विकास व कानून व्यवस्था की समीक्षा की

विकास योजनाओं और कानून व्यवस्था पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री (महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार) एवं जनपद प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ शासन की विकास प्राथमिकता योजनाओं एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमृता सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने सोलर रूफटॉप, विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मर, सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, स्वास्थ्य सेवाएं, पंचायत भवन, स्वच्छ भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वयं सहायता समूह, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, एक जनपद-एक उत्पाद, रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण तथा आईजीआरएस सहित

विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने हत्या, लूट, महिला उत्पीड़न, दुष्कर्म, अपहरण, पॉक्सो एक्ट, गैंगस्टर, रासुका तथा लंबित विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए पुलिस अधिकारियों को अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, जनप्रतिनिधियों के माध्यम से योजनाओं का लोकार्पण एवं लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित कराने तथा जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी संजय चौहान ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का संबंधित विभागों से अक्षरशः पालन कराया जाएगा। बैठक का संचालन जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पन्नालाल ने किया। बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन वितरित किए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई तथा छह माह के बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) ऐश्वर्य यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जगदीशपुर प्रवास के दौरान मंडल शुकुल बाजार पहुंचे जिला अध्यक्ष

कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं; यूरिया उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार (अमेठी)। जगदीशपुर प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला का शुकुल बाजार मंडल आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान 'मोदी, योगी और स्मृति ईरानी' के समर्थन में जोरदार नारे लगे। बड़ी संख्या में पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। स्वागत के बाद आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष ने संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और क्षेत्रीय समस्याओं पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। बैठक में किसानों ने यूरिया खाद की उपलब्धता की समस्या उठाई। इस पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। यदि कहीं किसानों को खाद मिलने में परेशानी हो रही है तो उसका तत्काल समाधान कराया जाएगा। उन्होंने मौके पर ही जिला कृषि अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की अन्य

जनसमस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। जिलाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान और उनकी समस्याओं का समाधान संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी के समर्थन में नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि शुकुल बाजार जनपद का अंतिम छोर होने के बावजूद जिलाध्यक्ष लगातार यहां पहुंचकर कार्यकर्ताओं का हालचाल लेते हैं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन देते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला, पं. राम उंजेरे शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर बक्श सिंह, रमेश शुक्ला, मीडिया विभाग के सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, डॉ. ओंकार नाथ सिंह, उदय नारायण मिश्रा, विश्व प्रकाश शुक्ला, शिव नायक सिंह, विनय चौरसिया सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुलसीपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, बस की चपेट में आने से युवक की मौत

तुलसीपुर/बलरामपुर। तुलसीपुर क्षेत्र के हरैया चौराहे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बस की टक्कर से मोटरसाइकिल पूरी तरह चकनाचूर हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रमणीक चन्द्र त्रिपाठी (25 वर्ष), पुत्र चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, निवासी ग्राम पूरनपुर अर्जुनपुर, थाना तुलसीपुर मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान हरैया चौराहे के पास एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह बस की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे में शामिल बस और उसके चालक के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

76 शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक अनुपस्थित, वेतन-मानदेय अग्रिम आदेश तक रोका गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले के परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए चलाए गए विशेष निरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) विकास चंद्र श्रीवास्तव ने सभी अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन एवं मानदेय अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित के विरुद्ध विधिक एवं विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। बीएसए द्वारा प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से किए गए अनुश्रवण तथा 21 से 23 जून 2026 तक संचालित आकस्मिक निरीक्षण अभियान के दौरान जिले के 76 परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण कराया गया।निरीक्षण में कुल 76 कार्मिक अनुपस्थित मिले, जिनमें 32 सहायक अध्यापक, सात अनुदेशक तथा 37 शिक्षामित्र शामिल हैं। सभी अनुपस्थित कार्मिक बिना पूर्व सूचना के विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए। यह निरीक्षण विभिन्न शिक्षा क्षेत्रों के खंड शिक्षा अधिकारियों घनश्याम वर्मा, शमशेर बहादुर, अशोक पाठक, विनय कुमार तथा जिला समन्वयक (डीसी) अंकुर तिवारी, निरंकार पांडे सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों की उपस्थिति का भी जायजा लिया गया। बीएसए ने कहा कि विद्यालयों में बिना सूचना अनुपस्थित रहने की प्रवृत्ति किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों से तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो उनके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय एवं विधिक अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा के भीतर स्पष्टीकरण उपलब्ध न कराने वाले संबंधित शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक स्वयं कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण जारी रखने तथा शिक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही मिलने पर तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई को विद्यालयों में अनुशासन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विकास खंडों में बदली जिम्मेदारी, 30 ग्राम विकास अधिकारियों के तबादले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी लाने व प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ग्राम विकास विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के अनुमोदन के बाद जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार सोनी ने 30 ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। सभी अधिकारियों को बिना प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार बलरामपुर, हरैया सतघरवा, श्रीदत्तगंज, रेहराबाजार, पचपेड़वा, गैसड़ी, तुलसीपुर, गैड़ास बुजुर्ग और उतरौला विकास खंडों में तैनात अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।हरैया सतघरवा से नित्यानंद सिंह, अनूप कुमार सैनी और ओमप्रकाश दूबे तथा श्रीदत्तगंज से विजय कुमार सोनकर को बलरामपुर भेजा गया है। बलरामपुर से दिनेश मिश्र, राकेश चंद चौधरी, राकेश कुमार व गुलाब चंद्र राही को हरैया सतघरवा स्थानांतरित किया गया है।

तुलसीपुर से मीनाक्षी राव व प्रदीप कुमार वर्मा हरैया सतघरवा भेजे गए हैं। रेहराबाजार से दीपक गुप्त, गैसड़ी से दिलीप कुमार व विश्वजीत यादव व बृजेश कुमार अम्दानी को पचपेड़वा में तैनाती मिली है। गैड़ास बुजुर्ग से अजय कुमार विमल और प्रभाकर मौर्य, रेहराबाजार से साहेबराम, महेश कुमार वर्मा, मोहम्मद असदुल्लाह व उतरौला से चंद्र प्रकाश भौर्य को श्रीदत्तगंज भेजा गया है। बलरामपुर से अश्विनी सिंह व विकास कुमार यादव, उतरौला से मनोरमा सिंह को रेहराबाजार, जबकि राम सुरेश, ममता गल्ल, अनिल कुमार द्वितीय, श्रीप्रकाश गुप्ता, हौसला प्रसाद, अरविंद कुमार प्रजापति व अब्दुल वहीद को भी नए विकास खंडों में तैनाती दी गई है। जिला विकास अधिकारी ने सभी बीडीओ को आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

केवलपुर चोरी कांड का खुलासाः तीन शातिर चोर गिरफ्तार

35 हजार नकद व जेवरात बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। कोतवाली नगर पुलिस ने मई माह में केवलपुर गांव में हुई लाखों रुपये की चोरी का सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 हजार नकद, सोने-चांदी के आभूषण तथा एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले में पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार ग्राम केवलपुर मजरा चूल्हाभारी निवासी धर्मराज तिवारी ने 13 मई को कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया था कि 12/13 मई की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर करीब 70 हजार नकद तथा सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर अलीबाग क्षेत्र स्थित आम के बाग से राजू उर्फ मिठ्ठू उर्फ ननके, पप्पू शिल्पकार तथा रमन उर्फ राजू सोनी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांव में बारात होने के कारण लोगों की व्यस्तता का फायदा उठाकर उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मकान की छत के रास्ते प्रवेश कर बक्सों व अटैचियों के ताले तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी किए थे। चोरी की नकदी आपस में बांट ली गई थी और अधिकांश रकम खर्च कर दी गई थी। जबकि चोरी के जेवरात गलाने और बेचने के लिए रमन उर्फ राजू सोनी को सौंप दिए गए थे। शेष जेवरात और बची हुई रकम के लेन-देन के दौरान पुलिस ने तीनों को दबोच

लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 हजार नकद, तीन जोड़ी पायल, 23 जोड़ी बिछुए, मंगलसूत्र, सोने की चेन, अंगूठी, मांगटीका, दो जोड़ी झुमकी सहित अन्य आभूषण बरामद किए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों पर पहले से चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। वहीं घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

गोबर से ऊर्जा, गोमूत्र से मूल्यवर्धन और नवाचार से आय, आत्मनिर्भर गौशालाओं का नया मॉडल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने गौशालाओं को केवल गोवंश संरक्षण केंद्रों तक सीमित न रखकर उन्हें आत्मनिर्भरता, ग्रामीण उद्यमिता और रोजगार के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। शुक्रवार को इंदिरा भवन स्थित आयोग के सभागार में उद्यमियों, नवाचारी किसानों, गोसेवी संस्थाओं और गौशाला संचालकों के साथ आयोजित संवाद में गोबर, गोमूत्र और अन्य गो-आधारित संसाधनों के वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक उपयोग पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने की। इस अवसर पर आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेंगर, दीपक गोयल और रमाकांत उपाध्याय सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ और उद्यमी मौजूद रहे। संवाद का मुख्य उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोवंश से जुड़े प्रत्येक संसाधन का मूल्यवर्धन कर

स्थायी आय के स्रोत विकसित करना था। बैठक में ग्लोबल कॉन्फेडरेशन ऑफ काउ बेस्ड इंडस्ट्रीज (जीसीसीआई) के सचिव पुरीष कुमार ने 200 गायों वाली एक आदर्श गौशाला का राजस्व मॉडल प्रस्तुत करते हुए बताया कि यदि दूध, गोबर और गोमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग के साथ बायोगैस, जैविक खाद, प्राकृतिक कृषि इनपुट और अन्य गो-आधारित उत्पादों का उत्पादन किया जाए, तो एक गौशाला से प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ रुपये तक की आय अर्जित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को अनुदान आधारित व्यवस्था से निकालकर उत्पादन, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ना समय की आवश्यकता है। गुजरात के बनासकांठा जिले की गोमूत्र डेयरी के संचालक देवाराम पुरोहित ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि गोमूत्र के संग्रहण और वैज्ञानिक प्रसंस्करण से प्राकृतिक खेती के लिए उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ रसायन मुक्त खेती को भी बढ़ावा मिला है। वहीं, पूर्व पुलिस उपाधीक्षक एवं श्री ग्राम धाम गौशाला, सिद्धपुरा (लखनऊ) के संचालक शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बैल आधारित विद्युत उत्पादन मॉडल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से विकसित यह मॉडल स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का प्रभावी विकल्प बन सकता है। उन्होंने गौशालाओं को ऊर्जा उत्पादन, प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्र के रूप में विकसित करने का सुझाव भी दिया। रूरल हब इनोवेशंस लिमिटेड के गौरव गुप्ता ने तकनीक और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर विकसित करने पर जोर दिया। वहीं, पे अमृत ऑर्गेनिक एफपीओ के निदेशक प्रवीण मिश्रा ने गौ-आधारित सर्कुलर बायोइकोनॉमी, प्राकृतिक खेती, बायोगैस और जैविक उत्पादों को विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की शिक्षा से जोड़ने का सुझाव दिया, ताकि युवा पीढ़ी इन अवधारणाओं को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे सके। संवाद में विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य की गौशालाएं केवल गोवंश संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि 'ग्रामीण चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था हब' बन सकती हैं, जहां गोबर से बायोगैस और जैविक खाद, गोमूत्र से मूल्यवर्धित उत्पाद तथा अन्य गो-आधारित उत्पाद तैयार कर ऊर्जा, कृषि, रोजगार और आय के अनेक अवसर सृजित किए जा सकते हैं। इस मॉडल को विकसित भारत-2047 के विजन से जोड़ते हुए स्थानीय संसाधनों के मूल्यवर्धन, अपशिष्ट के पुनः उपयोग, ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर बढ़ाने तथा गांवों में चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर भी बल दिया गया।

यूपीएसआईएफएस में 'क्राइम सीन मैनेजमेंट' प्रशिक्षण का पांचवां बैच संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस), लखनऊ में आयोजित 'क्राइम सीन मैनेजमेंट' कोर्स के पांचवें बैच का 42 दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. प्रशांत कुमार रहे। इस अवसर पर यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी और उप महानिरीक्षक हेमराज मीना ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जनपदों से आरक्षी से लेकर निरीक्षक रैंक तक के 94 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। 42 दिनों तक चले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट की बारीकियों के साथ साइबर अपराध और फोरेंसिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान का मूल उद्देश्य अपराधों की वैज्ञानिक जांच के माध्यम से न्याय प्रणाली को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और मनोविज्ञान सहित कई वैज्ञानिक विषयों का समन्वित क्षेत्र है, जिसका उपयोग अपराध की निष्पक्ष जांच में किया जाता है। उन्होंने कहा कि डीएनए परीक्षण, फिंगरप्रिंट, जैविक एवं अन्य भौतिक साक्ष्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण अपराधियों की पहचान और अपराध के खुलासे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए अपराध स्थल से साक्ष्य का सही तरीके से संग्रह और संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, ताकि न्यायालय में उन्हें प्रभावी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत कर दोषियों को सजा दिलाई जा सके। डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विश्वस्तरीय फोरेंसिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूपीएसआईएफएस की स्थापना की है। संस्थान का लक्ष्य फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में दक्ष मानव संसाधन तैयार करना और शोध आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपने-अपने जनपदों में 'ट्रेनर ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी)' के रूप में अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे, जिससे पुलिस बल की कार्यकुशलता और वैज्ञानिक जांच क्षमता में वृद्धि होगी। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने कहा कि कानून और विज्ञान का समन्वय ही वास्तविक फोरेंसिक विज्ञान है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस विवेचना वैज्ञानिक साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप नहीं होगी तो न्यायालय में अभियोजन कमजोर पड़ जाएगा और न्याय प्रभावित होगा।

उपचार के दौरान युवक की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। कस्बा बिसवां के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 35 वर्षीय युवक की मौत हो जाने से परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही बरतने और गंभीर स्थिति के बावजूद समय रहते उच्च केंद्र रेफर न करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार ग्राम कोटरा, थाना बिसवां निवासी सुनीता पत्नी छोटेलाल भार्गव ने पुलिस को दी सूचना में बताया कि उनके पति छोटेलाल भार्गव (35) को पीलिया की बीमारी के उपचार के लिए मोहल्ला शंकरगंज स्थित सीता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि मरीज की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने समय रहते बेहतर उपचार के लिए रेफर नहीं किया, जिससे उनकी जान चली गई। वहीं अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे एक दिन पहले ही बाहर किसी बड़े अस्पताल में दिखाने की सलाह

दे दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य है तथा किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाना होगा: प्रियांशी सक्सेना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर। विद्यालयों में बच्चों का ठहराव और शिक्षकों द्वारा समय से उपस्थित होना तथा विद्यालयों का बन्द होना अपने निश्चित समय के अनुसार होना चाहिए तथा अभिभावकों से सीधा सम्पर्क करके बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति को प्रभावी बनाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में खैराबाद के संकुल कासिमपुर संकुल चिलवारा,संकुल धरैंचा तथा संकुल भागौतीपुर का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय रस्यौरा में जब आकस्मिक निरीक्षण किया उस समय बच्चों की उपस्थिति देखकर बहुत ज़्यादा ख़ुशी व्यक्त की विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय में पंजीकृत 241में से 179 यानी 85% उपस्थित हैं जिस पर छात्र उपस्थिति पंजिका एम डी एम पंजिका का अवलोकन किया विद्यालय में सफाई एवं रखरखाव से भी संतुष्टि व्यक्त की जबकि बच्चों के बीच पट्टी पर बैठकर भोजन भी किया और बच्चों

से संवाद भी किया जिससे बच्चे बहुत प्रसन्न व्यक्त करते हुए स्टाफ सहित एम डी की भी बहुत तारीफ़ की।इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ में कहकशां बानो, इफ़फत आरा,मनीषा सिंह, अंजू राज, दीपा शुक्ला, रसोइया शांति,संतोषी, सरोज, नीलम आदि मौजूद थे। इसके बाद संकुल धरैंचा के प्राथमिक विद्यालय ढेंढुराई और संकुल भगौतीपुर के कंपोजिट विद्यालय मातापुर का भी निरीक्षण किया सभी जगह सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई जिसके लिए मातापुर के प्रधानाध्यापक मोहम्मद जुनेद तथा सहायक ज़हीर आलम मंत्री जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद सहित समस्त स्टाफ की प्रशंसा भी की। निरीक्षण के उपरांत सुश्री प्रियांशी सक्सेना ने कहा कि विभागीय कार्यों को प्रथम वरीयता में करें तथा शत प्रतिशत आदेशों निर्देशों का पालन करें अन्यथा की स्थित में आप स्वयं उत्तरदाई होंगे।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज पर विपक्ष का हमला, सरकार से इस्तीफे की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे छात्र-छात्राओं पर पुलिस द्वारा बर्बर लाठीचार्ज किया गया। सबसे शर्मनाक बात यह है कि महिला छात्राओं के साथ अभद्रता और दुर्व्यवहार भी हुआ। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री जी 27 दिन बाद बोले हैं। कुंभकरण तो 6 महीने में जाग जाता था, आपको होश आने में 27 दिन लग गए। क्या भारत का प्रधानमंत्री भारत में नहीं रहता? साफ सुन लीजिए प्रधानमंत्री छात्र फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग नहीं कर रहे हैं। छात्र इस्तीफा मांग रहे हैं। चर्चा बहुत हो चुकी। देश की जनता को मत घुमाइए। भारत का हवाला मत दीजिए। सब जाग चुके हैं। आपके समर्थक देश के बच्चों पर लाठियां चलवाते रहे और आप देखते रहे। शर्म आनी चाहिए। देश का हर नागरिक जल रहा है, रो रहा है। लेकिन आपको गद्दी प्यारी है, आप कुर्सी नहीं छोड़ रहे। इसी अंधकार में सिख सरदार समाज ने मानवता की मिसाल पेश की। उन्होंने आगे बढ़कर छात्रों की रक्षा की। भारतीय जन समाज पार्टी सिख समाज के सभी भाइयों कोटि-कोटि धन्यवाद देती है। आपने साबित कर दिया कि 'सरदार भगत सिंह आज भी जिंदा हैं 'और आज भी वो जंतर-मंतर पर छात्रों की ढाल बनकर खड़े हैं। भारतीय जन समाज पार्टी इस संघर्ष में छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। हमारी सीधी मांगः प्रधानमंत्री घुमाइए मत इस्तीफा दो, गद्दी छोड़ो नाराः छात्र हित सर्वोपरि।

संक्षिप्त खबरें

इनरव्हील उड़ान क्लब का पांचवा अधिष्ठापन समारोह हुआ आयोजित

बिसवां सीतापुर। इनरव्हील उड़ान क्लब का पांचवां अधिष्ठापन समारोह सनशाइन स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें शालिनी गुप्ता प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी आरती मौर्या, एडीटर सीमा शुक्ला, वाइस प्रेसिडेंट सुनीता गुप्ता, आई.एस.ओ. नम्रता गुप्ता एवं ट्रेजरार तान्या मेहरोत्रा ने पदभार संभाला, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रेनू मेहरोत्रा मुख्य अतिथि एवं अलंकृता शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित की गईं, निवर्तमान अध्यक्षा सीमा रस्तोगी ने अपने कार्यकाल की समीक्षा व्यक्त करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को पुरस्कृत भी किया... इस कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्य सम्मिलित रहे।

अंतर्राज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा मार्गों के विकास के लिए 16.19 करोड़ रुपये जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश की अंतर्राज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्यों को गति देने के लिए 16 करोड़ 19 लाख 88 हजार रुपये की धनराशि जारी की है। यह राशि चार चालू परियोजनाओं के लिए स्वीकृत की गई है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा शासनादेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। शासनादेश के अनुसार आवंटित धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत परियोजनाओं पर निर्धारित मानकों एवं तकनीकी विशिष्टताओं के अनुरूप किया जाएगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि कार्यों के निष्पादन में वित्त विभाग द्वारा जारी आदेशों, बजट मैनुअल तथा वित्तीय नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक परियोजना का उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं कार्यों का संपरीक्षित लेखा निर्धारित समयावधि के भीतर उत्तर प्रदेश के महालेखाकार कार्यालय और शासन को उपलब्ध कराया जाए। प्रदेश सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से सीमा क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होगा, आवागमन सुगम बनेगा तथा सुरक्षा और व्यापारिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी।

विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए अखबार पढ़ना बेहद जरूरी : डॉ अम्मार रिज़वी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों में अध्ययन की रुचि, समसामयिक ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'विद्यालयों में समाचार-पत्र वितरण योजना' के तहत महमूदाबाद नगर स्थित बालिका इंटर कॉलेज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिज़वी ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर छात्राओं को अपने हाथों से समाचार-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अम्मार रिज़वी ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस पहल को अत्यंत सराहनीय और दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि समाचार-पत्र केवल सूचनाओं का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता और व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त साधन हैं। नियमित रूप से अखबार पढ़ने से विद्यार्थियों की भाषा और अभिव्यक्ति क्षमता मजबूत होती है तथा उन्हें देश-विदेश की शैक्षणिक, वैज्ञानिक, आर्थिक, खेल और सामाजिक गतिविधियों की सही जानकारी मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक दौर में समसामयिक

घटनाओं का ज्ञान हर छात्र के लिए अनिवार्य है। यह योजना न सिर्फ उन्हें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करेगी, बल्कि उनमें पढ़ने की नई आदत और प्रेरणा भी जगाएगी। विद्यालय परिवार ने डॉ. रिज़वी का स्वागत करते हुए इस अभिनव योजना की प्रशंसा की और कहा कि इससे बालिकाओं के बौद्धिक व शैक्षिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी। छात्राओं ने भी उत्साह के साथ समाचार-पत्र प्राप्त किए और सरकार के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर प्राचार्या पूनम मौर्या, शिक्षिका आशा एवं वसुंधरा कनोजिया, मौलाना आज़ाद इंस्टिट्यूट के कार्यालय अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, इरफ़ान मंसूरी, प्रमोद तिवारी सहित विद्यालय का समस्त शिक्षक एवं गैर-शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा।

साइबर अपराध पर सख्त हुई सरकार, प्रदेश को साइबर सुरक्षा में नंबर-1 बनाने के निर्देश

मुय सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री की 'प्रगति (PRAGATI)' समीक्षा के तहत साइबर अपराध से जुड़े नौ प्राथमिकता बिंदुओं पर प्रदेश की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर स्थापित करने और इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए सुनियोजित एवं समन्वित प्रयास किए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करें तथा साइबर अपराधियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की

जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि साइबर अपराध से जुड़े मामलों की नियमित निगरानी की जाए और पीड़ितों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई जाए। साइबर जागरूकता अभियान को व्यापक बनाने पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विभाग में एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो साइबर अपराध मुख्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर जागरूकता सामग्री को विभाग के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने सभी विभागों को इस संबंध में आवश्यक पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने उत्तर प्रदेश राज्य साइबर समन्वय केंद्र की अधिसूचना शीघ्र जारी करने, ई-जीरो एफआईआर प्रणाली को जल्द क्रियाशील बनाने तथा राज्यव्यापी 'ऑपरेशन साइबर वज्र' को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध के नए तरीकों के प्रति लोगों को लगातार जागरूक किया जाए। बैठक में पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) बी.के. सिंह ने बताया कि राज्य साइबर समन्वय केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव अंतिम चरण में है और इसकी अधिसूचना का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि एस4सी के आठ में से छह घटक पहले ही संचालित हो चुके हैं, जबकि शेष दो पर कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि साइबर अपराध की त्वरित और स्थान-निरपेक्ष एफआईआर दर्ज करने के लिए विकसित किया जा रहा ई-जीरो एफआईआर तंत्र अंतिम चरण में है। शिकायत निवारण, धनराशि वापसी और समन्वय पोर्टलों के संचालन में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन देश में अग्रणी है। बैठक में बताया गया कि राज्यव्यापी आसूचना आधारित अभियान 'ऑपरेशन साइबर वज्र' के तहत प्रारंभिक स्तर पर उल्लेखनीय सफलता मिली है। वहीं, साइबर अपराध की जांच के लिए पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में साइट्रेन प्लेटफॉर्म के उपयोग के मामले में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। मुख्य सचिव ने प्रदेश में साइबर अपराध के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार की गई जागरूकता सामग्री की भी सराहना की और निर्देश दिया कि इसे विभिन्न लक्षित समूहों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। बैठक में सचिव गृह मोहित गुप्ता, पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) बी.के. सिंह, साइबर अपराध मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सावन मेले की तैयारियों का निरीक्षण

लापरवाही पर कार्यदायी संस्था पर एक लाख का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सावन मेले और मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने जोन-6 क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बुद्धेश्वर मंदिर परिसर, मोहन रोड, पिंक सिटी स्थित अंडरग्राउंड स्ट्रॉन्ग वाटर ड्रेन, शकुंतला विश्वविद्यालय तथा काकोरी शहीद दिवस स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान घंटाघर से दुबग्गा रोड तक मुख्य मार्ग की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। हालांकि, अपर नगर आयुक्त ने संपर्क मार्गों और गलियों में भी नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों के साथ-साथ अंदरूनी क्षेत्रों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बुद्धेश्वर मंदिर परिसर में उन्होंने नालियों की नियमित सफाई और परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। वहीं, अधिशासी अभियंता को ओवरब्रिज के दोनों ओर स्थित सर्विस लेन को जीएसबी डालकर गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित कार्य प्रगति पर है और जल्द पूरा कर लिया जाएगा। सावन मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपर नगर आयुक्त ने प्रकाश विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर सभी विद्युत पोलों के निचले हिस्से और विद्युत संयोजक बिंदुओं को पूरी तरह इंसुलेट कराने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। पिंक सिटी स्थित अंडरग्राउंड ड्रेन के निरीक्षण के दौरान दो 7.5 एचपी डीजल पंप और दो बकेट मशीनें निष्क्रिय मिलीं। अधिकारियों ने बताया कि ड्रेन सफाई का कार्य पूर्व में जीटी कंस्ट्रक्शन को दिया गया था, लेकिन कार्य पूरा न करने के कारण संस्था को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। मशीनें मौके पर होने के बावजूद उपयोग में नहीं लाई जा रही थीं। इस पर अपर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वी होप हॉस्पिटल से हैदर कैनाल तक अंडरग्राउंड ड्रेन के आउटलेट पर कई स्थानों पर कूड़ा फैला मिला। इस पर उन्होंने जोनल अधिकारी और जोनल सेनेटरी अधिकारी को फटकार लगाई तथा सफाई कार्य में लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्था एफ.बी. ट्रेडर्स पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। बुद्धेश्वर मंदिर से काकोरी शहीद दिवस स्थल तक सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति 2026-27 की समय-सारिणी जारी, 15 सितंबर से शुरू होंगे ऑनलाइन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की विस्तृत समय-सारिणी जारी कर दी है। योजना के तहत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), सामान्य वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिया जाएगा। इस संबंध में प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग अनुराग यादव द्वारा शासनादेश जारी किया गया है। जारी समय-सारिणी के अनुसार 22 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक शिक्षण संस्थान अपने मास्टर डाटा को तैयार करेंगे। इसके बाद विश्वविद्यालयों, संबद्ध संस्थानों तथा जिला समाज कल्याण अधिकारियों द्वारा विभिन्न चरणों में ऑनलाइन सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शासनादेश के अनुसार नवीनीकरण के लिए पात्र छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं नए अभ्यर्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन प्राप्त होने के बाद सत्यापन, स्क्रूटनी, जिला स्तरीय समिति की स्वीकृति, मांग सृजन और धनराशि अंतरण की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। सरकार के अनुसार नवीनीकरण वाले पात्र छात्रों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि 1 से 10 दिसंबर 2026 के बीच भेजी जाएगी, जबकि नए छात्रों के खातों में यह राशि 27 से 31 जनवरी 2027 के बीच अंतरित की जाएगी।

संपादकीय

वांगचुक का अनशन समाप्त

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और युवाओं के बढ़ते असंतोष को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन ने हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजनीति का प्रमुख मुद्दा बना दिया है। इस आंदोलन को नई ऊर्जा तब मिली जब सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक छात्रों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। 26 दिनों तक चले इस अनशन ने सरकार, विपक्ष, मीडिया और आम जनता का ध्यान छात्रों की मांगों की ओर आकर्षित किया। अब जब सोनम वांगचुक ने सरकार से कुछ आश्वासनों के बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया है, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या इससे छात्र आंदोलन कमजोर पड़ जाएगा या फिर आंदोलन किसी नए चरण में प्रवेश करेगा। इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है। किसी भी बड़े जन आंदोलन का भविष्य केवल एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं करता, बल्कि उसकी जड़ें कितनी गहरी हैं और लोगों का समर्थन कितना व्यापक है, यह अधिक महत्वपूर्ण होता है। सोनम वांगचुक ने अपना अनशन सरकार से बातचीत और कुछ लिखित आश्वासनों के बाद समाप्त किया। बताया गया कि सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई न करने, परीक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे बिंदुओं पर सहमति जताई। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह 'भूख का अंत है, जवाबदेही की शुरुआत' है। हालांकि, आंदोलन से जुड़े छात्र संगठनों और युवा नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल अनशन समाप्त होने का अर्थ आंदोलन समाप्त होना नहीं है। उनका कहना है कि जब तक परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उनकी अन्य प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। इतिहास भी बताता है कि कई आंदोलनों में किसी प्रमुख नेता का अनशन समाप्त होने के बाद भी आंदोलन जारी रहा है। कई बार अनशन केवल सरकार का ध्यान आकर्षित करने का माध्यम होता है, जबकि असली संघर्ष उसके बाद शुरू होता है। यदि जनता और आंदोलनकारी संगठित रहें, तो आंदोलन आगे भी प्रभावी बना रह सकता है। दूसरी ओर, यह भी सच है कि सोनम वांगचुक इस आंदोलन का एक बड़ा नैतिक चेहरा बन चुके थे। उनके अनशन ने पूरे देश में छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनके अनशन समाप्त होने के बाद कुछ लोगों में यह धारणा बन सकती है कि अब सरकार और आंदोलन के बीच संवाद शुरू हो गया है। इससे कुछ प्रदर्शनकारियों का उत्साह कम हो सकता है और आंदोलन की तीव्रता अस्थायी रूप से घट सकती है। सरकार के लिए भी यह एक अवसर है। यदि वह अपने आश्वासनों को समयबद्ध तरीके से लागू करती है, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाती है और दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई करती है, तो आंदोलन धीरे-धीरे शांत हो सकता है। लेकिन यदि वादे केवल आश्वासन बनकर रह जाते हैं, तो आंदोलन पहले से अधिक व्यापक रूप ले सकता है। विपक्ष भी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। विभिन्न विपक्षी दल छात्रों के समर्थन में अपनी आवाज उठा रहे हैं और सरकार पर दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इससे आंदोलन का राजनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह केवल एक परीक्षा या एक पेपर लीक का मुद्दा नहीं रह गया है। यह युवाओं के भविष्य, रोजगार, शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और सरकारी जवाबदेही से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि आंदोलन का दायरा लगातार बढ़ा और इसमें केवल छात्र ही नहीं, बल्कि अभिभावक, शिक्षाविद और समाज के अन्य वर्ग भी शामिल होने लगे। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि सोनम वांगचुक के अनशन समाप्त होने से छात्र आंदोलन खत्म हो जाएगा। अधिक संभावना यही है कि आंदोलन का स्वरूप बदल सकता है। सड़क पर विरोध के साथ-साथ अब वार्ता, कानूनी प्रक्रिया और नीतिगत सुधारों की मांग पर भी अधिक जोर दिया जाएगा।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष –मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर लेकर आएगा। यदि आप पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ कार्य करेंगे तो अपेक्षा से बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर आपकी सक्रियता अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करेगी। हालांकि कुछ लोग आपकी प्रगति से असहज हो सकते हैं, इसलिए अनावश्यक विवादों से दूर रहना बेहतर रहेगा। धैर्य और संयम आपके लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होंगे।

वृषभ- वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और इसी के बल पर आप कई महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे कर पाएंगे। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिया गया निर्णय लाभदायक सिद्ध हो सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में भी वातावरण अनुकूल रहेगा। यदि यात्रा टाली जा सकती है तो ऐसा करना अधिक लाभकारी रहेगा।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों को आज कुछ परिस्थितियों में मानसिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। छोटी-छोटी बातें भी बड़ी प्रतीत हो सकती हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखना आवश्यक होगा। निजी जीवन में जीवनसाथी अथवा प्रियजनों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

कर्क-कर्क राशि के लिए आज का दिन कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन का संकेत दे रहा है। यदि आप स्वयं पर अनुशासन बनाए रखते हुए सहयोगियों के साथ संतुलित व्यवहार करेंगे तो कार्यों में उल्लेखनीय सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और लंबे समय से प्रतीक्षित लाभ मिलने की संभावना भी बन रही है।

सिंह-सिंह राशि के जातकों के लिए आज सुख-सुविधाओं में वृद्धि के योग बन रहे हैं। घर और परिवार से जुड़ी आवश्यकताओं पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन यह खर्च संतोष देने वाला रहेगा। नेतृत्व क्षमता के कारण कार्यस्थल पर आपकी अलग पहचान बनेगी और कम समय में अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

कन्या-कन्या राशि के लोगों के लिए संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। यदि किसी सौदे पर विचार कर रहे हैं तो परिस्थितियां अनुकूल हो सकती हैं। परिवार में सामंजस्य बनाए रखने के लिए वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। भाग्य का सहयोग मिलने से कई अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

तुला-तुला राशि के जातकों की रचनात्मकता और कलात्मक क्षमता आज निखरकर सामने आएगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन स्वार्थी और छल करने वाले लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। विवेकपूर्ण निर्णय आपको आगे बढ़ने में सहायता करेंगे।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के लिए आज संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में तेजी से निर्णय लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। समय का सही उपयोग लाभ दिला सकता है। पारिवारिक और वैवाहिक जीवन में किसी भी निर्णय से पहले अपने प्रियजनों की राय अवश्य लें। संवाद और विश्वास बनाए रखने से रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज पुराने दायित्वों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि समय पर जिम्मेदारियां पूरी नहीं की गई तो आपकी छवि प्रभावित हो सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए यात्रा लाभदायक सिद्ध हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और दिनचर्या में संतुलन बनाए रखें।

मकर-मकर राशि के लोगों के लिए आज पूर्व में किए गए परिश्रम का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। परिवार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं, जिनमें धैर्य और समझदारी आवश्यक होगी। नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। यदि किसी महत्वपूर्ण योजना पर काम कर रहे हैं तो अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। भवन निर्माण या घर से जुड़े कार्यों में समय देना पड़ सकता है।

मीन-मीन राशि के लोगों के लिए आज संसाधनों और सुविधाओं में वृद्धि के संकेत हैं। नई तकनीक, नए ज्ञान या आधुनिक कार्यप्रणाली से जुड़ने का अवसर मिल सकता है, जिससे भविष्य में लाभ होगा। लंबे समय से रुका हुआ धन मिलने की संभावना भी बन रही है।

सोनभद्र में बेटियों के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला बनी मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

ह्यह्ययह महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी योजना जिले के शहरी क्षेत्रों से लेकर सुदूर ग्रामीण और वनांचल इलाकों तक बेटियों के जन्म से लेकर उनकी उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक निरंतर आर्थिक संबल प्रदान कर समाज में एक नई चेतना का संचार कर रही है। राज्य सरकार की इस युगांतकारी पहल का मुय उद्देश्य समाज में व्याप्त कन्या भ्रूण हत्या जैसी अमानवीय कुरीतियों को समूल नष्ट करना, बाल विवाह की कुप्रथा पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा के स्तर में ऐतिहासिक सुधार के साथ समान सामाजिक स्तर पर लाकर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है। जनपद सोनभद्र में इस कल्याणकारी नीति ने बेटियों के प्रति समाज के पारंपरिक और संकीर्ण दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया है, जिससे अब बेटियों का जन्म किसी परिवार पर आर्थिक भार नहीं, बल्कि गौरव और सौभाग्य का प्रतीक माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश को महिला सशक्तिकरण, समानता और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' जनपद सोनभद्र में बालिकाओं के स्वर्णिम भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला साबित हो रही है। यह महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी योजना जिले के शहरी क्षेत्रों से लेकर सुदूर ग्रामीण और वनांचल इलाकों तक बेटियों के जन्म से लेकर उनकी उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक निरंतर आर्थिक संबल प्रदान कर समाज में एक नई चेतना का संचार कर रही है। राज्य सरकार की इस युगांतकारी पहल का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कन्या भ्रूण हत्या जैसी अमानवीय कुरीतियों को समूल नष्ट करना, बाल विवाह की कुप्रथा पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा के स्तर में ऐतिहासिक सुधार के साथ समान सामाजिक स्तर पर लाकर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है। जनपद सोनभद्र में इस कल्याणकारी नीति ने बेटियों के प्रति समाज के पारंपरिक और संकीर्ण दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया है, जिससे अब बेटियों का जन्म किसी परिवार पर आर्थिक भार नहीं, बल्कि गौरव और सौभाग्य का प्रतीक माना जा रहा है। जनपद सोनभद्र में जिला प्रशासन के संवेदनशील प्रयासों और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के फलस्वरूप इस योजना ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी आंदोलन का रूप ले लिया बालिकाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें जीवन के हर महत्वपूर्ण मोड़ पर वित्तीय सुरक्षा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत कुल 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता को छह सुव्यवस्थित चरणों में विभाजित किया गया है। योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में बालिका के जन्म होने पर (एक वर्ष के भीतर आवेदन करने की स्थिति में) 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे नवजात बेटी के शुरुआती लालन-पालन, पोषण और देखभाल में परिवारों को अत्यंत महत्वपूर्ण संबल मिल रहा है। इसके पश्चात द्वितीय चरण में बालिका के एक वर्ष की आयु तक के सभी अनिवार्य एवं जानलेवा बीमारियों से बचाव वाले टीकों के पूर्ण होने पर 2,000 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। जनपद सोनभद्र में इस चरण की सफलता से जहां एक ओर समयबद्ध संपूर्ण टीकाकरण को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिला है, वहीं दूसरी ओर शिशु मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है, जो प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी दूरदर्शी सोच का जीवंत प्रमाण है। शिक्षा को बालिका सशक्तिकरण का सबसे सशक्त और स्थायी माध्यम मानते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना को विद्यालयी शिक्षा के हर स्तर से अत्यंत प्रभावी ढंग से जोड़ा है। जनपद सोनभद्र में बेटियों के प्रारंभिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर विद्यालय में नामांकन को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने तथा ड्रॉप-आउट दर को शून्य पर लाने के लिए तृतीय और चतुर्थ चरण के तहत महत्वपूर्ण आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। योजना के तृतीय चरण में बालिका के प्रथम कक्षा में प्रवेश लेने पर 3,000 रुपये तथा चतुर्थ चरण के तहत छठी कक्षा में दाखिला लेने पर पुन: 3,000 रुपये की सहायता राशि अभिभावकों के खातों में भेजी जा रही है। इस वित्तीय व्यवस्था ने जिले के गरीब और सीमित संसाधनों वाले परिवारों को अपनी बेटियों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया है, जिससे प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की भागीदारी में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। इसके आगे, किशोरावस्था में बेटियों की शिक्षा बाधित न हो और वे उच्च कक्षाओं की ओर आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा सकें, इसके लिए पंचम श्रेणी के अंतर्गत कक्षा नौ में प्रवेश लेने पर बालिका को 5,000 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है। जनपद सोनभद्र के ग्रामीण अंचलों में यह आर्थिक संबल माध्यमिक स्तर पर बेटियों के पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति को रोकने और उन्हें अपनी शैक्षणिक यात्रा जारी रखने में एक रक्षा कवच का कार्य कर रहा है। योजना के छठे एवं अंतिम चरण के तहत बालिका द्वारा 10वीं या 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक अथवा न्यूनतम दो वर्ष की अवधि वाले व्यावसायिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने पर 7,000 रुपये की एकमुश्त महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। जनपद सोनभद्र में इस प्रावधान ने उन मेधावी एवं महत्वाकांक्षी बेटियों के सपनों को नए पंख दिए हैं, जो पहले उच्च शिक्षा या तकनीकी पाठ्यक्रमों की फीस और अन्य खर्चों के डर से अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को विवश हो जाती थीं। आज प्रदेश सरकार के इस संबल से जिले की बेटियां इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपने आत्मनिर्भर भविष्य का निर्माण कर रही हैं। आंकड़ों का अवलोकन करने से यह स्पष्ट होता है कि जनपद सोनभद्र में जन्म और टीकाकरण से लेकर उच्च स्तर की शिक्षा तक, हर पड़ाव पर हजारों बालिकाएं इस योजना से लाभान्वित होकर अपने सपनों को साकार कर रही हैं। प्रदेश सरकार सुशासन, पूर्ण पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को निभाते हुए योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार के मध्यस्थ या बिचौलिए की भूमिका को पूरी तरह से समाप्त कर चुकी है। जनपद सोनभद्र के समस्त पात्र लाभार्थियों को सभी प्रकार की वित्तीय सहायताओं का भुगतान सीधे डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली के माध्यम से उनके या उनके अभिभावकों के बैंक खातों में किया जा रहा है। तकनीक के इस पारदर्शी और त्वरित उपयोग से योजना का शत-प्रतिशत लाभ बिना किसी कटौती या विलंब के सीधे वास्तविक हकदारों तक पहुंच रहा है, जिससे आम जनता का प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर विश्वास और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। इस व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यों में गतिशीलता लाने के साथ-साथ लाभार्थियों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने की समस्याओं से भी पूर्णत: मुक्ति दिलाई है। योजना का सुचारू एवं निष्पक्ष लाभ वास्तविक रूप से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अत्यंत स्पष्ट एवं समावेशी पात्रता मानदंड निर्धारित किए गए हैं। जनपद सोनभद्र में इस योजना से जुड़ने के लिए लाभार्थी परिवार का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा परिवार की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय 3,00,000 (तीन लाख) रुपये की सीमा तक निर्धारित है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को प्राथमिकता का लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही, सामाजिक संतुलन, छोटे परिवार के महत्व और जनसंख्या नियंत्रण के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योजना का लाभ एक परिवार की अधिकतम दो बालिकाओं तक सीमित रखा गया है तथा परिवार में कुल बच्चों की संख्या भी दो से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, प्रदेश सरकार ने संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए यह विशेष प्रावधान भी किया है कि यदि किसी परिवार में पहले प्रसव में एक बेटी है और दूसरे प्रसव में जुड़वां बेटियों का जन्म होता है, तो ऐसी असाधारण स्थिति में परिवार की तीनों बेटियों को योजना का संपूर्ण लाभ प्रदान किया जाएगा। जनपद सोनभद्र में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे जिला प्रशासन द्वारा की जा रही त्वरित कार्यप्रणाली, नियमित समीक्षा और व्यापक जागरूकता अभियानों की महती भूमिका है। जिला प्रशासन द्वारा जनपद के समस्त विकास खंडों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों और सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में विशेष शिविरों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र बेटी इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। प्रशासनिक स्तर पर प्राप्त होने वाले ऑनलाइन आवेदनों का पूरी पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ समयबद्ध सत्यापन कर स्वीकृतियां प्रदान की जा रही हैं। चालू वित्तीय वर्ष में भी जनपद सोनभद्र के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इस योजना के प्रति जनता में अभूतपूर्व उत्साह और जागरूकता देखने को मिल रही है, तथा स्वीकृत आवेदनों के आधार पर निरंतर लाभार्थियों के खातों में धनराशि प्रेषित की जा रही है। वास्तव में, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जनपद सोनभद्र में केवल एक वित्तीय सहायता कार्यक्रम मात्र नहीं है, बल्कि यह बालिकाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्वावलंबन की एक नई एवं गौरवशाली गाथा लिख रही है। बेटियों के जन्म को एक उत्सव में बदलने से लेकर उनके हाथों में उच्च शिक्षा और आत्मनिर्भरता की डिग्री थमाने तक, प्रदेश सरकार की यह दूरदर्शी नीति सोनभद्र जिले को एक सशक्त, शिक्षित और समृद्ध जनपद बनाने की दिशा में नए एवं ऐतिहासिक आयाम स्थापित कर रही है। आज जनपद सोनभद्र की हजारों बेटियां प्रदेश सरकार के इस मजबूत संबल के साथ समाज में पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ रही हैं और राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य व ऐतिहासिक भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं।

सूचनाधिकारी जनपद-सोनभद्र/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत पात्र बेघरों को मिल रहा है आवास

इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उार प्रदेश सरकार ने मुयमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन वर्गों को प्राथमिकता दी है, जो वर्षों से आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रहे। प्रदेश के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई, मुयमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आज प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई उमीद लेकर आई है। मुयमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित यह योजना उन परिवारों को पका आवास उपलध करा रही है जो प्राकृतिक आपदाओं, गंभीर बीमारियों, सामाजिक और आर्थिक विषमताओं अथवा विशेष परिस्थितियों के कारण सुरक्षित आवास से वंचित थे। इस योजना के अंतर्गत वनटांगिया, मुसहर, कोल, सहरिया, थारू, पछइया/गढ़इया लोहार, बैगा, चेरो, नट, बोसा, बंजारा, बांसफोर, बसोड़, धरकार, सपेरा, जोगी जैसे वंचित समुदायों के साथ-साथ दिव्यांगजन, कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवार, कालाजार एवं जेई/एईएस से प्रभावित परिवार, प्राकृतिक आपदा पीड़ित तथा पति के मृत्योपरांत निराश्रित महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलध कराए जा रहे हैं।

समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब विकास की धारा उन लोगों तक भी पहुंचे जो लंबे समय तक मुख्यधारा से दूर रहे हैं। जिन परिवारों के पास रहने के लिए सुरक्षित घर नहीं होता, उनके सामने केवल आवास का संकट नहीं होता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सम्मान जैसी अनेक चुनौतियां भी खड़ी होती हैं। इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन वर्गों को प्राथमिकता दी है, जो वर्षों से आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रहे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आज प्रदेश के लाखों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित यह योजना उन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध करा रही है जो प्राकृतिक आपदाओं, गंभीर बीमारियों, सामाजिक और आर्थिक विषमताओं अथवा विशेष परिस्थितियों के कारण सुरक्षित आवास से वंचित थे। इस योजना के अंतर्गत वनटांगिया, मुसहर, कोल, सहरिया, थारू, पछइया/गढ़इया लोहार, बैगा, चेरो, नट, बोक्सा, बंजारा, बांसफोर, बसोड़, धरकार, सपेरा, जोगी जैसे वंचित समुदायों के साथ-साथ दिव्यांगजन, कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवार, कालाजार एवं जेई/एईएस से प्रभावित परिवार, प्राकृतिक आपदा पीड़ित तथा पति के मृत्योपरांत निराश्रित महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के शुभारंभ से लेकर वर्ष 2025-26 तक कुल 4.72 लाख आवासों का आवंटन किया जा चुका है, जिनमें से 4.55 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। लगभग 93.36 प्रतिशत आवास पूर्णता यह दर्शाती है कि योजना केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारी जा रही है। योजना के माध्यम से समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। अब तक 1.35 लाख से अधिक दिव्यांगजन, 1.07 लाख से अधिक प्राकृतिक आपदा प्रभावित परिवार, 74 हजार से अधिक निराश्रित विधवा महिलाएं, 50 हजार से अधिक मुसहर परिवार, 33 हजार से अधिक कोल समुदाय, करीब 10 हजार थारू परिवार सहित अनेक विशेष वर्गों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। यह आंकड़े सामाजिक न्याय के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 1.16 लाख नए आवासों का बजटीय प्रावधान किया है। इनमें से 52 हजार आवासों का पंजीकरण पहले ही किया जा चुका है तथा शेष प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। साथ ही हाल ही में जारी शासनादेश के माध्यम से प्रदेश में निवासरत सभी जनजातियों को भी योजना की प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र परिवार लाभान्वित हो सकें। योजना के अंतर्गत कई जनपदों में क्लस्टर आधारित आवास निर्माण किया जा रहा है। खीरी, प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलरामपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर तथा सोनभद्र जैसे जनपदों में विकसित हो रहे आवासीय क्लस्टर ग्रामीण क्षेत्रों में सुनियोजित विकास का नया मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) केवल मकान उपलब्ध कराने की योजना नहीं है। यह सामाजिक सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का अभियान है। जब किसी गरीब परिवार को अपना पक्का घर मिलता है तो उसके बच्चों की शिक्षा बेहतर होती है, महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिलता है और परिवार का आत्मविश्वास बढ़ता है। यही परिवर्तन समाज के समग्र विकास की नींव बनता है। उत्तर प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। यह योजना हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा, नया विश्वास और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। यह योजना प्रदेश के प्रत्येक पात्र परिवार तक सुरक्षित आवास पहुंचाकर समावेशी, संवेदनशील और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बी एल यादव, सहा0 निदेशक (से0नि0)/के0एल0 चौधरी, उपनिदेशक (से0नि0)

इतिहास के प्रहरी और शिवगाथा के अमर शिल्पकार

यह सोचकर भी हैरानी होती है कि कोई व्यक्ति एक ही विषय पर शोध करने, उससे संबंधित इतिहास को खंगालने, तथ्यों को जुटाने और फिर अलग-अलग माध्यमों से उसे जन-जन तक पहुंचाने में अपना समूचा जीवन समर्पित कर दे। ऐसा अनोखा कार्य करने वाली एक शख्सियत हैं— महाराष्ट्र के बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे, जो देश में बाबा साहेब पुरंदरे के नाम से विख्यात हैं। बाबा साहेब ने 17वीं सदी के पराक्रमी शासक छत्रपति शिवाजी राजे भोसले, जिन्होंने मुग़लों से संघर्ष कर हिंदवी (मराठा) साम्राज्य की नींव रखी, के जीवन-चरित्र, उनकी युद्ध-नीति, प्रगतिशील विचार और उनके अद्भुत शौर्य को कथा, कहानी, व्याख्यान और नाटक आदि के माध्यम से समाज के सामने इस तरह प्रस्तुत किया कि वह बच्चे-बच्चे की जुबान पर आ गया। उन्हें 'शिवशाहीर' की उपाधि दी गई, जिसका अर्थ है वीरों की शौर्य-गाथा को जनमानस तक पहुंचाने वाला कलाकार-कवि-प्रस्तोता।29 जुलाई, 1922 को पुणे के एक कुलीन परिवार में जन्मे बलवंत मोरेश्वर पुरंदरे की बाल्यकाल से ऐतिहासिक विषयों में बहुत रुचि थी। जिस आयु में बच्चे खिलौनों की मांग करते हैं, उस आयु में बलवंत अपने पिता से छत्रपति शिवाजी के किलों और ऐतिहासिक स्थलों पर ले जाने के लिए कहते। वीर-रस से ओतप्रोत काव्य और साहित्य उन्हें बचपन से रुचिकर लगने लगा था। शिवाजी पर आधारित साहित्य पढ़कर उनके व्यक्तित्व से वे गहरे प्रभावित हुए और धीरे-धीरे बच्चे की पढ़ने की यह रुचि कब साहित्य रचने में बदल गई, उनके पालकों को पता ही नहीं चला। किशोर वय में लिखी गई उनकी कविताएं लोगों को बहुत प्रभावित करने लगीं और स्थानीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने लगीं।मात्र 17 वर्ष की उम्र में बलवंत ने शिवाजी महाराज पर एक पुस्तक का लेखन कर अपनी परिपक्व सोच, गंभीर ऐतिहासिक दृष्टि और शिवाजी-प्रेम का परिचय दिया। इसके बाद उन्होंने 'भारत इतिहास संशोधक मंडल' में एक शोधकर्ता के रूप में कार्य किया और फिर अपने स्तर पर शिवाजी के काल को समझने-जानने का कार्य शुरू किया। इसके लिए जिन-जिन स्थानों पर शिवाजी रहे थे तथा जिन-जिन स्थानों पर गए थे, उन सभी स्थानों की बाबा साहेब ने अनेक बार यात्राएं कीं और जानकारी एकत्र की। इतना ही नहीं, शिवाजी महाराज द्वारा निर्मित 30 किलों की भी यात्राएं कीं। लंबी अवधि तक किए शोध के बाद बाबा साहेब ने शिवाजी के जीवन और शौर्य को बहुत प्रभावी तरीक़े से व्यक्त करता मराठी महानाट्य लिखा— 'जाणता राजा'। जिसका अर्थ है— जनता का राजा। जब यह महानाट्य पहली बार मंच पर अवतरित हुआ तो दर्शकों ने दांतों तले उंगलियां दबा लीं और देश के तमाम दिग्गज नाट्य निर्देशकों और कलाकारों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। इसमें लगभग 200 कलाकारों के साथ-साथ हाथी, घोड़े और ऊंट भी मंच पर आते थे। बाबा साहेब की अनोखी निर्देशकीय दृष्टि और परिकल्पना से सजा यह नाटक देखने वालों के अंतर्मन को छू जाता था। इसकी ख़ास बातें यह थीं कि इसका मंचन कभी किसी हॉल में नहीं, बल्कि विशाल मैदान में किया जाता था और तीन-चार मंजिला किले बनाए जाते थे। नाटक का मूल भाव प्रभावी संगीत के कारण और अधिक जीवंत हो उठता था। इसके लिए बड़ी संख्या में गायक और वादक नेपथ्य से अपनी भूमिका निभाते थे। टकराती तलवारें, सैनिकों की ललकारें, हाथियों की चिंघाड़, मातृभूमि के लिए मरने-मारने का जुनून, शहीद होते सैनिकों के हृदयविदारक दृश्य और उनकी वीरता व शौर्य की अद्भुत प्रस्तुति ने इस महानाट्य को असरदार और जीवंत बना दिया। देश के प्रसिद्ध रंगकर्मी और निर्देशक रतन थियम, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के इब्राहिम अल्काजी जैसी हस्तियों ने भी इस महानाट्य को तैयार करने में योगदान दिया। बाबा साहेब की लगन, मेहनत और गहरी समझबूझ से 'जाणता राजा' ने इतिहास रच दिया। देश के विभिन्न शहरड्डों सहित विदेशों में इसके 1200 से अधिक भव्य मंचन किए गए। सिर्फ़ अमेरिका में ही 800 से अधिक मंचन हुए। इसे एशिया का सबसे प्रसिद्ध महानाट्य माना जाता है। इस नाटक का बाद में अंग्रेज़ी सहित कई भाषाओं में अनुवाद किया गया। शिवाजी के जीवन और पेशवा साम्राज्य पर बाबा साहेब ने मराठी भाषा में लगभग 35 पुस्तकें लिखीं, जिनमें जाणता राजा के अतिरिक्त अन्य प्रमुख हैं— राजा शिव छत्रपति, शिवपूर्वकाल, राजगढ़, पावनखिंड, शेलारखिंड, जल्य थिंगा, राजे संभाजी, फुलवंती, गड़कोट आदि। राजा शिव छत्रपति पुस्तक दो भागों में लिखी गई। 'शेलारखिंड' पुस्तक पर फिल्म भी बनी थी, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। बाबा साहेब के संबंध में एक अन्य उल्लेखनीय तथ्य यह है कि उन्होंने शिवाजी के चरित्र पर देश-विदेश में 12,000 से अधिक व्याख्यान दिए। उनकी हर सांस में शिवाजी बसते थे। महाराष्ट्र भूषण, कालिदास सम्मान और पद्मविभूषण से सम्मानित इस महान शोधकर्ता, इतिहास लेखक, साहित्यकार और नाटककार ने 99 वर्ष की आयु में संसार से विदा ली। अपने कर्तृत्व के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

योग व स्वास्थ्य जागरूकता के लिए योग प्रशिक्षक सम्मानित

देवरिया। योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए योग प्रशिक्षक पिंटू लाल यादव को मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षकों के निरंतर प्रयास और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जा रहे प्रचार-प्रसार से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा नियमित योग अपनाने की प्रेरणा मिल रही है। सीडीओ ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली के लिए दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियमित योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. जयराम यादव, होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. संजय सिंह तथा कार्यक्रम प्रबंधक गौरव शाही की देखरेख में जनपद में योग संबंधी गतिविधियों के संचालन की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक जितेंद्र दीक्षित, ममता तिवारी, अमन मिश्रा, गिरिजा शंकर विश्वकर्मा, शाहीन फातिमा, शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य प्रशिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योग के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

लाभार्थियों को वितरित हुए प्रमाण पत्र व सहायक उपकरण

देवरिया। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सलेमपुर तहसील सभागार में सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान कल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया। समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, प्रोबेशन एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण वितरित किए गए। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमरेश सिंह ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सीधे सहायता पहुंचाना है। शिविर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने 10 दिव्यांगों को कान की मशीन, छड़ी और स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने 'ओ' लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त 10 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। समाज कल्याण विभाग ने 15 वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए, जबकि समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 30 छात्र-छात्राओं को स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में समाजसेवी श्याम बहादुर सिंह, शिवाकांत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। अंत में सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

शत-प्रतिशत नामांकन के लिए डीएम ने ग्राम प्रशासकों से किया अपील

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

देवरिया। जिले में स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सभी ग्राम प्रशासकों से सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। इसी उद्देश्य से संचालित अभियान के तहत कक्षा 1 से 8 तक प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, जूते-मोजे, स्वेटर, स्टेशनरी, मध्यान्ह भोजन और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने ग्राम प्रशासकों से घर-घर संपर्क कर सभी पात्र बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने और छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित उपस्थित बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित अनुश्रवण करने, शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग करने तथा कायाकल्प अभियान के सभी 19 मानकों के अनुरूप सुविधाएं सुनिश्चित कराने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता से देवरिया शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल होगा।

फार्म स्कूल/कृषक के खेत पर किसानों का प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। फार्म स्कूल कृषकों का चयन कर उनके प्रक्षेत्र पर खेती की नई विधा द्वारा कृषकों को जागरूक किया जाता है। फसलों की विभिन्न चार अवस्थाओं पर प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्र पर 25 कृषकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उस प्रशिक्षण में किसानों को जागरूक करने के साथ फार्म स्कूल में उगायी गयी फसलों के उपज का आकलन किया जाता है। फार्म स्कूल का मुख्य उद्देश्य कृषि की नयी तकनीकि को अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचाना है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के खरीफ मौसम में आयोजित जनपद के समस्त 18 फार्म स्कूलों में प्रशिक्षण हेतु नोडल नामित किया गया है, जिनके द्वारा फार्म स्कूल के प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया जा रहा है। समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा कृषि व कृषि से सम्बन्धित अन्य योजनाओं के बारे में प्रशिक्षण में प्रतिभागी कृषकों को जानकारी दी जा रही है। जनपद के विकास खण्ड टाण्डा के अन्तर्गत ग्राम-पियारेपुर में जिला प्रोबेशन अधिकारी, अम्बेडकरनगर व उप कृषि निदेशक, अम्बेडकरनगर के द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों को फार्म स्कूल से सम्बन्धित जानकारी के साथ-साथ अन्य कृषि निवेश, उर्वरक, बीज, कीटनाशी के उपयोग आदि के बारे में जानकारी दी गयी। डी0एस0आर (धान की सीधी बुवाई) के लाभ के बारे में बताया गया, डी0एस0आर0 विधि से खेती करने पर बीज उर्वरक एवं पानी की बचत होती है जिससे खेती में 30 प्रतिशत तक लागत कम हो जाती है साथ ही साथ फसल के उत्पादन में कोई कमी नहीं होती है। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों द्वारा बताया गया कि पियारेपुर गाँव में 30-40 हेक्टेयर में धान की सीधी बुवाई की गयी है। इसी प्रकार जनपद के समस्त चिन्हित 18 फार्म स्कूलों पर नामित नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागी कृषकों को डीएसआर विधि से खेती की बारीकियों/तकनीकी आदि से अवगत कराया गया तथा विभिन्न योजनाओं आज की जानकारी प्रदान की गई।

बाढ़ की स्थिति पर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क, नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से प्राप्त बाढ़ अलर्ट के अनुसार बाराबंकी जनपद के एल्गिन ब्रिज पर सरयू (घाघरा) नदी का जलस्तर खतरे के निशान 106.070 मीटर को पार कर 106.130 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के स्तर से 0.060 मीटर ऊपर है तथा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की प्रवृत्ति में है। उक्त सूचना के दृष्टिगत जनपद में संभावित बाढ़ से संबंधित तहसीलों, पुलिस, सिंचाई, राजस्व, स्वास्थ्य, पशुपालन एवं अन्य विभागों को हाई अलर्ट पर रखते हुए बाढ़ संभावित क्षेत्रों की सतत निगरानी की जा रही है। राहत एवं बचाव कार्यों हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा स्थानीय प्रशासन को संवेदनशील गांवों में निरंतर भ्रमण एवं निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करें। नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से न जाएं तथा जलमग्न सड़कों या पुलों को पार करने का प्रयास न करें।

बाढ़ से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां:

» नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
» प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित स्थानों एवं राहत शिविरों में आवश्यकतानुसार पहुंचें।
» बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।
» बिजली के खंभों, खुले तारों एवं जलमग्न विद्युत उपकरणों से दूर रहें।
» आवश्यक दवाइयां, पेयजल, सूखा खाद्यान्न आदि सुरक्षित रखें।
» किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, पुलिस अथवा संबंधित नियंत्रण कक्ष को सूचना दें।

जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपेक्षा करते हुए आश्वस्त किया है कि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है।

जंतर मंतर जाने से पहले पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिलीप मौर्य हाउस अरेस्ट

सहजनवा, गोरखपुर। दिल्ली के जंतर मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रस्तावित छात्र-युवा प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिलीप कुमार मौर्य को हरपुर बुदहट पुलिस ने उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। बताया गया कि मौर्य ने सोशल मीडिया के माध्यम से समर्थकों के साथ दिल्ली जाने का आह्वान किया था। इसकी जानकारी मिलने पर देर रात भारी पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। हाउस अरेस्ट के दौरान दिलीप कुमार मौर्य ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से वे पीछे हटने वाले नहीं हैं और अवसर मिलने पर समर्थकों के साथ जंतर मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई, जबकि पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, छह बाइक बरामद; 10 घटनाओं का खुलासा

देवरिया। जिले की कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक आरोपी और चार विधि-विरुद्ध बालकों को गिरफ्तार कर चोरी की छह मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपित विभिन्न स्थानों से बाइक चोरी कर उन्हें कसया ढाला मालगोदाम के पास छिपाते थे और मौका मिलने पर बिहार में बेच देते थे। पूछताछ में आरोपितों ने पांच अन्य चोरी के वाहन बिहार में बेचने की बात भी स्वीकार की है।

पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से कोतवाली और भाटपाररानी थाना क्षेत्र में दर्ज वाहन चोरी की कुल 10 घटनाओं का सफल अनावरण हुआ है। आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय तथा क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम ने यह कार्रवाई की।

नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने किया लोकार्पण

दो स्काई लेडर, दो डम्पर व दो सीवर सेफ्टी मशीनें मिलीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पडरौना (कुशीनगर)। नगर पालिका परिषद पडरौना के जलकल भवन परिसर में शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने नगर के विकास एवं जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्राप्त नये वाहनों और आधुनिक मशीनों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके बाद इन संसाधनों को नगर सेवा के लिए समर्पित किया गया। नगर पालिका को दो स्काई लेडर वाहन, दो कूड़ा लोडिंग डम्पर तथा दो सीवर सेफ्टी मशीनें प्राप्त हुई हैं। इन आधुनिक संसाधनों के शामिल होने से नगर की स्वच्छता व्यवस्था, सीवर सफाई कार्य और आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं तेज गति से संचालित किया जा सकेगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पडरौना नगर लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस इन वाहनों और मशीनों के संचालन से सफाई व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा कर्मचारियों की कार्यक्षमता और सुरक्षा में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद भविष्य में भी जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाते हुए पडरौना को स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित नगर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। कार्यक्रम में सभासद अनिल जायसवाल, मोनू सिंह, श्याम साहा, रामआश्रय गौतम, छोटेलाल कुशवाहा, गोलू, महेंद्र चौधरी, मनोज सिंह, बृजेश शर्मा, सन्नी मिश्रा, राजेश जायसवाल, संतोष चौहान, मंथन सिंह, मृतुंजय दीक्षित, अनिल पाण्डेय, भोला साहा, अजय शर्मा सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं स्वास्थ्य संबंधित अधिकारी- अध्यक्ष

अध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने जिला महिला चिकित्सालय की सुविधाओं का निरीक्षण किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ0 बबिता सिंह चौहान ने आज अपने जनपद भ्रमण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष द्वारा दवा काउंटर, पर्चा काउंटर, वजन जांच मशीन, लिफ्ट, रैम्प, प्रसूति वार्ड और आपातकालीन कक्ष व संबंधित रजिस्टर का निरीक्षण किया। अध्यक्ष के निरीक्षण के दौरान लिफ्ट बंद पाई गई सीएमओ ने बताया कि लिफ्ट संचालक तैनात न होने के कारण लिफ्ट सेवा बाधित है। अध्यक्ष ने सीएमओ को लिफ्ट संचालक के संबंध में तत्काल कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने इस दौरान अस्पताल में मौजूद जीवन रक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता की जानकारी ली तथा भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद कर अस्पताल में मिल रहे भोजन, दवाइयों और डॉक्टरों के व्यवहार के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा जिला चिकित्सालय जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान तीमारदारों व मरीजों को फल वितरण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अन्तर्गत आयोजित कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम में भाग लिया गया, जिसके अन्तर्गत जिला चिकित्सालय में जन्मी बालिकाओं एवं उनके माता पिता को सम्मानित करते हुये फल एवं बेबी किट का वितरण किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है, लेकिन कुछ कतिपय कर्मचारियों की वजह से मरीजों और तीमारदारो को परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है, प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर सुविधाएं मौजूद हैं। इसके उपरान्त वन स्टॉप सेन्टर अम्बेडकरनगर एवं जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। जिला कारागार के निरीक्षण के समय अध्यक्ष महोदया द्वारा वृक्षारोपण भी कराया गया और साथ ही जिला कारागार में 02 पावरलूम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए समर्पित किया गया।

इसके उपरान्त अध्यक्ष ने सर्किट हाउस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जनसुनवाई के माध्यम से 18 महिलाओं की समस्यायें सुनी गयी। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरान्त उन्होंने बाल सेवा योजना कोविड के लाभार्थियों को लेपटॉप, निराश्रित महिला पेंशन, कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सहायक श्रमायुक्त, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, थानाध्यक्ष महिला थाना एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक के एक लाख रुपये बने हत्या की वजह, तीन दिन में खुला ब्लाइंड मर्डर केस

दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस अभिरक्षा में बाल अपचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में मिले अज्ञात शव के सनसनीखेज हत्याकांड का गोरखपुर पुलिस ने मात्र तीन दिन के भीतर पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार करते हुए एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक, मृतक के पास से लूटी गई सोने की चेन, अंगूठी, लॉकेट तथा 6,595 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 22 जुलाई को बेलीपार थाना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव की पहचान होने के बाद मृतक के पुत्र ने पिता की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी, जिसके आधार पर थाना बेलीपार में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसगांव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष राजकुमार बरवार के नेतृत्व में बेलीपार पुलिस, एसओजी, स्वाट, सर्विलांस और एंटी थेफ्ट सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों की सूचना और गहन पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए अंशु दुबे निवासी बुधनापार थाना सिकरीगंज तथा प्रिन्स पाण्डेय निवासी मलांव थाना बेलीपार को गिरफ्तार कर लिया। मामले में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मृतक से बाइक खरीदने के नाम पर करीब एक लाख रुपये लिए थे। जब मृतक लगातार अपनी रकम वापस मांगने लगा तो आरोपियों ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रच डाली। हत्या के बाद आरोपियों ने मृतक के शरीर पर मौजूद सोने के आभूषण को भी अपने कब्जे में ले ली, ताकि घटना को लूट का रूप दिया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, दोपहिया वाहन, सोने की चेन, अंगूठी, लॉकेट तथा नकदी बरामद कर ली। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं भी बढ़ा दी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य पहलुओं की भी गहन जांच जारी है। इस त्वरित कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

अयोध्या की नौ सदस्यीय धार्मिक आयोजन समिति में संत डॉ. रामानंद दास शामिल, दक्षिणांचल में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रौली गांव से निकलकर देश-विदेश में बनाई आध्यात्मिक पहचान, क्षेत्रवासियों ने जताया गौरव

खजनी, गोरखपुर। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में धार्मिक आयोजनों के सुचारु संचालन के लिए गठित नौ सदस्यीय समिति में रामकथा कुंज के पूज्य संत डॉ. रामानंद दास जी महाराज को सदस्य बनाए जाने पर गोरखपुर के दक्षिणांचल क्षेत्र, विशेषकर उनके पैतृक गांव मिश्रौली (थाना गगहा) में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

बाल्यकाल में अपनाया संत जीवन

मूल रूप से मिश्रौली गांव निवासी डॉ. रामानंद दास जी महाराज ने बाल्यकाल में ही सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर संत परंपरा को अपनाया और स्वयं को धर्म, संस्कृति एवं समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। श्रीमद्भागवत कथा, रामकथा और आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से उन्होंने देश-विदेश में विशिष्ट पहचान बनाई है।

धर्म और संस्कृति के संरक्षण में अहम योगदान

वैदिक संस्कृति, सनातन परंपराओं और धार्मिक आयोजनों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को संत समाज में विशेष सम्मान प्राप्त है। रामचरितमानस और श्रीमद्भागवत के मर्मज्ञ के रूप में उनकी अलग पहचान है। समिति में उनके चयन पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल डॉ. रामानंद दास जी महाराज का ही नहीं, बल्कि पूरे गोरखपुर जनपद का सम्मान है। लोगों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से अयोध्या के धार्मिक आयोजन और अधिक सुव्यवस्थित एवं गरिमामय होंगे।

पुलिस पर पीड़ित ने लगाया सुविधा शुल्क का आरोप, एसपी से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज, प्रतापगढ़। दो पक्षों में कहासुनी को लेकर पुलिस द्वारा पीड़ित के बेटे की रिहाई के नाम पर सुविधा शुल्क के आरोप को लेकर एसपी से शिकायत की गयी है। लीलापुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर गुलरहा निवासी बाल मुकुन्द वर्मा पुत्र कन्हई ने एसपी को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि 22 जुलाई को गांव में पड़ोसियों से कहासुनी हो गयी। इसकी सूचना पाकर लीलापुर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने पीड़ित के बेटे को थाने ले जाकर लाकप में डाल दिया। इसके बाद पीड़ित से इलाकाई दरोगा पर पांच हजार रूपये के सुविधा शुल्क की मांग का शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है। पीड़ित का कहना है कि रूपया देने के बाद भी पुलिस ने उसके बेटे का शांति भंग में चालान कर दिया। पीड़ित ने एसपी से इंसाफ की गुहार की है।

वायरल वीडियो बना अहम साक्ष्य: विवाहिता की मौत के बाद पति और सास पर मुकदमा, गोला में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला- गोरखपुर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पति पर जबरन जहर देने और सास पर मारपीट का आरोप लगाने वाली विवाहिता तराना खातून (32) की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अंतिम संस्कार के दौरान मायके पक्ष के हंगामे और गिरफ्तारी की मांग के बाद गोला पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के अनुसार आजमगढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासी जहरून निशा ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी तराना खातून की शादी वर्ष 2010 में गोला नगर पंचायत के टीचर कॉलोनी निवासी नाजिम अली उर्फ मन्नू से हुई थी। शादी के बाद से ही पति और सास लालमुन्नी उसे लगातार प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि पति शराब का आदी था और आए दिन विवाद व मारपीट करता था।

तहरीर के मुताबिक 27 जून की शाम पति और सास ने तराना के साथ मारपीट की और उसे कथित रूप से जहरीला पदार्थ दे दिया। हालत बिगड़ने पर उसे पहले गोरखपुर के सावित्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में परिजन उसे आजमगढ़ ले गए, जहां कई अस्पतालों में इलाज चला। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ के मेडिवेल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 17 जुलाई को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद 19 जुलाई को शव गोला लाया गया। मृतका के अंतिम संस्कार के दौरान मायके पक्ष के करीब 50 महिला-पुरुष ससुराल पहुंच गए और पति व सास की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। इसके बाद मृतका की मां की तहरीर पर बीएनएस की धारा 85, 115(2) और 108 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इस पूरे मामले में सबसे अहम कड़ी वह वायरल वीडियो माना जा रहा है, जिसे तराना ने अपनी मौत से पहले बनाया था।

वीडियो में उसने पति पर जबरन जहर पिलाने और सास पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। परिजनों ने इस वीडियो को पुलिस को उपलब्ध कराते हुए इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य बताया है। गोला थाना प्रभारी सीपी पाण्डेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वायरल वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार गया

प्रतापगढ़। वादी द्वारा दर्ज कराए गए अभियोग के अनुसार 12 जून को अभियुक्त एवं उसके साथियों द्वारा वादी की सास समीना बानो के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी, डंडे एवं लोहे की राड से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था, जिसके संबंध में थाना लीलापुर पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। थाना लीलापुर पुलिस द्वारा पंजीकृत मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त कलीम पुत्र इलियास निवासी ग्राम परमेश्वरपुर दुल्हेपुर, थाना लीलापुर, जनपद प्रतापगढ़ को मुखबिर की सूचना पर मिसिरपुर तिराहा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पचीस हजार का ईनामिया धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दुष्कर्म व पास्को एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे ईनामिया बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। सांगीपुर थाने के उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार शुक्रवार को सुबह पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर शाहबरी तिराहा के पास से दुष्कर्म व पास्को एक्ट के मुकदमे में वांछित पचीस हजार के ईनामिया बदमाश पचखरा निवासी मकदूम कोरी पुत्र स्व0 दुर्बली कोरी को धर दबोचा। एसओ गौरव त्रिवेदी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी को जेल भेज दिया गया।

दहेज में आर्टिका कार और पांच लाख की मांग का आरोप

विवाहिता से मारपीट; पति समेत छह पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला-गोरखपुर जिले के गोला में दहेज के मांग में आर्टिका कार और पांच लाख रुपये की अतिरिक्त पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर गोला थाना पुलिस ने पति सहित छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गोला उपनगर के वार्ड संख्या छह निवासी एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसका निकाह 21 अप्रैल 2025 को सिद्धार्थनगर जिले के बांसी थाना क्षेत्र के निराला नगर निवासी युवक के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह के समय मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार करीब छह लाख रुपये नकद, 100 ग्राम सोने और 300 ग्राम चांदी के आभूषणों के अलावा घरेलू उपयोग का अन्य सामान भी दिया था। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति, सास, ससुर, देवर और ननद ने दहेज में आर्टिका कार तथा पांच लाख रुपये अतिरिक्त लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मांग पूरी न होने पर उसके साथ गाली-गलौज, मानसिक उत्पीड़न और मारपीट की जाने लगी। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि पति ने कई बार उसके बाल पकड़कर बेरहमी से मारपीट की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने घटना की जानकारी अपने मायके पक्ष को दी। इसके बाद परिजन ससुराल पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि ससुराल पक्ष अपने रवैये पर कायम रहा और दहेज की मांग लगातार करता रहा। महिला का कहना है कि 4 सितंबर 2025 को उसे उसके भाई के साथ जबरन मायके भेज दिया गया। इसके बाद भी पति और अन्य ससुरालीजन मोबाइल फोन तथा रिश्तेदारों के माध्यम से आर्टिका कार और पांच लाख रुपये की मांग करते रहे तथा मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते रहे। मामले की गंभीरता से लेते हुए गोला थाना पुलिस ने पति समेत छह नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 115(2), 352 और 351(3) के साथ-साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सीपी पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

कामैस्टिक दुकान का ब्लाक प्रमुख ने किया उद्घाटन सम्मानित

बरेली/ विकासखंड भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने क्यों लड़िया में कामैस्टिक दुकान का फीता काटकर उद्घाटन किया इसके उपरांत दुकान के स्वामी पीर मोहम्मद के पुत्र दीन मोहम्मद ने ब्लॉक प्रमुख को भगवा शाल उड़ाकर सम्मानित किया। इस दुकान से लोगों को आवश्यक मेकअप का सामान एवं गिफ्ट आदि उत्तम क्वालिटी के उचित रेट पर मिलना प्रारंभ होगे ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार द्वारा उद्घाटन के बाद उन्होंने कहा जनता को सौंदर्य का सामान खरीदने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा साथ ही दुकान संचालक से भी कहा आप ग्राहकों के साथ उचित व्यवहार करें। ताकि आपका व्यापार समुचित रूप से चल सके और इसका लाभ यहां के लोगों को प्राप्त हो इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार शैलेंद्र गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार आजम कोटेदार अखलाक अहमद एडवोकेट सुमित कुमार संजीव कुमार मुखिया पीर मोहम्मद समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

लक्ष्य के प्रति समर्पण है सफलता की कुंजी- आशु निरंजन

कोंच(जालौन)- मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में शुक्रवार को एबीवीपी के तत्वाधान में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों और व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पुत्र आशु निरंजन उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री सोमू तथा प्रो. भूपेंद्र त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन रामजी अग्रवाल ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही मार्गदर्शन, कौशल विकास और लक्ष्य के प्रति समर्पण सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि के अनुसार कैरियर का चयन करने, समय का सदुपयोग करने तथा निरंतर अध्ययन और आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के नए अवसरों और करियर की संभावनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों ने अपने कैरियर से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यावहारिक तरीके से समाधान प्रस्तुत किया। इस दौरान विकास पटेल धनौरा, जिला विस्तारक हनी अग्रवाल, कर्मवीर, प्रशांत पाटकार, अमन कुशवाहा, मुकेश यादव, कीर्त श्रीवास्तव, विशाखा प्रजापति, तान्या, ऋषिका, तपस्या, रूपेश सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सपा ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ

मंत्रिमंडल की सद्बुद्धि के लिए सपा ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ, शिक्षा मंत्री के बर्खास्तगी की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा महानगर कार्यालय में प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल की सद्बुद्धि के लिए सद्बुद्धि महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने की। महायज्ञ में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कराया। इस अवसर पर हाजी फजल महमूद ने कहा कि नीट (NEET) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक और दिल्ली में अपनी जायज़ मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज ने केंद्र सरकार की छात्र विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। समाजवादी पार्टी छात्रों के सम्मान, उनके अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए तथा छात्रों की सभी जायज़ मांगों को शीघ्र स्वीकार किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपने आंदोलन को और तेज़ करेगी। उन्होंने बताया कि यह सद्बुद्धि महायज्ञ सरकार को चेतावनी देने और देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के संकल्प के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के. के. शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव 'मिन्टू', महासचिव संजय सिंह 'बंटी सेंगर',नंदलाल जयसवाल,परमवीर सिंह गंभीर,महेन्द्र सिह,सजल कुशवाहा, मेराज, कीर्ति अग्निहोत्री,जस्वेन्द्र प्रताप निषाद, सलमान शेख मंसूरी सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घरेलू कलह से आहत विवाहिता ने निगला जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

तिलहर, शाहजहांपुर। एक विवाहिता ने शुक्रवार शाम घरेलू कलह से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी प्रशासन ने पुलिस को अवगत कराया। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। फिलहाल महिला का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। क्षेत्राधिकारी विदुष सक्सेना ने बताया कि महिला द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डंपर ने युवक को कुचला, मौत

पांच सौ मीटर तक बाइक घसीटते हुए ले गया, डंपर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र अंतर्गत कानपुर सागर हाइवे पर बाइक सवार युवक को सामने से टक्कर मारते हुए कुचल दिया हादसे के बाद डंपर में फंसी बाइक को चालक पांच सौ मीटर दूर तक घसीटता हुआ ले गया,, लोगों को पीछा करते देख चालक डंपर छोड़ कर मौके से भाग निकला, जबकि बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई,,और बाइक के परखच्चे उड़ गए,, राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस युवक के परिजनों को सूचना देने के बाद,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है,हादसा दोपहर पौने बारह बजे पर घाटमपुर के पतारा क़स्बे के पास हुआ,, आपको बताते चलें कि सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया गांव निवासी 26 वर्षीय अतुल शुक्रवार दोपहर पौने बारह बजे पर बाइक लेकर कानपुर जा रहें थें, घाटमपुर थाना क्षेत्र के कानपुर सागर हाइवे पर स्थित पतारा क़स्बे के पास बरनाव गांव के मोड़ के पास पहुंचे तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी,, हादसे के बाद बाइक डंपर के नीचे फंस गई, डंपर चालक बाइक को घसीटते हुए पांच सौ मीटर दूर तक ले गया, लोगों को पीछा करते देख, चालक डंपर छोड़ कर मौके से भाग निकला, राहगीरों ने फ़ोन कर घटना की जानकारी पुलिस को दी,, मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस घटना की जांच कर रही है,, घाटमपुर थाने के क्राइम इंस्पेक्टर खुर्शीद अहमद ने बताया कि सूचना मिली थी परिजनों को सूचना देकर म्रतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है , तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने विवादित स्थलों पर की सख्त कार्रवाई

पिछले साल के विवादों के बाद लोगों को एक लाख के मुचलके पर पाबंद किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्योलडिया पुलिस ने श्रावण मास में होने वाली कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पिछले वर्ष दो स्थानों पर हुए विवादों को देखते हुए इस बार शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। गत वर्ष भदपुरा की ग्राम पंचायत करुआ साहिबगंज में रास्ते को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत कराने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। इसी तरह, कटैया आत्माराम में भी कावड़ियों पर पथराव की घटना सामने आई थी। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, क्योलाडिया के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने बताया कि इस बार करुआ साहिबगंज में दोनों समुदायों के लोगों को एक लाख रुपये के मुचलके पर पाबंद किया गया है। इसी प्रकार, कटैया आत्माराम में भी तीन लोगों को मुचलके पर पाबंद किया गया है। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कावड़ यात्रा लेकर आने वाले श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। जलाभिषेक के समय पर्याप्त पुलिस बल भी मजबूती से तैनात रहेगा। प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने चेतावनी दी कि यदि किसी ने भी यात्रा में व्यवधान डालने की कोशिश की, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसे उसकी आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने सुनीं जनसमस्याएं

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। उन्होंने जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

चंदुर्रा की गौशाला शिफ्ट करने गए अधिकारियों को झेलना पड़ा ग्रामीणों का विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- ग्राम चंदुर्रा की गौशाला को पिंडारी गांव शिफ्ट करने गए ब्लॉक के अधिकारियों को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीण गौशाला को लेकर हंगामा काटने लगे जिसके चलते अधिकारियों को वापस लौटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि गांव का प्रधान न होने के कारण गौशाला की व्यवस्थाओं में परेशानी सामने आ रही है। जिसके चलते अधिकारियों के आदेश पर गौशाला को शिफ्ट किया जा रहा था। कोंच विकास खंड क्षेत्र के चंदुर्रा गांव की गौशाला का इस समय बुरा हाल है। क्योंकि गांव के प्रधान को सजा होने के बाद गौशाला संचालन में परेशानियां हो रही है। शुक्रवार को उच्चाधिकारियों के आदेश पर गौशाला को पिंडारी गांव की गौशाला में शिफ्ट करने के लिए एडीओ पंचायत देवीशरण सोनी व सचिव पूनम राजपूत मौके पर पहुंची तो तमाम ग्रामीणों गौशाला के गेट पर एकत्र होकर विरोध जताया और गौशाला में एकत्रित गौवंशों की बदहाल स्थिति व अव्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों ने कहा कि गौशाला की देखभाल करने की जहां उसे दूसरे गांव में शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से गौशाला की जाली टूटी हुई पड़ी है जिससे गौवंशों की सुरक्षा खतरे में बनी हुई है, साफ सफाई से लेकर भूसा, चारा, पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है और बार-बार शिकायत करने पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि गौशाला को स्थानांतरित करने के बजाय यही पर इसकी सही से देखभाल की जाए और व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएं। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के दौरान माहौल तनावपूर्ण बना रहा। जिसके चलते एडीओ पंचायत देवीशरण सोनी व ग्राम पंचायत सचिव पूनम राजपूत को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा और उन्हें बगैर किसी निर्णय के बैरंग ही वापस लौटना पड़ा। उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि गौवंशों की देखभाल और गौशाला की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

'आज के बच्चे, कल का भविष्य'— एस. दुरई कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर, ग्रामीण। नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय में नवनिर्मित नर्सरी कक्षा का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनयूपीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री एस. दुरई कुमार द्वारा नवनिर्मित नर्सरी कक्षा का उद्घाटन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) प्रसून राय, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कौशिक भर, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

नवनिर्मित नर्सरी कक्षा को बालकों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक अधिगम तथा आनंददायी शिक्षण वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। यह कक्षा बच्चों में सीखने की जिज्ञासा, सृजनात्मकता एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें विद्यालयी वातावरण से सहज रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपने उद्बोधन में एस. दुरई कुमार ने कहा कि ,बच्चों को प्रारंभ से ही गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यालय के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। साथ ही अपने व्यस्ततम कार्यक्रम के बावजूद विद्यालय पहुँचकर उन्होंने शिक्षकों के समर्पण एवं नवाचारी प्रयासों की प्रशंसा की तथा उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की त्रैमासिक ई-पत्रिका 'एड्यूस्फियर' का भी लोकार्पण किया गया, जिसमें विगत तीन माह के दौरान आयोजित शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों की उपलब्धियों एवं प्रगति को आकर्षक रूप से संकलित किया गया है।

प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने परियोजना के सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ,नर्सरी कक्षा और 'एड्यूस्फियर' दोनों ही विद्यार्थियों के समग्र विकास, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं।

यूथ कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज शर्मा तीसरे दिन भी हाउस अरेस्ट, बताया अलोकतांत्रिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पेपर लीक और निर्दोष छात्रों पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता व लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 21 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना दिया गया था। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को हिरासत में ले लिया था। जिसके विरोध में पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया था। अपने नेता राहुल गांधी के समर्थन में कानपुर से कांग्रेस के कई नेता 21 जुलाई की रात दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। जिसमें कानपुर यूथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित सूरज शर्मा को रावतपुर थाने की पुलिस ने 21 जुलाई की रात में ही उनके शारदा नगर आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। सूरज शर्मा तबसे लगातार हाउस अरेस्ट चल रहे हैं। पुलिस उनको दिल्ली नहीं जाने दे रही है। लगातार तीसरे दिन हाउस अरेस्ट के चलते सूरज शर्मा के कई समर्थक उनके आवास पहुंचे। सूरज शर्मा ने लगातार तीन दिन से हाउस अरेस्ट को मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का हनन बताया। उन्होंने कहा जहां एक ओर केंद्र सरकार तानाशाही कर निर्दोष छात्रों पर लाठीचार्ज करवाकर संविधान और लोकतंत्र का गला घोंट रही है। छात्रों को शांतिपूर्ण ढंग से समर्थन देना और उनके लिए न्याय की बात करना अपराध है। दिल्ली जाने से रोके जाने पर उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यह स्थिति केवल मेरी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

हाईवे किनारे खड़े 364 वाहनों पर कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 364 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

पुलिस ने घायल गोवंश का कराया उपचार, गौशाला पहुंचाया

सुरियावां। थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-731 स्थित जोधराज तालाब के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गोवंश (बैल) गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही सुरियावां पुलिस मौके पर पहुंची और पशु चिकित्सकों को बुलाकर उसका प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद जेसीबी और पिकअप वाहन की सहायता से घायल गोवंश को सुरक्षित निकटवर्ती गौशाला पहुंचाया गया, जहां उसके उपचार और देखभाल की व्यवस्था की गई। राहत कार्य में उपनिरीक्षक मोहम्मद शकील, हेड कांस्टेबल पंकज यादव तथा कांस्टेबल चंदन की सक्रिय भूमिका रही। मौके पर मौजूद राहगीरों और बाद में पहुंचे कुछ सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए इसे मानवीय पहल बताया।

सपा विधायक के 24 घंटे के सत्याग्रह का समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नीट परीक्षा पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग और दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने सत्याग्रह समाप्त कर दिया है। फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा पर 24 घंटे का सत्याग्रह प्रस्तावित था, लेकिन पुलिस द्वारा कार्यक्रम की अनुमति न देने और बैरिकेडिंग किए जाने के कारण गांधी प्रतिमा पर सत्याग्रह नहीं हो सका। इसके बाद अमिताभ बाजपेई अपने साथियों के साथ अपने आवास पर ही 24 घंटे का सत्याग्रह किया और छात्रों के हक एवं न्याय की आवाज को बुलंद किया। सत्याग्रह के समापन के उपरांत महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम संबोधित ज्ञापन एडीसीपी अर्चना सिंह जी को सौंपा। सपा विधायक ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कर सभी दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो और परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाया जाए। जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज एवं बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। नीट पेपर लीक एवं उससे उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं के परिजनों को उचित आर्थिक मुआवजा एवं सरकारी सहायता दी जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें।

फिरोजाबाद: ताला बंद घर में महिला का खून से लथपथ शव मिला

लूट के बाद हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। ताला बंद घर में महिला का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई। बेटे की सूचना पर पहुंची पुलिस तोड़कर अंदर घुसी तो एक कमरे में जमीन पर महिला का लहूलुहान शव पड़ा था। सिर में पीछे और गले पर चोट के निशान थे। कमरे में पंखे के कुंदे में दो दुपट्टा बंधे हुए थे। घर के अंदर आलमारी खुली पड़ी थी और बिखरा पड़ा था। आशंका है कि लूट के बाद महिला की हत्या कर बदमाश बाहर से तला बंद कर भाग निकले। वहीं पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार सुबह 11 बजे उनके घर दो संदिग्ध व्यक्ति जाते हुए दिखे थे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। मक्खनपुर में रेलवे स्टेशन रोड निवासी रामवकील स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट थे। वर्ष 2016 में उनकी हत्या हो गई। इसके बाद उनकी जगह इकलौते बेटे अभय प्रताप उर्फ सिद्धांत को स्वास्थ्य विभाग में नौकरी मिल गई। वर्तमान में वह खैरगढ़ सीएचसी पर पर्यवेक्षण अधिकारी वैक्सीन के पद पर तैनात हैं। वह पत्नी और बच्चों के साथ राजा का ताला स्थित फ्लैट में रहते हैं। उनकी 48 वर्षीय सरोज देवी दो मंजिला मकान में अकेले रहती थीं। नीचे के हिस्से में किराएदार रहते थे। वह कुछ दिन पहले कमरा खाली कर चले गए। इसकी वजह से वह अकेले ही थीं। गुरुवार शाम को सरोज दूध लेने नहीं गई तो उनके परिचित रेनू ने फोन किया। फोन नहीं उठा। शुक्रवार दोपहर एक बजे पड़ोस में रहने वाली पूजा ने सरोज को सुबह से बाहर नहीं देखा तो फोन किया लेकिन कॉल नहीं उठी। तब पूजा ने उनके बेटे अभय को फोन कर बताया। वह पहुंचे और घर के बाहर ताला बंद देख पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ताला तोड़कर अंदर घुसी। अंदर एक कमरे में जमीन पर सरोज का खून से लथपथ शव पड़ा था। सीओ शिकोहाबाद शेखर सेंगर मौके पर पहुंच गए। सीओ ने बताया कि महिला के सिर और गले में चोट के निशान हैं। प्रारंभिक जांच में लूट जैसी बात सामने नहीं आई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु की वजह स्पष्ट होगी।

मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग का कांच से रेता गला, सड़क किनारे खून से लथपथ मिला शव

बरेली। मार्निंग वाक पर निकले बुजुर्ग की गला काटकर हत्या कर दी गई। हाईवे पर खून से लथपथ उनका शव मिला। प्रथम दृश्य यह हादसा लग रहा था लेकिन, गले पर निशान देखकर हत्या की बात कही जा रही है। शव के पास से कांच के कई टुकड़े भी मिले हैं। आशंका है की कांच से ही बुजुर्ग का गला काटा गया है। पुलिस के अनुसार, भोजीपुरा के धौराटांडा निवासी सियाराम श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह करीब छह बजे घर से टहलने के लिए निकले थे। कुछ देर बाद कस्बे से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर धौराटांडा-बीबियापुर रोड पर उनका शव सड़क पर पड़ा मिला। शरीर, सीने, गले और सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और मौके पर काफी खून भी फैला हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा आसपास कांच के टुकड़े भी पड़े थे। गले पर भी काटने का निशान था। आशंका है की सियाराम के साथ पहले मारपीट की गई, फिर उसी कांच से उनकी गर्दन को काटा गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्यारोपित सड़क किनारे ही उनका शव फेंक कर फरार हो गए। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। सीओ हाईवे देवेंद्र सिंह का कहना है कि यह हादसा प्रतीत नहीं हो रहा। प्रथम दृश्य हत्या की आशंका है।

साढ़े तीन लाख रुपए की वसूली करने वाले दो सिपाही लाइन हाजिर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर, आईपीएस अफसर के नाम पर घाटमपुर निवासी व्यापारी से साढ़े तीन लाख रुपए की वसूली करने वाले दो सिपाहियों को पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने लाइन हाजिर कर दिया, पुलिस ने गुरुवार रात करीब 11बजे कारवाई की,, पीड़ित का आरोप है कि चरस तस्कर का रिश्तेदार होने की बात कहते हुए सिपाहियों ने पैसे न देने पर जेल भेजने की धमकी दी थी, पैसा न देने पर सिपाहियों ने एक युवक को आईपीएस अफसर बताते हुए उसे धमकाया,,और रूपए ऐंठ लिए,एक सिपाही,साउथ जोन में दूसरा सिपाही वेस्ट जोन में तैनात थें, कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ आपरेशन व्हाइट पाउडर चलाया जा रहा था,जिसकी कमान एडीसीपी साऊथ व आपरेशन सुमित सुधाकर रामटेके के पास हैं,, पुलिस कमिश्नर ने बताया कि करीब 15 दिन पूर्व जोन के सिपाही कमल और वेस्ट जोन के सिपाही ब्रजेश ने चरस तस्कर के व्यापारी रिश्ते दार घाटमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथ पुर गांव निवासी धारासिंह को फोन पर धमकाया था ,कहा था कि साढ़े तीन लाख रुपए दे दो वरना उसे भी चरस तस्करी के आरोप में जेल भेज दिया जाएगा,व्यापारी धारासिंह से दोनों सिपाहियों ने लगातार दो तीन दिन बात की, इसके बाद उन्होंने देखा कि धमकाने के बावजूद व्यापारी रूपए नहीं दे रहा है, तों उन्होंने एक युवक को एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके बताते हुए व्यापारी से फ़ोन पर बात कराई,,जिस पर डरे सहमें व्यापारी ने सिपाहियों की डिमांड पूरी कर दी, इसके बाद व्यापारी ने मामले की शिकायत डीजीपी कार्यालय में की, मामला संज्ञान में आते ही पुलिस कमिश्नर ने दोनों सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने पंखे के सहारे फांसी लगाकर दी जान

चुनार, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के सेटेलमेंट एरिया मुहल्ले में स्थित कांशीराम आवासीय कालोनी में बृहस्पतिवार की रात एक युवक ने पंखे के सहारे फंदे से लटककर अपनी जान दे दिया। रजनीश कुमार 21पुत्र राजदेव प्रसाद बृहस्पतिवार की रात 9.30 बजे खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह परिजन उठने के बाद युवक को जगाने के लिए आवाज दिए लेकिन कोई जबाब नही मिलने पर दरवाजे को धक्का दिया न खुलने पर खिड़की से देखा तो युवक फंदे के सहारे लटकता नजर आया जिसे देख परिवार में रोना पीटना मच गया और अगल बगल के लोग भी इकठ्ठा हो गए। युवक के बड़े भाई नवनीत कुमार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और और शव को अपने कब्जे लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को दिए गए तहरीर में भाई नवनीत ने कहाकि उसका छोटा भाई रजनीश मानसिक रूप से अवसाद में था, बृहस्पतिवार की रात खाना खाकर कमरे में वह सोने चला गया सुबह फंदे से लटकता मिला। मृतक थाना गोपालगंज जनपद प्रयागराज का मूल निवासी था।

ई-साक्ष्य ऐप पर विवेचकों को दिया गया प्रशिक्षण

ज्ञानपुर। पुलिस लाइन ज्ञानपुर के सभागार में शुक्रवार को 'ई-साक्ष्य' ऐप के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुआ, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा की मौजूदगी में जनपद के विभिन्न थानों के विवेचकों को डिजिटल साक्ष्य संकलन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सौरभ तिवारी ने लाइव डेमो के माध्यम से बताया कि घटना स्थल से ऑडियो, वीडियो और फोटो को सीधे ई-साक्ष्य ऐप पर सुरक्षित अपलोड कर साक्ष्यों की विश्वसनीयता बनाए रखी जा सकती है। उन्होंने विवेचकों की तकनीकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में डिजिटल साक्ष्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, इसलिए सभी विवेचक नई तकनीक को अपनी कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाएं। वहीं, सीओ ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा ने प्रशिक्षण को विवेचना की गुणवत्ता और पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

नैनो डीएपी (तरल) के प्रयोग का प्रक्षेत्र प्रदर्शन, किसानों को दी वैज्ञानिक खेती की जानकारी

भदोही। विकास खंड ज्ञानपुर के ग्राम कंसापुर में शुक्रवार को नैनो डीएपी (तरल) आधारित प्रक्षेत्र प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इरम की मौजूदगी में किसान काशी पाल के एक एकड़ धान के खेत में नैनो डीएपी के उपयोग का प्रदर्शन कराया गया। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को बताया कि नैनो डीएपी के प्रयोग से फसल की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होती है तथा पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ती है। जड़ शोधन और बीज शोधन के बाद रोपाई या बुवाई करने से जड़ों का विकास अच्छा होता है, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है। उन्होंने किसानों से मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने और नैनो उर्वरकों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करने की अपील की। इस दौरान किसानों को इफको नैनो यूरिया प्लस (500 मि.ली.) का अधिकतम खुदरा मूल्य 225 रुपये तथा इफको नैनो डीएपी (500 मि.ली.) का अधिकतम खुदरा मूल्य 600 रुपये प्रति बोतल होने की जानकारी भी दी गई।

25 दिनों से फुंका पड़ा 10 केवी ट्रांसफॉर्मर, 100 मीटर विद्युत केबल भी क्षतिग्रस्त

» भीषण गर्मी में बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीण

» विभागीय लापरवाही या उदासीनता 25 दिनों बाद भी नहीं बदला गया ट्रांसफॉर्मर, ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। विद्युत उपकेंद्र खरगूपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरिया कला में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पंचायत भवन के पास स्थापित 10 केवी का ट्रांसफॉर्मर पिछले लगभग 25 दिनों से खराब पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा स्थानीय विद्युत उपकेंद्र पर कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया है, जिससे क्षेत्र के उपभोक्ता भीषण गर्मी और उमस के बीच गंभीर बिजली संकट झेलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण घरों में अंधेरा पसरा हुआ है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, दैनिक घरेलू कार्य बाधित हैं और लोगों को पेयजल सहित अनेक आवश्यक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान न होने से विभाग के प्रति ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसी स्थान के समीप स्थापित दूसरे 10 केवी ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी लगभग 100 मीटर विद्युत केबल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जर्जर केबल के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने जनहित एवं सुरक्षा को देखते हुए केबल को तत्काल बदलवाने की भी मांग की है। इस गंभीर समस्या को लेकर पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता बृजभूषण तिवारी ने मुख्य अभियंता, देवीपाटन मंडल, विद्युत विभाग को प्रार्थना-पत्र भेजकर खराब ट्रांसफॉर्मर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत केबल को तत्काल बदलवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों की परेशानियां और बढ़ेंगी तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

इस संबंध में मुख्य अभियंता, देवीपाटन मंडल, यदुनाथ राम से बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि देवरिया कला में ट्रांसफॉर्मर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत केबल की समस्या उनके संज्ञान में है। संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए खराब ट्रांसफॉर्मर को शीघ्र बदलवाने तथा क्षतिग्रस्त विद्युत केबल को भी प्राथमिकता के आधार पर बदला जाएगा। विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति बहाल कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की जाए।

ग्राम चौपाल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

सीखड़, शुक्रवार को सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देश के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को विकास खण्ड के 2 ग्राम पंचायतों मे जन चौपाल का आयोजन कर जन समस्या सुनने के क्रम मे विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बगहा व गोरईया में खण्ड विकास अधिकारी श्री राम जी मिश्रा सेवायोजन अधिकारी के प्रतिनिधि प्रधान सहायक बृजेंद्र राय गोरईया में की अध्यक्षता मे ग्राम चौपाल मे आये विभागीय अधिकारियों , कर्मचारियों द्वारा अपने अपने विभाग से संचालित योजनाओ की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा उनसे योजनाओं का लाभ लेने का अनुरोध किया गया। तथा अध्यक्षो द्वारा चौपाल मे आये ग्रामीणों के समक्ष ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये कार्यों को पढ़ कर सुनाया गया तथा दोनों ग्राम पंचायत में 5 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसे सुनकर मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।ग्राम चौपाल कार्यक्रम में एडीओ एजी रोहित सिंह ग्राम सचिव सुधीर दुबे, उमेश यादव ग्राम मुख्य सेविका रेनू मौर्या प्रधान/ प्रशासक अश्विनी कुमार मिश्रा एवं प्रधान/प्रशासक कुंजन सरोज और आंगनबाड़ी कार्यकत्री नीलम पांडेय, साक्षी पांडेय, गीता सिंह, सबिता देवी, नीतू सिंह तथा कृषि विभाग, पशुपालन स्वास्थ विभाग की एनएम विनिता सिंह, प्रियदर्शनी सिंह, आशा बहू तथा अन्य विभागों के कर्मचारी तथा सैकड़ों की संख्या में दोनों ग्राम पंचायतों की जनता उपस्थित रही।

उरुवा में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

● दौड़, कबड्डी, खो-खो समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेजा, प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार को विकास खंड उरुवा के विभिन्न संकुलों में उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें ब्लॉक व जिला स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं तथा जमीनी स्तर के ऐसे आयोजन ही 'खेलो इंडिया' के सपने को साकार करने में सहायक हैं।

ब्लॉक व्यायाम शिक्षक एवं नोडल मानिक चंद्र सिंह के निर्देशन में शुक्लपुर, बैदौली, रामनगर और लेहड़ी संकुलों में दौड़, लंबीकूद, ऊंचीकूद, गोला फेंक, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। प्रतियोगिता के सफल संचालन में खेल अनुदेशक चंद्रशेखर भारतीया, घ्यान सिंह, शबनम खां, अर्जुन सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, मधुबाला पटेल, जितेंद्र कुमार और उदय प्रताप का विशेष सहयोग रहा। संकुल प्रभारी अशोक यादव, संपूर्णानंद गुप्ता, संतलाल, पुष्कर द्विवेदी, राजेश कोलहा और अखिलेश दुबे ने अपने-अपने न्याय पंचायतों में प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष एवं सफल संचालन कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अभिभावक उपस्थित रहे और प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार,मिर्जापुर। नवयुवक अधिवक्ता समिति के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ता सदस्यो ने नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर शान्तिपूर्ण तरीके से आन्दोलन कर रहे छात्रो पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किये जाने के विरोध मे शुक्रवार को कचहरी परिसर मे नारे बाजी करते हुए चक्रमण किया। नीट पेपर लिक होने और केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से त्यागपत्र दिये जाने सहित अन्य मांगो को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अनेग सिह को सौपा। ज्ञापन मे कहा गया है कि नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर छात्र सरकार की नितियो के विरुद्ध अपनी असहमति शान्ति पूर्ण ढंग से दर्ज करा रहे थे उन पर अकारण किया गया बल प्रयोगइन मौलिक अधिकारो पर क्रूर प्रहार तथा एक स्वस्थ्य लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है।अधिवक्ताओ ने कहा कि हम केवल न्यायालयो तक सिमित नही रख सकते संविधान के संरक्षण एवं नागरिक अधिकारो की रक्षा करना भी हमारा दायित्व है। इसदौरान बार अध्यक्ष शिव शंकर सिंह एड, उपाध्यक्ष राम मूरत यादव एड, महामंत्री रामविलास सिंह एड, संयुक्त मंत्री अविनाश गुप्ता एड, शिवअचल मौर्या एड, अखिलेश सिंह एड, शिवशंकर यादव एड, शीतला प्रसाद यादव एड, गजेंद्र सिंह एड, गोविंद त्रिपाठी एड, राहुल सिंह एड, गुरदास एड, शैलेन्द्र दुबे एड, सीमा एड, जय जायसवाल एड,अमरनाथ यादव एड, सुरेंद्र सिंह एड, रामलखन सिंह यादव एड, मनोज यादव एड, रामनिहाल सिंह एड, निखिल सिंह एड, सुनीता यादव एड, सहित बडी संख्या मे अधिवक्ता मौजूद रहे।

जनता दर्शन में डीएम ने अधिकारियों को लगाई फटकार

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने भूमि विवाद, पैमाइश, नामांतरण, वरासत, अवैध कब्जा, पेंशन, राशन कार्ड, आवास एवं अन्य जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री शत-प्रतिशत पूर्ण कराने तथा फैमिली आईडी का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शुभांगी शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता आधारित संगठन है भाजपा- अवधेश द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकर नगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय अटल भवन में मुख्य अतिथि भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी की उपस्थिति तथा भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव की अध्यक्षता में डीएलपी अभियान, दीर्घकालिक चलने वाले संगठनात्मक अभियानों, संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जिसकी शक्ति बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि डीएलपी अभियान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर जाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश देते हैं। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जयंती कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ मनाए जाएं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता के साथ सुनने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि संगठन द्वारा दिए गए प्रत्येक कार्यक्रम को कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझकर सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि डीएलपी अभियान, गुरु रविदास जयंती और 'मन की बात' कार्यक्रम संगठन को समाज के प्रत्येक वर्ग से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समयबद्ध योजना के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे। संचालन सुरेश कन्नौजिया जिला महामंत्री ने किया। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक जय राम विमल, ब्लाक प्रमुख संजय सिंह, संजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्र, रमेश चंद्र गुप्ता, डॉ रजनीश सिंह, विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू, सुमन पाण्डेय,जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, जिला मंत्री चंद्रिका प्रसाद, संजय सिंह, विनय पाण्डेय, पंकज वर्मा, सुनील पासवान, मनीष मिश्र, शाश्वत मिश्र, अंजू पाण्डेय,संतोष सिंह, आनंद श्रीवास्तव, श्रीकांत कन्नौजिया, सागर संगवानी, अंकित अग्रहरि, अंकित मंडेला आदि शामिल रहे।

श्रावण मास के पर्वो को सकुशल संपन्न कराने हेतु प्रशासन प्रशासन ने कसी कमर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी श्रावण मास के दौरान पड़ने वाले प्रमुख पर्वों एवं धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज सदरपुर के ऑडिटोरियम में जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह व अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में कानून-व्यवस्था एवं तैयारियों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावण मास के दौरान शिवालयों, मंदिरों एवं कांवड़ मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, अग्निशमन, पशु चिकित्सा, सड़क मरम्मत तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूर्ण सतर्कता एवं तत्परता बनाए रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मार्गो के किनारे स्थित विद्युत खंभों तथा ट्रांसफार्मरों पर विद्युत सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा झुके विद्युत खंभों एवं ढीले तारों को ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगर निकायों में रोजाना कूड़े का उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कावड़ यात्रा के दौरान शिविर स्थलों पर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु समस्त अधिशासी अधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को उनके क्षेत्र में पढ़ने वाले मंदिरों पर साफ सफाई के साथ ही फिसलन को रोकने हेतु प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता सुनिश्चित रखना हेतु नियमित प्रवर्तन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त तथा सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी डीजे संचालकों को पुलिस विभाग द्वारा जारी निर्देशों एवं शर्तों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नदी के घाटों पर प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ जल सुरक्षा हेतु नाविक, नाव एवं गोताखोर की मौके पर उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अधिशासी अधिकारी, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, पशुपालन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक व डीजे संचालक आदि उपस्थित रहे।

रामगढ़ रोड ओवरब्रिज की समस्या सुलझाने में जुटा प्रशासन

जिलाधिकारी के निर्देश पर अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश–जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में रामगढ़ रोड़ स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के समीप आमजन एवं वाहनों के आवागमन में हो रही असुविधा के निस्तारण हेतु तहसीलदार सदर अमित सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए मौके पर ही निर्माण एजेंसी के साथ विस्तृत वार्ता की गई तथा आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। 100 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा लिंक मार्ग बनेगा, गुरुवार तक कार्य पूर्ण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान यह निर्णय लिया गया कि रेलवे स्टेशन के मुख्य मार्ग से 100 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा वैकल्पिक लिंक मार्ग तत्काल तैयार कराया जाएगा। निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि गुरुवार तक लिंक मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि जब तक लिंक मार्ग तैयार नहीं हो जाता, तब तक रेलवे ओवरब्रिज के पूर्वी हिस्से में कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा, जिससे आमजन के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। रोड़ पर केवल हल्के वाहन यानी दो पहियां व चार पहिया वाहन जाने की अनुति रहेगी।

जिलाधिकारी ने समस्या के निराकरण हेतु कराई प्रभावी कार्रवाई

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनसामान्य से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। लिंक मार्ग तैयार होने के बाद दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का आवागमन और सुगमता से हो सकेगा तथा स्थानीय नागरिकों को आवागमन में हो रही असुविधा से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना के तहत ई-लॉटरी से 28 लाभार्थियों का हुआ चयन

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के चयन हेतु ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। योजना के लिए प्राप्त 506 आवेदनों में से ऑनलाइन एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से 28 लाभार्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उनकी आय एवं जीवन स्तर में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित लाभार्थियों के अभिलेखों का परीक्षण पूर्ण होने के उपरांत शीघ्र ही उनके खातों में धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में भविष्य में प्राप्त आवेदनों के आधार पर पुनः ई-लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया भी संचालित की जाएगी।

पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्ध अभियुक्त को 15 साल की सजा

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश– विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) / अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सोनभद्र ओमकार शुक्ला ने सत्र परीक्षण संख्या 279/2025, राज्य बनाम रमाशंकर में अभियुक्त रमाशंकर पुत्र स्व. शिवभजन, निवासी ग्राम बेलहथी टोला पिरहवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र को दोषसिद्ध ठहराते हुए कठोर कारावास एवं अर्थदण्ड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार, दिनांक 26 जनवरी 2025 को अभियुक्त ने नाबालिग पीड़िता के साथ अश्लील हरकत एवं बलात्कार की घटना कारित की। पीड़िता की छोटी बहन के विरोध करने पर उसको रेलवे ट्रैक पर जान मारने की धमकी देते हुए धक्का दे दिया जिससे उसका दाहिना पैर पंजे के ऊपर से कटकर अलग हो गया और उसे गंभीर चोटें आई। इस संबंध में थाना हाथीनाला पर मुकदमा अपराध संख्या 3/2025 पंजीकृत हुआ। विवेचना के दौरान पीड़ितागण का चिकित्सीय परीक्षण, आयु संबंधी अभिलेख, एफएसएल रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।

विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से कुल 12 साक्षियों का परीक्षण कराया गया तथा आवश्यक दस्तावेजी एवं वैज्ञानिक साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर अभियुक्त को धारा 64(1), 74, 117(3), 351(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अपराधों में दोषी पाया। न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 4 पॉक्सो अधिनियम में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 20,000 अर्थदण्ड, धारा 117(3) बीएनएस में 15 वर्ष का कठोर कारावास एवं ?20,000 अर्थदण्ड, धारा 74 बीएनएस में 2 वर्ष का कारावास एवं 5,000 अर्थदण्ड तथा धारा 351(2) बीएनएस में 1 वर्ष का कारावास एवं 1,000 अर्थदण्ड से दंडित किया। सभी सजाएँ साथ-साथ चलेंगी। अर्थदण्ड की आधी राशि पीड़िता तथा आधी राशि घायल बालिका के पुनर्वास हेतु दिए जाने का आदेश भी पारित किया गया। राज्य की ओर से अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक दिनेश प्रसाद अग्रहरी एवं नीरज कुमार सिंह द्वारा प्रभावी रूप से किया गया।

मेडिकल असेसमेंट कैंप में 13 बच्चों के बने दिव्यांगता प्रमाण पत्र

भदोही। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को बीआरसी अभोली में मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी किया। कैंप में 25 बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिनमें 13 बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए गए। वहीं दो बच्चों को श्रवण जांच के लिए बीएचयू रेफर किया गया। कैंप में आर्थोपेडिक, नेत्र, मानसिक रोग एवं ईएनटी विशेषज्ञों ने बच्चों का परीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ कार्यालय की प्रिया श्रीवास्तव, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. जेपी सिंह, स्पेशल एजुकेटर राम सजीवन, राणा गोविंद, विजय मौर्य, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

सोनभद्र में नीति तारा पर अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा विकसित नीति तारा (विश्लेषण, समीक्षा एवं कार्यवाही टूलकिट) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकास भवन, सोनभद्र में जिला एवं विकास खंड स्तरीय अधिकारियों का क्षमता निर्माण एवं उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को आंकड़ा-आधारित निर्णय प्रणाली, विभिन्न शासकीय पोर्टलों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषणात्मक उपकरणों के उपयोग से परिचित कराना था। नीति आयोग की ओर से एडसिल इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि अभिषेक सिंह ने अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने नीति तारा की कार्यप्रणाली, वास्तविक समय के डैशबोर्ड, भू-स्थानिक मानचित्रण, विभिन्न विभागीय पोर्टलों के समेकित उपयोग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आंकड़ा विश्लेषण की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों का समेकित विश्लेषण कर योजनाओं की प्रगति की प्रभावी समीक्षा, कमियों की पहचान तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय लेकर विकास कार्यों को अधिक परिणामोन्मुख बनाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, उप कृषि निदेशक राजकुमार, जिला कृषि अधिकारी वीरेन्द्र कुमार, उपायुक्त मनरेगा रविंद्र वीर, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सन्तपाल वर्मा, राजेश कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रवींद्र पटेल, अपर सांख्यिकीय अधिकारी डॉ. के.एन. उपाध्याय, डॉ. जय सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. मिश्रा, खंड विकास अधिकारी चतरा, विकासखंड चतरा के अन्य अधिकारीगण तथा शिक्षा विभाग से डॉ. सूर्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि नीति तारा एक समेकित डिजिटल प्रणाली है, जो आंकड़ों, विश्लेषण तथा दृश्य प्रस्तुतीकरण को एक मंच पर उपलब्ध कराकर जिला एवं विकास खंड स्तर पर योजनाओं की निगरानी, समीक्षा तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है। यह पहल आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों में सुशासन को सुदृढ़ करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

एक सप्ताह से टूटा है खम्बा - तार, 15 घरों की आपूर्ति बाधित

लंभुआ (सुल्तानपुर)। तहसील के मिश्रौली नरायनपुर गांव में लगा खम्बा व तार करीब एक सप्ताह पहले टूट गया। इससे करीब 15 घरों में विद्युत आपूर्ति बाधित है। दरअसल, शिवगढ़ विद्युत उपकेंद्र के श्रीरामपुर फीडर से सम्बद्ध मिश्रौली नरायनपुर गांव में यह खम्बा दिनेश मौर्य के घर के सामने लगा हुआ है। बीती 18 जुलाई को अचानक यह खम्बा टूट गया। खम्बे के साथ उसमें लगाए गए तार भी टूट गए। इससे करीब 15 घरों को विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। घरों में लगे विद्युत चालित उपकरण ठप हो गए हैं। इन्वर्टर तक जवाब दे गए हैं। उपभोक्ता दिनेश कुमार मौर्य, जग लाल गुप्ता, बाल केशव सोनी, राजकुमार, पप्पू पांडेय ने बताया कि लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ रही है। बरसात का मौसम होने की वजह से विषैले जानवर के घर मे घुसने का भी खतरा बना रहता है। इस बाबत अवर अभियंता परशुराम से बात करने का प्रयास किया गया। पर, उनका फोन उठा नहीं। एसडीओ जवाहर सिंह ने बताया कि प्रकरण की जानकारी नहीं है। इसे दुरुस्त करवाएंगे।

ट्रेन की चपेट में आकर साइकिल सवार युवक की मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र के गौहनिया के पास शुक्रवार की सुबह साइकिल सवार युवक रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रैक पर फंस गया। इससे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के मड़वा निवासी मृतक लालबाबू चतुर्वेदी (34, वर्ष) पुत्र बलराम चतुर्वेदी घर से साइकिल लेकर अपने रिश्तेदार के घर चिल्हिया थाना के संतोरा जा रहे था। गौहनिया के पास रेल पटरी पर वह फंस गया और ट्रेन की चपेट में आने से वह चोटिल हो गया। रेल पटरी किनारे गिर पड़े कुछ ही देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।मृतक अविवाहित था। अपने परिवार में इकलौता लड़का था। मां की मौत कुछ वर्ष पहले हो चुकी है। वृद्ध पिता के सिर पर गम का पहाड़ टूट पड़ा। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कौशल विकास प्रशिक्षण व टूल किट्स योजना के लाभार्थियों का साक्षात्कार आज

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ द्वारा संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण योजना एवं ग्रामोद्योगी टूल किट्स योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के चयन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के तहत सामान्य एवं अनुसूचित जाति वर्ग के कुल 150 लाभार्थियों को छह सत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। प्रत्येक सत्र में 25-25 लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सामान्य श्रेणी के 50 लाभार्थियों के लिए सिलाई-कटाई ट्रेड में दो बैच तथा अनुसूचित जाति वर्ग के 100 लाभार्थियों के लिए सिलाई-कटाई एवं ब्यूटी पार्लर ट्रेड में चार बैच संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा ग्रामोद्योगी टूल किट्स योजना के अंतर्गत पॉपकॉर्न एवं दोना मेकिंग मशीन के पात्र लाभार्थियों के चयन के लिए भी आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र लाभार्थियों के चयन के लिए क्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी प्रयागराज मंडल प्रयागराज की अध्यक्षता में आज 25 जुलाई को पूर्वान्ह 10 बजे साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार जिला ग्रामोद्योग कार्यालय परिसर, रोडवेज बस स्टॉप के निकट, सिविल लाइन, प्रतापगढ़ में होगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने सभी आवेदकों से अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होने की अपील की है ताकि चयन समिति द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

मुख्यमंत्री आवास योजना ने राजेन्द्र कुमार के परिवार को दिया पक्की छत का सहारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कभी कच्ची झोपड़ी में सात सदस्यीय परिवार के साथ जीवन गुजारने वाले विकास खण्ड कुण्डा के ग्राम पंचायत गोतनी निवासी राजेन्द्र कुमार सोनकर पुत्र चिरौंजीलाल के लिए पक्का मकान बनवाना वर्षों से एक सपना था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनका परिवार मौसम की मार झेलते हुए कच्चे घर में रहने को मजबूर था। बरसात में छत टपकने और खराब मौसम में घर की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण राजेन्द्र कुमार और उनके परिवार के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। सरकार द्वारा आवास निर्माण के लिए कराए गए सर्वेक्षण के उपरांत राजेन्द्र कुमार को आवास निर्माण के लिए तीन किश्तों में कुल 1,20,000 रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई। प्राप्त धनराशि और परिवार के सदस्यों के सहयोग से उन्होंने एक कमरे का पक्का मकान बनवा लिया। वर्षों से कच्ची झोपड़ी में रहने वाला परिवार अब अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। राजेन्द्र कुमार बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। पक्का मकान मिलने से न केवल परिवार को सुरक्षित छत मिली, बल्कि जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है। अब बरसात, आंधी और खराब मौसम में घर की चिंता नहीं रहती है। उन्होंने बताया कि आवास योजना के साथ-साथ परिवार को शौचालय, बिजली कनेक्शन, गैस कनेक्शन, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसी विभिन्न सरकारी सुविधाओं का भी लाभ प्राप्त हुआ है। शौचालय की सुविधा मिलने से अब परिवार के सदस्यों को शौचालय के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। इससे स्वच्छता, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर

मिला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। राजेन्द्र कुमार सोनकर की सफलता की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सरकारी योजनाओं का लाभ जब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है, तो वह केवल मकान नहीं बनाता, बल्कि सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की मजबूत नींव भी तैयार करता है।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में साइंस ओलम्पियाड फाउंडेशन के अंतर्गत सामाजिक विषय,हिंदी,कंप्यूटर के उत्कृष्ट परिणाम पर प्रार्थना सभा में छात्रों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान करना तथा अन्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था। प्रधानाचार्य ने साइंस ओलम्पियाड में सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र, मेडल एवं गिफ्ट वाउचर प्रदान कर सम्मानित किया। जिनमें से विभिन्न विषयों में छात्र इस प्रकार रहे - सामाजिक विषय- अंशुमान यादव, कृष्ण चंद्र सिंह,आकिब अहमद,कपिल शुक्ला इन सभी छात्रों की जोनल व अंतरराष्ट्रीय रैंक -6 रही जिन्होंने ब्रांज मेडल के साथ रू.1000 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया ,इसी क्रम में क्षितिज पाण्डेय,राज साहू,शिवम,पीयूष शर्मा,पुष्पेंद्र साहू की जोनल व अंतरराष्ट्रीय रैंक -1 रही जिन्होंने गोल्ड मेडल के साथ रू.1000 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया इसी कड़ी में सौम्या चौरसिया जिनकी जोनल व इंटरनेशनल रैंक-2 थी इन्हें सिल्वर मेडल के साथ रू.1000 गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया। इसी श्रंखला में - हिंदी विषय में अभिषेक यादव (जोनल व अंतरराष्ट्रीय रैंक -3) ने ब्रांज मेडल के साथ ?1000 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया साथ ही वैष्णवी गुप्ता (जोनल व अंतरराष्ट्रीय रैंक -5) ने सिल्वर मेडल के साथ रू.500 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया। इसी कड़ी में -

विषय कंप्यूटर में प्राप्ति मौर्या(जोनल रैंक - 1, अंतरराष्ट्रीय रैंक -26) ने गोल्ड मेडल के साथ रू.5000 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया व महविश नाज़ (जोनल रैंक -2, अंतरराष्ट्रीय रैंक - 49) ने सिल्वर मेडल के साथ रू.2500 का गिफ्ट वाउचर प्राप्त किया।

प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत,लगन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, हमारे विद्यालय के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में ऊँची उपलब्धियों को प्राप्त करने में सफल होते जा रहे हैं, और हमारे विद्यालय परिवार के इन बच्चों के जो परिणाम आए हैं उससे सभी को गर्व है और हम इन छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं देते हैं, आशा करते हैं कि ऐसे ही हमारे सभी विद्यार्थी नित नये आयामों को प्राप्त करने में सफल होंगे। इस कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव, साइंस ओलम्पियाड को- ऑर्डिनेटर मो0 अरशद, संबंधित विषय अध्यापक प्रेम शंकर गुप्ता, स्वप्निल शुक्ला के साथ सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत प्राथमिक विद्यालय जोगापुर में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत जनपद के नगर पालिका परिषद क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय जोगापुर (नवीन) सदर में छात्र-छात्राओं के बीच निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में योजना के लाभार्थियों के बच्चों सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी लेखन एवं चित्रकला प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति अपनी समझ, जागरूकता और उत्साह को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में योजना के उद्देश्यों एवं जनकल्याणकारी स्वरूप की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को डिप्टी कलेक्टर/परियोजना अधिकारी डूडा सीमा भारती ने प्रमाण-पत्र व मेडल वितरित कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मकता, जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक वंदना, शहर मिशन प्रबन्धक डूडा आनन्द प्रकाश मौर्य, म्यूनिसिपल इंजीनियर डूडा अविनाश मौर्य, डूडा विभाग के कर्मचारी मनोज यादव, जितेन्द्र यादव सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

तीन ग्राम सभाओं की जीवनरेखा बना पुल जर्जर, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

» माझगांव-जमुरावां-सीवन के हजारों किसानों की सांसें अटकी जनप्रतिनिधियों से गुहार के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। विकास के दावों के बीच महराजगंज क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण पुल आज अपनी बदहाली की कहानी स्वयं बयां कर रहा है। पूरे डींगुर मजरे माझगांव के पास नाले पर बना यह पुल पूरी तरह जर्जर और क्षतिग्रस्त हो चुका है। पुल के दोनों किनारों की दीवारों में चौड़ी दरारें पड़ चुकी हैं तथा निर्माण का बड़ा हिस्सा कमजोर हो गया है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यह पुल माझगांव, जमुरावा और सीवन ग्राम सभाओं के ग्रामीणों और किसानों के लिए मुख्य आवागमन का एकमात्र सुगम मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों किसान इसी रास्ते से अपने खेतों तक पहुंचते हैं। राजेश कुमार, रूद्र प्रसाद त्रिपाठी, उमाशंकर त्रिपाठी, सुनील सिंह, जगन्नाथ, श्री राम, राम शंकर लोधी, पारसनाथ, बैजनाथ, बाबूलाल पासवान सहित सैकड़ो ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह पुल पूरी तरह ध्वस्त हो गया तो उन्हें मात्र 100 मीटर की दूरी तय करने के बजाय 3 से 4 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर खेतों तक पहुंचना पड़ेगा। इससे समय, श्रम और कृषि लागत तीनों में भारी वृद्धि होगी।

ग्रामीणों के अनुसार इस जर्जर पुल की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्रीय विधायक और ब्लॉक प्रमुख को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। लगातार उपेक्षा के कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यह पुल माझगांव से जमुरावा ग्राम पंचायत के बार्डर से होते हुए हलोर को जोड़ने वाले नाले का जल निकासी मार्ग भी है और वर्षों से क्षेत्र की जीवनरेखा बना हुआ है। बरसात के मौसम में इसकी स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। ऐसे में किसी भी समय दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं

किया जा सकता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं शासन से मांग की है कि जनहित और संभावित दुर्घटना को देखते हुए पुल का तकनीकी निरीक्षण तत्काल कराया जाए तथा नए पुल के निर्माण या तत्काल मरम्मत के लिए शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि हजारों ग्रामीणों और किसानों को राहत मिल सके और किसी अनहोनी से पहले स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। मामले में हमारे रिपोर्टर से मौजूदा विधायक श्याम सुंदर भारतीय की दूरभाष पर जब बात हुई तो उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है जल्द से जल्द इस पुल का निर्माण कार्य कराया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी- पूर्व मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर(सिद्धार्थनगर)। उत्तर प्रदेश सरकार एवं लोक भारती संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश व्यापी हरिशंकरी वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत इटवा के वॉर्ड संख्या 03 अम्बेडकर नगर में पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी व नगर पंचायत अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल,अधिशासी अधिकारी शिव कुमार और सभासद पप्पू उपाध्याय के साथ पीपल, बरगद और पाकड़ का वृक्षारोपण किया। इस दौरान पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि जल संरक्षण, स्वच्छ वायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

शासन की मंशा के अनुरूप जनभागीदारी के साथ व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपने घर, खेत और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील भी की। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष बेलवा रामसूरत चौरासिया जिला सोशल मीडिया प्रभारी आशीष त्रिपाठी, मण्डल महामंत्री धर्मेंद्र मौर्या सहित पार्टी पदाधिकारी एवं नगरवासी उपस्थित रहें।

डीएम-एसपी ने परियर गंगा घाट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

» अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को सदर तहसील क्षेत्र के परियर गंगा घाट स्थित बाबू बंगला एवं माना बंगला के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर से संभावित आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर किसी भी नागरिक को असुविधा का सामना न करना पड़े। राहत सामग्री, सुरक्षित आश्रय स्थलों, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा सुविधाओं, नावों की उपलब्धता तथा अन्य

आवश्यक संसाधनों की समय रहते समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बाढ़ संभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखने, त्वरित राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी सतर्कता बरतें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने इंजी. रमाकांत पांडेय

बांसी (सिद्धार्थनगर)। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने संगठन का विस्तार करते हुए इंजी. रमाकांत पांडेय को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत अवस्थी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में इंजी रमाकांत पांडेय को जिलाध्यक्ष मनोनीत करते हुए आशा व्यक्त किया है कि वे पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। इंजी. पांडेय ने अपने मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया है कि वह जनपद में राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा को अग्रणी पार्टी बनाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करेंगे। इंजी. पांडेय के जिला अध्यक्ष बनने पर तमाम लोगों ने खुशी व्यक्त किया है।

डीएम ने बैजलपुर का स्थलीय निरीक्षण कर सड़क निर्माण की बाधा दूर करने के दिये निर्देश

मिलजुमला भूमि प्रकरण का शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश, अनुपस्थित कानूनगो का वेतन रोकने के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। ग्राम बैजलपुर (बिहारगंज) में सड़क निर्माण न होने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्या और सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान लेखपाल योगेन्द्र विक्रम ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि मिलजुमला भूमि होने के कारण सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मिलजुमला भूमि से संबंधित प्रकरण का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे सड़क निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित कानूनगो के मौके पर उपस्थित

न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक मनरेगा के माध्यम से मिट्टी डलवाकर कच्चे रास्ते को दुरुस्त कराया जाए ताकि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।निरीक्षण के दौरान ग्राम बैजलपुर स्थित पंचायत भवन की स्थिति जर्जर पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचायत भवन का निर्माण किस कार्यकाल में कराया गया था, इसकी मुख्य विकास अधिकारी स्तर से जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जांच के आधार पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बाणगंगा नदी में डूबे एक युवक और दो किशोरों सहित तीनों का शव 24 घंटे बाद मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बाणगंगा नदी बैदौली घाट पर गुरुवार को दोपहर में पानी में डूबे तीन लड़कों के शव को एसडीआरएफ व गोताखोरों की टीम ने 24 घण्टे में तलाश कर परिजनों के हवाले किया। पुलिस ने शिवा के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। जबकि रवि व मोनू के शव को परिजनों ने सहमति से अंतिम संस्कार कर दिया। गुरुवार को गावं के एक अंतिम संस्कार कराने के लिये गये तीन युवक बानगंगा नदी में डूब गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों की टीम लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी दोपहर तक तलाश में जुटे रहे। इस दौरान नदी घाट तटबन्ध पर हजारों पुरुषों व महिलाओं की आंखे नदी के पानी की ओर टकटकी लगाये रहीं। घटना के 24 घण्टे बाद तलाश में जुटे गोताखोरों के जाल में शव फंसने शोर होते ही एसडीआरएफ टीम ने बढ़कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे गहरे पानी से शव को बाहर निकाल परिजनों के हवाले किया। शव के बाहर निकलते ही परिजन शव से लिपटकर दहाड़ मारकर रोने चिल्लाने लगे।

तहसील शोहरतगढ़ के जोगिया विकास खंड की ग्राम पंचायत माधवापुर के टोला मिझुनिया निवासी कंचन (85) पत्नी राम मुकुट का निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार करने के लिए ग्रामीण शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र स्थित बैदौली घाट पर गुरुवार दोपहर में पहुंचे थे। मृतका के अंतिम संस्कार के बाद शिवा चौहान (17) पुत्र राममूरत और रवि वरुण (17) पुत्र रामरूप स्नान करने के लिए नदी में उतरे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों को बचाने के प्रयास में गांव का ही मोनू वरुण (18) पुत्र बबलू भी नदी में कूद गया, लेकिन वह भी गहराई और तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। ग्रामीणों ने बताया कि शिवा चौहान मृतका का नाती था और वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गुरुवार को ही दिल्ली से गांव आया था। पिता राममूरत दिल्ली में छोले भटूरे की दुकान चलाता है। उनकी सहयोग के लिये शिवा दिल्ली में रहता था। परिजनों ने उसे नदी में स्नान करने से मना भी किया था, लेकिन वह साथियों के साथ स्नान के लिये नदी में उतर गया और वह भी हादसे का शिकार हो गया। एक साथ तीन दोस्तों के नदी पानी में डूबने के बाद हुई मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना के बाद से ही शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा, उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, नायब तहसीलदार माधुर्य यादव, थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, लेखपाल आशीष संगम, निरीक्षक अवधेश पाण्डेय, सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय, रोशन श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान धर्मबीर, राम अचल, समाजसेवी अनिल चौधरी, सिद्धार्थ चौधरी, अनिल अग्रहरि सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंच पानी में लापता लड़कों के तलाश कराने में लगे रहे। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने कहा कि बाणगंगा नदी पानी में डूबे तीनों युवाओं के शव को बरामद कर लिया गया है। पंचनामा के बाद एक शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

मोना के प्रयास रंग लाए, मंगापुर को मिला स्टेडियम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा सांसद प्रमोद तिवारी के द्वारा रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम की मंजूरी का प्रयास रंग लाया है। विधायक मोना के प्रस्ताव पर शासन द्वारा सांगीपुर विकासखण्ड के मंगापुर में स्टेडियम के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश विधायन एवं निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड को कार्यदायी संस्था को नामित करते हुए बजट का आगणन तलब किया गया है। शुक्रवार को खेल के क्षेत्र में करोड़ों की सौगात की जानकारी होते ही क्षेत्र के युवा वर्ग के चेहरे खासे खिले दिखे। शासन के विशेष सचिव कुमार विनीत द्वारा निर्गत 23 जुलाई को युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग को मंगापुर में स्टेडियम के निर्माण की कार्य योजना स्वीकृत किये जाने का शासनादेश निर्गत किया गया है। बतादें क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना द्वारा क्षेत्र के मंगापुर में स्टेडियम के निर्माण को लेकर शासन को प्रस्ताव सौंपा गया था। कार्य योजना को

स्वीकृत कराने के लिए सांसद प्रमोद तिवारी के साथ विधायक आराधना मिश्रा ने मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया था।

वहीं बीते वर्ष विधानसभा सत्र में भी स्टेडियम को स्वीकृत कराने को लेकर विधायक आराधना मिश्रा द्वारा सदन में सरकार के समक्ष सवाल उठाया गया था। इसके तहत महानिदेशक युवा कल्याण विभाग द्वारा बीते वर्ष 26 दिसंबर को विधायक के प्रस्ताव पर कार्यदायी संस्था नामित किये जाने के बाबत शासन से पत्राचार किया गया था। स्टेडियम कार्य योजना की मंजूरी की यह जानकारी विधायक मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति में दी है।

छिनैती, मारपीट, तोड़फोड़ व धमकी के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। वादी निवासी ग्राम मनगढ़, थाना कुण्डा, जनपद प्रतापगढ़ ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि घटना में नामजद विपक्षीगण लाठी-डंडा, फावड़ा, कुल्हाड़ी, गहदाला एवं कट्टा आदि से लैस होकर उसके प्लाट पर आए तथा गाली-गलौज करते हुए वादी, उसकी वृद्ध माता एवं भाभी के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो बनाने का प्रयास करने पर वादी का मोबाइल तथा बीच-बचाव करने आए व्यक्ति का मोबाइल छीनकर क्षतिग्रस्त कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कुण्डा थाना पर 09 नामजद लोगों पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त मुकदमा से संबंधित अभियुक्त वीरेन्द्र कुमार यादव पुत्र राजाराम यादव उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बर्जवा मनगढ़ थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ को थाना कुण्डा क्षेत्रान्तर्गत हिसामपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया। उक्त घटना में इससे पूर्व 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जिला कारागार में भेजा जा चुका है।

महालक्ष्मी ज्वेलर्स की दुकान में हुई चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने नगर पंचायत शोहरतगढ़ के मेन रोड दशरथ नगर स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना का खुलासा शुक्रवार को किया। पुलिस ने नेपाल निवासी एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से चोरी के सोने के आभूषण (पीली धातु) तथा 1,500 रुपये नगद भारतीय मुद्रा बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया है। महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक शिवम सोनी पुत्र स्व. वेदप्रकाश सोनी, निवासी वार्ड संख्या-4 दशरथनगर, कस्बा शोहरतगढ़ ने थाना शोहरतगढ़ में पुलिस को तहरीर देकर मेन रोड, गड़ाकुल स्थित दुकान का 17 जुलाई 2026 की रात करीब 1:30 बजे अज्ञात चोरों ने शटर और ताला तोड़कर दुकान में रखे सोने के आभूषण तथा कुछ नगदी चोरी होने की जानकारी दी थी। तहरीर के आधार पर थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 152/2026 धारा 331 (4) व 305 (ए) पंजीकृत कर अज्ञात चोर के तलाश में जुटी थी।

क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर प्लाईवुड तिराहा, कस्बा शोहरतगढ़ के पास संदिग्ध व्यक्ति की चेकिंग के दौरान आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान निरंजन केवट उर्फ भोला (20 वर्ष) पुत्र रामचंद्र केवट, निवासी ग्राम हथौसा, थाना तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) के रूप में हुई। उसके कब्जे से तीन ब्रेसलेट, दो जोड़ी कंगन, नौ अंगूठियां, दो नेकलेस, दो जोड़ी कान के टॉप्स, पांच मंगलसूत्र (लॉकेट सहित), एक हार तथा 1,500 रुपये नगद बरामद किए

गए। पुलिस के अनुसार बरामद सभी आभूषण चोरी की घटना से संबंधित हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दयानन्द, हेड कांस्टेबल अजय कुमार, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल प्रभाकर यादव तथा हेड कांस्टेबल सतीश कुमार सिंह शामिल रहे।

मानकों को दरकिनार कर 10 फीट तक खुदाई का आरोप, अवैध मिट्टी खनन से ग्रामीणों में रोष

उन्नाव। जनपद की पुरवा तहसील क्षेत्र के कालूखेड़ा के पास स्थित पहासा गांव में कथित अवैध मिट्टी खनन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए करीब 10 फीट तक खुदाई की गई है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और पर्यावरण को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार खनन कार्य में लगे भारी वाहनों के लगातार आवागमन से ग्रामीण मार्गों पर दिनभर धूल का गुबार छाया रहता है। इससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और आसपास के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उड़ती धूल के कारण सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि लगातार गहरी खुदाई और भारी वाहनों की आवाजाही से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में गंभीर हादसे की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा है कि यदि खनन कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा अवैधता पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू किए जाएं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक संबंधित विभाग की ओर से इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या खंडन नहीं किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में मानवतावादी समाज पार्टी का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

तिलहर, शाहजहांपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को मानवतावादी समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तिलहर में प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदेश अध्यक्ष एवं तिलहर विधानसभा के संभावित प्रत्याशी डॉ. राम रघुबीर प्रजापति उर्फ मुकेश के नेतृत्व में कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम नीलिमा यादव को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा घायल छात्रों को न्याय और निशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की मांग की गई। डॉ. प्रजापति ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। इस घटना से छात्र समुदाय में भय और आक्रोश का माहौल है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है। यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसका समाधान भी संवैधानिक और मानवीय तरीके से किया जाना चाहिए। इस अवसर पर दिव्यांश सिंह, भोला यादव, रजत पाल, जोगेंद्र प्रजापति, राहत खां सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर में नकली शराब फैक्ट्री का पर्दाफाश, होम डिलीवरी गिरोह का भी खेल उजागर

मुजफ्फरपुर। उत्पाद विभाग की टीम ने हथौड़ी थाना क्षेत्र के शाहपुर में आम के बगान में छापेमारी कर नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। मौके से सैंकड़ों रैपर, ढक्कन और खाली बोतल जब्त की गई। इसके अलावा 35 लीटर स्पिरिट और नकली शराब को रंग देने के केरामेल जब्त की गई। उत्पाद इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार राम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शाहपुर में नकली शराब बनाने का धंधा किया जा रहा है। इसी आधार पर एएसआइ दिलीप कुमार पासवान और उत्पाद सिपाहियों के साथ छापेमारी की। टीम के पहुंचने की भनक लगते ही धंधेबाज फरार हो गए। मौके पर पहुंचकर छानबीन की गई तो करीब 15 बोतल तैयार मैक डावेल नंबर वन की नकली शराब भी मिली। उन्होंने बताया कि फरार धंधेबाजों को चिह्नित किया गया है। ये हथौड़ी के रहने वाले बबलू सहनी और सिद्धांशु कुमार हैं। इन दोनों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी की गई है। गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नकली शराब बनाने के बाद ये लोग बाइक या अन्य वाहनों से होम डिलीवरी भी करते हैं। इनके गिरोह में और भी कई धंधेबाज शामिल हैं। उन्हें भी चिह्नित किया गया है।

मुजफ्फरपुर पुलिस का सख्त कदमः नीट प्रदर्शन में तोड़फोड़ करने वालों पर होगी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर। नीट पेपर लीक मामले को लेकर गुरुवार की शाम प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस की ओर से इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। एसएसपी कार्यालय से बताया गया कि जिला अंतर्गत समाहरणालय परिसर एवं अन्य स्थानों पर प्रदर्शन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों द्वारा सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने की घटनाएं सामने आई हैं। घटना के संबंध में उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं सोशल मीडिया पर उपलब्ध तस्वीरों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों की तस्वीर/फोटो भी सार्वजनिक की जा रही हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस आमजन से अपील करती है कि यदि प्रकाशित तस्वीरों में किसी व्यक्ति की पहचान होती है, तो उसकी सूचना पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाइन/संपर्क नंबर पर उपलब्ध कराएँ, ताकि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रकाशित तस्वीरों में अंकित किसी भी उपद्रवी की पहचान बताने वाले / सूचना उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को 10,000 (दस हजार रुपये) का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले व्यक्तियों से नियमानुसार जुर्माना (हर्जाना) की राशि की वसूली की जाएगी। जिला पुलिस नियंत्रण कक्षः-9431896700 पर सूचना दे। पहचान गोपनीय रहेगी।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

बिहार भेजी जा रही 864 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण थाना क्षेत्र में हजारीबाग पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार भेजी जा रही अंग्रेजी शराब की खेप बरामद की है। पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर 18 पेटी अंग्रेजी शराब, दो कारों को जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को 23 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि कमलवार से अंबाजीत जाने वाले मार्ग पर एक सफेद रंग की कार से शराब लाकर दूसरी कार में लोड कर बिहार भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी टीम जब कमलवार मोड़ से लगभग 500 मीटर आगे अंबाजीत रोड पर पहुंची तो वहां दो कारें आमने-सामने खड़ी मिलीं। दोनों वाहनों की डिक्की खुली थी और कुछ लोग एक कार से दूसरी कार में सामान लोड कर रहे थे। पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर तीनों को मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपनी पहचान सोनू कुमार दास (35) दबगर मोहल्ला चौपारण, आशीष कुमार (20) तथा संतोष कुमार यादव (20) दोनों निवासी करमोनी थाना डोभी जिला गया (बिहार) के रूप में बताई। सोनू कुमार दास ने स्वीकार किया कि वे अवैध शराब के कारोबार से जुड़े हैं और दोनों कारों में शराब लदी हुई है। पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान हुंडई वरना कार से 11 पेटी तथा अल्टो कार से 7 पेटी ऑफिसर्स चॉइस 180 एमएल व्हिस्की बरामद हुई। कुल 18 पेटी में 864 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई। आरोपी शराब से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में आशीष कुमार ने बताया कि शराब की यह खेप बगोदर से हुंडई वरना कार में लाई गई थी, जिसे अल्टो कार के माध्यम से बिहार भेजा जाना था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही शराब तस्करी में प्रयुक्त एक हुंडई वरना और एक अल्टो कार को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपियों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार आरोपी में सोनू कुमार दास (35) पितागुलाब दास दबगर मोहल्ला चौपारण हजारीबाग, आशीष कुमार (20) पिता दीपु कुमार यादव करमोनी थाना डोभी जिला गया (बिहार), संतोष कुमार यादव (20) पिता गागो यादव करमोनी थाना डोभी जिला गया (बिहार) निवासी को गिरफ्तार किया गया। बरामदगी में 18 पेटी ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की (180 एमएल) की कुल 864 बोतल, एक हुंडई वरना कार, एक अल्टो कार शामिल है। इस कार्रवाई का नेतृत्व बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने किया। टीम में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार, पु.अ.नि. श्रवण कुमार पासवान, स.अ.नि. बादल महतो तथा चौपारण थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

छात्रों के संभावित प्रदर्शन को लेकर औरंगाबाद शहर में हाई अलर्ट

औरंगाबाद। औरंगाबाद में छात्रों के संभावित प्रदर्शन को देखते हुए शुक्रवार को शहर में प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट पर रहा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, सरकारी कार्यालयों और संवेदनशील स्थलों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में शांति व्यवस्था भंग नहीं होने दी जाएगी और उपद्रव फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहर के रमेश चौक को सबसे संवेदनशील स्थानों में शामिल करते हुए यहां सर्किल इंस्पेक्टर फहीम आजाद खां एवं नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले रहे। उनके नेतृत्व में पुलिसकर्मी आने-जाने वाले लोगों पर नजर बनाए हुए थे। वाहनों की जांच भी की जा रही थी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके अलावा समाहरणालय परिसर, डीएम, एसपी, सिविल सर्जन, एसडीएम आवास सहित अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई। इन स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई। अधिकारियों द्वारा लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा था और तैनात पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे। प्रशासन की ओर से शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है।

चट्टानी, ध्वस्त एवं कीचड़मय ग्रामीण पथ

आवागमन हुआ कठिनाई भरा : ग्रामीण महिलाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया से 14 किलोमीटर दूर महुलपहाड़ी पंचायत के चट्टान टोला की जोखिम भरी चट्टानी तथा कीचड़युक्त जीर्ण सड़क पर प्रतिदिन आवागमन काफी कठिनाई भरा है। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि चट्टान टोला में पक्की सड़क से टोला के कुछ दूर तक पक्की ईंटों की सड़क निर्मित है। इस बीच उक्त ईट पथ धंस गया है, जिससे वहां कीचड़ भर गया है। वहीं टोले में पूरा उबड़-खाबड़ चट्टानी रास्ता है और ऊंच-नीच होने के कारण यह मार्ग काफी जोखिम भरा बना हुआ है। इसके बाद कुछ दूरी तक पीसीसी सड़क निर्मित है, लेकिन पीसीसी पथ के बाद प्राथमिक विद्यालय तक सड़क कच्ची है। टोले की महिलाओं ने बताया कि इस कच्ची सड़क पर विशेषकर वर्षा के दिनों में आवागमन बहुत कठिन हो जाता है। महिलाओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ दूरी तक उबड़-खाबड़, गड्ढों से भरी और ध्वस्त चट्टानी सड़क पर चलना अत्यंत जोखिम भरा है। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस ऊंच-नीच चट्टानी मार्ग पर बाइक या साइकिल से चलना संभव नहीं है। वाहनों को ठेलकर ले जाना पड़ता है। एक सवाल के जवाब में महिलाओं ने कहा कि छोटे बच्चे-बच्चियां डर के कारण इस रास्ते से नहीं जा पाते। उन्हें गोद में उठाकर ले जाना पड़ता है। महिलाओं ने बताया कि इस टोले में 60 से अधिक घर हैं और एक प्राथमिक विद्यालय भी है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण विद्यार्थियों को प्रतिदिन स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्षा के मौसम में यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। ग्रामीण महिलाओं ने पेयजल संकट का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इतने बड़े टोले में केवल दो नलकूप हैं, लेकिन उनकी समुचित मरम्मत नहीं होने के कारण उनमें पर्याप्त पानी नहीं निकलता। गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या और गंभीर हो जाती है। टोले के लोगों, विशेषकर महिलाओं ने विधायक प्रोफेसर स्टेफन मरांडी से मांग की है कि जीर्ण सड़क और पेयजल की गंभीर समस्या को देखते हुए नए सिरे से सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाई जाए तथा नलकूपों की विशेष मरम्मत कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन और पर्याप्त पेयजल की सुविधा मिल सके।

BJP नेता अश्विनी चौबे के भागलपुर आवास में निकला सांप; वन विभाग ने किया रेस्क्यू

भागलपुर। भागलपुर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी कुमार चौबे के आवास में अचानक सांप निकलने से अफरा-तफरी मच गई। घटना गुरुवार की है, जब माणिक सरकार रोड स्थित उनके आवास परिसर में एक सांप देखा गया। घर में अचानक सांप दिखते ही वहां मौजूद कर्मचारियों और परिजनों के बीच हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। मामले की जानकारी तुरंत स्थानीय वन विभाग को दी गई, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। आपको बता दें कि आवास में निकला सांप 'हरहरा' प्रजाति का था, जो बिल्कुल भी जहरीला नहीं होता है। यह सांप बिना किसी भय के सड़कों, झाड़ियों और इंसानी आबादी के आसपास घूमता रहता है। सामान्यतः लोग इस सांप से नहीं डरते और न ही इसे कोई मारता है। यहां बता दें कि अश्विनी कुमार चौबे भागलपुर से विधायक और बक्सर से सांसद रह चुके हैं। उनका जुड़ाव शुरुआत से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से रहा है।

सिक्किम टनल हादसे में बरही के जागेश्वर ठाकुर की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- सिक्किम में हुए दर्दनाक टनल हादसे में फोरमैन के पद पर कार्यरत बरही प्रखंड के तिलैया बस्ती निवासी जागेश्वर ठाकुर की असामयिक मौत हो गई। हादसे के चार दिन बाद शुक्रवार को उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा। शव के गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में मातम पसर गया। अपने प्रियजन का शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार के लोग बार-बार जागेश्वर को याद कर बिलखते रहे। उनकी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। जागेश्वर ठाकुर की मौत की खबर से तिलैया बस्ती सहित आसपास के क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई। शव पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिचित उनके घर पहुंचे तथा शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। हर कोई इस दर्दनाक हादसे पर दुख व्यक्त कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद बरही विधायक मनोज कुमार यादव भी शोकाकुल परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हादसे की पूरी जानकारी ली। विधायक ने दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। विधायक ने कंपनी के प्रबंधक से दूरभाष पर बातचीत कर घटना की जानकारी ली तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि परिवार को हरसंभव सहयोग दिलाने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में वे उनके साथ हैं और परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव पहल की जाएगी। जागेश्वर ठाकुर की असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर के एक सदस्य की अचानक हुई मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

गांव में भी शोक का माहौल है और हर कोई इस दर्दनाक घटना से मर्माहत है। मौके पर विधायक मनोज कुमार यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, संसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव, मुखिया मंगलदेव यादव, मुखिया प्रतिनिधि सह सामाजिक कार्यकर्ता रवि यादव पूर्व मुखिया रघुवीर यादव, टेकलाल यादव, डीलो पासवान, बिनोद यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जंगल में मवेशी चराने गए ग्रामीण की हाथियों के हमले में मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही थाना क्षेत्र के वन क्षेत्र से सटे इलाके में हाथियों के झुंड के हमले में एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बैजनाथ यादव पिता स्व. किशुन यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बैजनाथ यादव बीती शाम अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान जंगल में घूम रहे हाथियों के झुंड का सामना उनसे हो गया। हाथियों ने उन्हें घेर लिया और कुचलकर मार डाला। स्थानीय लोगों द्वारा खोजबीन के दौरान उनका शव बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही विधायक मनोज कुमार यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने फोरेस्टर अमर आनंद सरस्वती से बात कर पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस पर वन विभाग की ओर से एक लाख रुपये की तत्काल सहायता राशि कागजी प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित परिवार को सौंप दी गई तथा शेष मुआवजा राशि आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपलब्ध कराने की बात कही गई। विधायक ने हजारीबाग के डीएफओ से भी दूरभाष पर बातचीत कर जंगली क्षेत्रों में नियमित गश्ती बढ़ाने, ग्रामीणों को हाथियों के संभावित खतरे के प्रति जागरूक करने तथा हाथियों की आवाजाही की सूचना समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। इधर फोरेस्टर अमर आनंद सरस्वती ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि हाथियों की गतिविधियों वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतें। जंगल या उसके आसपास के इलाकों में अकेले जाने से बचें तथा हाथियों के झुंड दिखाई देने पर उनके पास जाने या उन्हें उकसाने का प्रयास न करें। किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तुरंत वन विभाग अथवा स्थानीय प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से ही मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम किया जा सकता है। मृतक का पोस्टमार्टम बरही अनुमंडलीय अस्पताल में कराने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि मो. कयूम, मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, थाना प्रभारी बिनोद कुमार, फोरेस्टर अमर आनंद सरस्वती, बिहारी यादव, बालकिशोर, रंजीत कुमार यादव समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

अवैध शराब पर सख्ती, मदिरा परिवहन में जीपीएस-डिजिटल लॉक अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखण्डः- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग की योजनाओं, राजस्व संग्रहण, अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं तस्करी पर रोक लगाने के लिए की जा रही कार्रवाई तथा चालू वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन और तस्करी पर पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब का कारोबार सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आम लोगों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है, इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने 3,885.11 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 4,013.53 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जुलाई 2026 के मध्य तक विभाग 1,376 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर चुका है, जो वार्षिक लक्ष्य का 30.57 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने विभागीय कार्यों में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि निरीक्षण और निगरानी व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक आधारित बनाया जाए। उन्होंने विभिन्न जिलों में बनने वाले उत्पाद विभाग के गोदामों के निर्माण में स्थानीय आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता देने का निर्देश भी दिया, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ सकें। विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के माध्यम से नियमित नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि जेएसएससी के माध्यम से चयनित 583 उत्पाद सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री ने मदिरा परिवहन करने वाले सभी वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल लॉक की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे वाहनों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। साथ ही स्पिरिट की खपत, औद्योगिक उपयोग और राजस्व वृद्धि की संभावनाओं का अध्ययन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए नई मदिरा विनिर्माण नीति तैयार करने, औद्योगिक अल्कोहल के विनियमन हेतु अलग नीति बनाने तथा लेबल रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के निर्देश दिए, ताकि लोकप्रिय ब्रांड्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल, उत्पाद आयुक्त संदीप सिंह, झारखंड राज्य बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नीरज कुमार सिंह, संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेन्द्र कुमार सिंह सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

धार्मिक उत्साह के साथ भगवान जगन्नाथ की वापसी रथ यात्रा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः सिलचर, 24 जुलाईः असम के सिलचर स्थित आइरंगमारा डाकबंगला क्षेत्र में स्थित श्रीश्री राधामाधव सेवा आश्रम जगन्नाथ मंदिर (इस्कॉन नामहट्ट संघ) के तत्वावधान में शुक्रवार को धार्मिक श्रद्धा और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच भगवान श्रीश्री जगन्नाथ देव की वापसी रथ यात्रा उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, हरिनाम संकीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शाम को श्रद्धालुओं ने एक साथ रथ की रस्सी खींचकर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के रथ को स्थानीय क्षेत्रों में भ्रमण कराया। रथ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय और उत्सव का माहौल देखने को मिला। मंदिर के प्रभारी श्री शिरोमणि बलदेव दास के मार्गदर्शन में मंदिर समिति की ओर से शुभम चक्रवर्ती ने बताया कि वापसी रथ यात्रा के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, हरिनाम संकीर्तन, रथ परिक्रमा और महाप्रसाद वितरण सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों से परिवार सहित उपस्थित होकर धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। आयोजकों के अनुसार, श्रद्धालुओं के सहयोग और सक्रिय भागीदारी से रथ यात्रा उत्सव शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और धार्मिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। आयोजकों ने आगामी वर्षों में इस रथ यात्रा उत्सव को और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित करने की आशा व्यक्त की।

बिस्तर पर सो रही मासूम को काले नाग ने डसा, इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही रेलवे स्टेशन रोड निवासी रविकांत शर्मा की छह वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी को गुरुवार की रात करीब 12 बजे सर्पदंश का शिकार होना पड़ा। बताया गया कि बच्ची अपने बिस्तर पर थी, तभी वहां मौजूद एक काले नाग ने उसे डस लिया। घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में बच्ची को बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मंटू सिंह, सुमन सिंह समेत दर्जनों लोग अस्पताल पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। इधर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गर्दन से घुसा सरिया सीना चीरकर निकला

जटिल ऑपरेशन से बची 22 साल के युवक की जान

पटना। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) के ट्रामा सर्जनों ने एक बेहद जटिल और दुर्लभ सर्जरी कर 22 वर्षीय युवक की जान बचा ली। निर्माण कार्य के दौरान हुए हादसे में लोहे की सरिया युवक के शरीर में इस तरह धंस गई थी कि वह गर्दन के पीछे ऊपरी पीठ से प्रवेश कर दाएं फेफड़े के ऊपरी हिस्से को भेदते हुए बाएं सीने से बाहर निकल गई। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान नौबतपुर के परसा निवासी सुदामा के रूप में हुई है। हादसे के बाद उसे तत्काल पीएमसीएच लाया गया, जहां ट्रामा टीम ने बिना समय गंवाए इलाज शुरू किया। जटिल स्थिति के बावजूद डॉक्टरों ने सूझबूझ से ऑपरेशन कर सरिया को बाहर निकाला और युवक की जान बचा ली। पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल पहुंचते ही ट्रामा टीम ने अंतरराष्ट्रीय ट्रामा प्रोटोकाल के तहत मरीज का तत्काल रेसुसिटेशन और प्रारंभिक जांच की। सबसे अहम फैसला यह था कि शरीर में धंसी सरिया को घटनास्थल या अस्पताल के बाहर निकालने की कोशिश नहीं की गई। डॉक्टरों के अनुसार, अगर सरिया को जल्दबाजी में बाहर निकाल दिया जाता तो अचानक जानलेवा रक्तस्राव हो सकता था। इसलिए उसे उसी स्थिति में रखते हुए घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद मरीज को सीधे ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने नियंत्रित तरीके से सर्जरी की। डॉक्टरों ने आपातकालीन थोराकोटामी के दौरान प्रत्यक्ष दृष्टि में बेहद सावधानी से सरिया को बाहर निकाला। इसके बाद फेफड़े के क्षतिग्रस्त हिस्से का उपचार किया गया और रक्तस्राव को नियंत्रित किया गया। फेफड़े की स्थिति को देखते हुए इंटरकास्टल ड्रेन (आईसीडी) भी लगाया गया। पूरी सर्जरी बेहद चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन पूरा किया। सर्जरी के बाद युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहा है।

हजारीबाग में राहुल दुबे गैंग से पुलिस की मुठभेड़, दो बदमाश गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सक्रिय सदस्यों के बीच शुक्रवार तड़के मुठभेड़ हुई। इस दौरान गैंग के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जबकि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल अपराधी को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए बड़कागांव अस्पताल भेजा गया है। 23/24 जुलाई की रात सूचना मिली थी कि केरेडारी थाना अंतर्गत पगार ओपी क्षेत्र में चंद्रगुप्त कोल खनन परियोजना के परिवहन मार्ग तथा बुकरू-पचला रोज बैरियर के आसपास दो अज्ञात अपराधी अपाची मोटरसाइकिल से पहुंचे थे। दोनों ने राहुल दुबे गैंग के नाम का पर्चा छोड़कर जंगल की ओर भागने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। केरेडारी थाना और पगार ओपी की पुलिस सशस्त्र बल के साथ बुकरू जंगल में अपराधियों की तलाश में निकली। सुबह करीब 3:20 बजे बुकरू गांव के जंगल के पास पुलिस ने एक अपाची मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को देखा। पुलिस वाहन देखकर दोनों जंगल की ओर भागने लगे। पीछा करने के दौरान बाइक असंतुलित होकर गिर गई और दोनों अपराधी पैदल जंगल की ओर भागने लगे। इसी दौरान एक अपराधी ने पुलिस टीम पर लगातार तीन राउंड फायरिंग कर दी।

पुलिस ने पहले उन्हें हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने दोबारा फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने तीन राउंड जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक गोली फायरिंग कर रहे अपराधी के दाहिने पैर में लगी और वह वहीं गिर गया। दूसरे आरोपी को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. रागीब अफजल निवासी चेपाखुर्द, डाड़ीकला ओपी, बड़कागांव और जितेंद्र सोनी निवासी पट्टीबारियातु, पगार ओपी, केरेडारी के रूप में हुई। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने खुद को राहुल दुबे गैंग का सक्रिय सदस्य बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि चंद्रगुप्त कंपनी से लेवी नहीं मिलने पर कंपनी के परिवहन क्षेत्र में फायरिंग कर दहशत फैलाने और गैंग के नाम का पर्चा छोड़ने की घटना को उन्होंने अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल, तीन मोबाइल फोन और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल मो. रागीब अफजल को पुलिस सुरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जबकि दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान का नेतृत्व बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद ने किया। टीम में पुलिस निरीक्षक शाहिद रजा, केरेडारी थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय, पगार ओपी प्रभारी दिनेश मंडल, सहायक अवर निरीक्षक सिद्धेश्वर पंडित, केरेडारी थाना एवं पगार ओपी के सशस्त्र बल तथा तकनीकी शाखा एवं संगठित अपराध शाखा के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

छात्राओं को वितरित किए गए विद्यालयी बैग

जालंधर। पंजाब सरकार की विद्यार्थियों को विद्यालयी बैग उपलब्ध कराने की मुहिम के तहत बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने मंगलवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आबादपुरा में कक्षा 11 और 12 की छात्राओं को विद्यालयी बैग वितरित किए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने विद्यालय के विकास कार्यों के लिए 30 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। सरकार ने आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदल दी है। मोहिंदर भगत ने कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालयी बैग उपलब्ध कराने का उद्देश्य उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम करना है।

पंजाबी गायक दिलप्रीत ढिल्लों पर मोहाली में केस दर्ज, म्यूजिक कंपनी मालिक को पीटा

मोहाली। पंजाबी गायक दिलप्रीत सिंह ढिल्लों के खिलाफ मारपीट, जबरन बंधक बनाने और हथियार के इस्तेमाल की शिकायत पर मोहाली के मटौर थाने में केस दर्ज हुआ है। मेलोडी हाउस म्यूजिक कंपनी के संचालक रेअमंत मरवाहा ने शिकायत दी कि टी-सीरीज के साथ गानों की डील नहीं होने की रंजिश में दिलप्रीत ने उनके साथ मारपीट की। यह भी आरोप लगाया कि दिलप्रीत ने पिस्टल दिखाकर उन्हें और परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना मोहाली के सेक्टर-70 स्थित होमलैंड के एक फ्लैट में हुई। रेअमंत मरवाहा करीब 5 वर्षों से मेलोडी हाउस नाम से म्यूजिक कंपनी चला रहे हैं। करीब 5-6 महीने पहले दिलप्रीत ढिल्लों ने टी-सीरीज में गानों की रिकॉर्डिंग की डील करवाने के लिए उनसे संपर्क किया था। उन्होंने दिलप्रीत की टी-सीरीज के अधिकारियों से बात भी करवाई, लेकिन किसी कारण डील सिरे नहीं चढ़ सकी।

दो कैंटरों की टक्कर, चालक कैबिन में फंसा; अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

जालंधर। जालंधर जिले के गोराया क्षेत्र में नेशनल हाईवे (NH) पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। दो कैंटरों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक चालक गंभीर रूप से घायल होकर अपने वाहन की कैबिन में बुरी तरह फंस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहत एवं बचाव दल ने जेसीबी और हाइड्रा मशीन की मदद से चालक को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक कैंटर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक वाहन के अंदर ही फंस गया और उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। आसपास मौजूद लोगों ने भी राहत कार्य में सहयोग किया। चालक को निकालने के लिए जेसीबी और हाइड्रा मशीन की सहायता ली गई।

लंबे प्रयास के बाद कैबिन को काटकर घायल चालक को बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

वांगचुक के अनशन तोड़ने के बाद भी जारी रहेगा प्रदर्शन

CJP ने साफ कहा है कि इस्तीफे और अन्य मांगों के पूरा होने तक जंतर-मंतर पर विरोध जारी रहेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा 26 दिन बाद आमरण अनशन समाप्त किए जाने के बाद छात्र संगठनों और आंदोलन से जुड़े नेताओं ने राहत और संतोष व्यक्त किया है. हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा. कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने कहा कि सरकार ने उनकी महत्वपूर्ण मांग मानते हुए बातचीत के लिए एक तटस्थ स्थान पर सहमति दी है. इसी के तहत अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में चर्चा होगी. छात्र नेताओं का कहना है कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, प्रभावित परिवारों को मुआवजा और प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने जैसी मांगों को लेकर वे अपनी आवाज उठाते रहेंगे। कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि संगठन सोनम वांगचुक के अनशन समाप्त करने के फैसले से खुश है. उन्होंने कहा, 'हम खुश हैं. हमने कल भी पत्र लिखकर सोनम सर से उपवास समाप्त करने का अनुरोध किया था. यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती. हम बहुत खुश हैं कि सरकार हमारा अनुरोध मान गई है कि बातचीत न्यूट्रल जगह पर हो. बातचीत के लिए कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया को चुना गया है.' उन्होंने बताया कि शुक्रवार को सरकार और आंदोलनकारियों के बीच चर्चा का दौर शुरू होने जा रहा है।

चार मांगों पर अड़े छात्र नेता

CJP की प्रवक्ता वैष्णवी गौर ने कहा कि सरकार ने तटस्थ स्थान पर बातचीत के लिए सहमति दे दी है, लेकिन संगठन अपनी मुख्य मांगों को मजबूती से रखेगा. उन्होंने कहा, 'सरकार ने हमसे एक न्यूट्रल जगह पर मिलने पर सहमति जताई है. हम अपनी वही मांगें रखेंगे जिन पर हम पहले दिन से कायम हैं. चार प्रमुख मांगों में धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रभावित परिवारों को मुआवजा और निर्दोष प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेना शामिल है.' उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

अभिजीत दीपके ने क्या कहा?

आंदोलन से जुड़े अभिजीत दीपके ने एक वीडियो संदेश जारी कर सोनम वांगचुक के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'हमें राहत और खुशी है कि सोनम सर ने 26 दिन बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया है. आपके असाधारण साहस और बलिदान के लिए धन्यवाद. आपने अपनी जान दांव पर लगाकर पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया. आपका जीवन इस देश के लिए बहुत कीमती है.'

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन रहेगा जारी

अभिजीत दीपके ने यह भी स्पष्ट किया कि सोनम वांगचुक के अनशन समाप्त होने के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर चल रहा शांतिपूर्ण प्रदर्शन धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक जारी रहेगा.' इस बयान से साफ है कि आंदोलनकारी फिलहाल पीछे हटने के मूड में नहीं हैं और बातचीत के साथ-साथ दबाव की राजनीति भी जारी रखेंगे।

दिल्ली पुलिस ने दी सफाई

एनएसए के अधिकारों को लेकर फैली भ्रम की स्थिति पर दिल्ली पुलिस की सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत दिल्ली पुलिस आयुक्त को निवारक निरोध प्रिवेंटिव डिटेंशन के अधिकार दिए जाने को लेकर विभिन्न मीडिया माध्यमों में प्रकाशित खबरों पर दिल्ली पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी किया है। पुलिस ने कहा है कि कुछ रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि सीजेपी के प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस आयुक्त को एनएसए के तहत अधिकार दिए गए हैं, जबकि यह दावा पूरी तरह गलत और भ्रामक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पुलिस आयुक्त को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम की धारा 3(2) के तहत दिए जाने वाले ये अधिकार नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऐसे आदेश प्रत्येक तीन महीने में जारी या नवीनीकृत किए जाते हैं। इस बार भी आदेश 19 जुलाई 2026 से 18 अक्टूबर 2026 तक की अवधि के लिए जारी किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह आदेश सीजेपी के प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही जारी कर दिया गया था। इसलिए इसका मौजूदा प्रदर्शनों या वर्तमान कानून-व्यवस्था की स्थिति से कोई संबंध नहीं है। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि इन अधिकारों को देने या उनके नवीनीकरण के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से सीजेपी प्रदर्शनों के संदर्भ में कोई विशेष प्रस्ताव या अनुरोध नहीं भेजा गया था। यह पूरी तरह नियमित त्रैमासिक नवीनीकरण की प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे किसी विशेष घटना से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। दिल्ली पुलिस ने मीडिया संस्थानों से अपील की है कि इस तरह की संवेदनशील खबरों का प्रकाशन तथ्यों के सत्यापन के बाद ही किया जाए। पुलिस ने कहा कि यह कहना कि एनएसए के अधिकार विशेष रूप से सीजेपी प्रदर्शनों से निपटने के लिए दिए गए हैं, पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक है।

4,056 महिलाओं को 1.70 करोड़ की सहायता

पहले बच्चे पर 5,000 और दूसरे बच्चे के रूप में बेटी के जन्म पर 6,000 रुपये की आर्थिक मदद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। अमृतसर पूर्व विधानसभा क्षेत्र की विधायक जीवन जोत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार महिलाओं के कल्याण तथा जच्चा-बच्चा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए लगातार जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक राज्य की 4,056 गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 1.70 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पहले बच्चे के जन्म पर लाभार्थी महिला को 5,000 रुपये की सहायता दी जाती है। यह राशि दो किस्तों में दी जाती है, जिसमें पहली किस्त 3,000 रुपये और दूसरी किस्त 2,000 रुपये की होती है। विधायक ने कहा कि यदि दूसरा बच्चा बेटी होती है तो सरकार 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता एकमुश्त प्रदान करती है। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता के साथ समय पर सहायता सुनिश्चित होती है। जीवन जोत कौर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक इस योजना के तहत 36,154 महिलाओं का पंजीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी मां आर्थिक अभाव के कारण आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे तथा प्रत्येक बच्चे को जन्म से ही सुरक्षित और स्वस्थ शुरुआत मिल सके। विधायक ने कहा कि पंजाब सरकार महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध की आग दिल्ली से चंडीगढ़ तक पहुंची, सेक्टर-17 प्लाजा में प्रदर्शन जारी

चंडीगढ़। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध की आग चंडीगढ़ तक पहुंच चुकी है। सेक्टर-17 प्लाजा में ट्राईसिटी के कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों का प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और घटना की निंदा। प्रदर्शन में शामिल एक छात्र ने कहा कि जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस बल प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए था। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों के साथ हुई कार्रवाई गलत है। लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नीट पेपर लीक का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कि परीक्षा में कथित अनियमितताओं ने हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। नीट जैसी परीक्षा का पेपर लीक होना बड़ी बात है। शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

'राहवीर' को मिलेगा 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मानसा। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की समय पर मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से 'राहवीर' योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 'गोल्डन आवर' के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत घायलों को 1.5 लाख रुपये तक का नकदरहित उपचार उपलब्ध कराया जाता है। जिला प्रशासनिक परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त नवजोत कौर ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद का पहला घंटा, जिसे 'गोल्डन आवर' कहा जाता है, घायल की जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान मदद करने वाला व्यक्ति वर्ष में अधिकतम पांच बार इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घायल की सहायता करने वाले नागरिक को पुलिस या अस्पताल प्रशासन किसी प्रकार से परेशान नहीं करेगा। यदि वह चाहे तो अपना नाम और पता गोपनीय रख सकता है। उस पर इलाज का खर्च उठाने या न्यायालय में गवाही देने का कोई दबाव नहीं डाला जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि घायल को अस्पताल पहुंचाने के बाद चिकित्सक पुलिस को सूचना देकर मददगार की भूमिका की पुष्टि करता है। इसके बाद पुलिस रिपोर्ट और अस्पताल के सत्यापन के आधार पर जिला सड़क सुरक्षा समिति पुरस्कार राशि सीधे सहायता करने वाले के बैंक खाते में भेजती है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत योजना की जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल प्रशासन को 24 से 48 घंटे के भीतर पुलिस को सूचना देकर ई-डीएआर पोर्टल के माध्यम से सत्यापन कराना अनिवार्य है। इस योजना के तहत दुर्घटना के बाद घायल को 1.5 लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। बैठक में सहायक आयुक्त हरजिंदर सिंह जस्सल, अतिरिक्त जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अंकुश गोयल, पुलिस उपाधीक्षक कमलजीत सिंह, यातायात विभाग के सुरेश कुमार सिंह, उप सिविल सर्जन डॉ. मयंक गोयल, जिला शिक्षा अधिकारी नीलम रानी, मंजू बाला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस के मेहरौली थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 11 दोपहिया वाहन (मोटरसाइकिल व स्कूटी) तथा वारदात में इस्तेमाल किया गया एक ऑटो-रिक्शा बरामद किया है। इस कार्रवाई से दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज 11 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 15/16 जुलाई 2026 की रात छतरपुर पहाड़ी निवासी बॉबी खान की बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर मेहरौली थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ऋतेश कुमार के नेतृत्व तथा एसीपी मेहरौली सोमनाथ परुथी की निगरानी में एसआई अमित कुमार, एएसआई रविंदर कुमार, एएसआई निहाल सिंह सहित पुलिस टीम का गठन किया गया।जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी निगरानी और स्थानीय मुखबिरों से मिली सूचनाओं का विश्लेषण किया। 20 जुलाई को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सीडीआर चौक के पास जाल बिछाकर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों से दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 11 मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद की गई। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया एक ऑटो-रिक्शा भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरफराज, निवासी मूनलाइट अपार्टमेंट, मेहरौली, दिल्ली तथा राहुल केशरवानी, निवासी माधवपुर, गौरीगंज, अमेठी (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। सरफराज पहले भी मेहरौली थाने में दर्ज चोरी के एक मामले में शामिल रह चुका है, जबकि राहुल के खिलाफ पहले कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं मिला है।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी देर रात आवासीय कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर बिना निगरानी खड़े मोटरसाइकिल और स्कूटी को निशाना बनाते थे। चोरी के बाद वे वाहनों को सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे और बाद में उनकी पहचान बदलकर बेच देते थे, ताकि जल्दी पैसा कमाया जा सके।पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से मेहरौली, नारायणा, वसंत कुंज साउथ, पहाड़गंज, रिठाला विहार, पश्चिम विहार, निहाल विहार, मेहंदीपुर सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज 11 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है।दक्षिणी जिला पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और लगातार की गई पुलिस कार्रवाई की बदौलत इस गिरोह का भंडाफोड़ संभव हो सका। मामले में आगे की जांच जारी है।

टायर चोरी गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। लुधियाना पुलिस ने वाहनों के टायर और अलॉय चुराने वाले गिरोह का पर्दाफोड़ करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने चोरी किए गए फॉर्च्यूनर वाहन के चार टायर, अलॉय, वारदात में प्रयुक्त कार, हाइड्रोलिक जैक और लोहे की रॉड बरामद की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त (जांच) हरपाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जांच) अमनदीप सिंह बराड़ तथा सहायक पुलिस आयुक्त हरसप्रीत सिंह के मार्गदर्शन में सीआईए स्टाफ और थाना डिवीजन-8 की टीम ने की। पुलिस के अनुसार, 18-19 जुलाई की रात रख बाग क्षेत्र में एक मकान के बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर कार के चारों टायर और अलॉय चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में थाना डिवीजन-8 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने सुखजीत सिंह उर्फ सुख (23) और अमन कुमार (21) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए चार टायर, अलॉय, वारदात में प्रयुक्त सफेद रंग की क्रेटा कार, एक हाइड्रोलिक जैक तथा लोहे की रॉड बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने रख बाग क्षेत्र से एक आई-20 कार के टायर चोरी करने की वारदात भी कबूल की है। इस संबंध में थाना डिवीजन-8 में एक अन्य मामला भी दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान उनसे शहर और आसपास के क्षेत्रों में की गई अन्य चोरी की वारदातों तथा गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

NEET पेपर लीक पर जालंधर में सत्याग्रह, 12 घंटे भूख हड़ताल पर बैठे युवा नेता

जालंधर। NEET पेपर लीक मामले और दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में जालंधर में शुक्रवार को न्याय सत्याग्रह शुरू किया गया। युवा नेता रवीश राज शर्मा ने डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के सामने पुडा परिसर में 12 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की आवाज को दबाने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर देशभर के लोगों को एकजुट होना होगा। भूख हड़ताल के दौरान रवीश राज शर्मा ने कहा कि दिल्ली में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखने का अधिकार है। यदि विद्यार्थियों की मांगों का जवाब संवाद से देने के बजाय बल प्रयोग किया जाएगा तो इससे युवाओं का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होगा।

असम विश्वविद्यालय में विकसित भारत-2047 के निर्माण में हिमालय की भूमिका पर राष्ट्रीय मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम विश्वविद्यालय सिलचर में 24 जुलाई को विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में हिमालय की निर्णायक भूमिका पर व्यापक विमर्श के उद्देश्य से असम विश्वविद्यालय के डिजास्टर रिस्क रिडक्शन क्लब एवं कनेक्टिंग हिमालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सिलचर स्थित विश्वविद्यालय के बिपिन चंद्र पाल मिलनायतन में 'विकसित भारत 2047 के निर्माण में हिमालय की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षाविदों, पर्यावरणविदों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए असम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब हिमालय की पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि हिमालय केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि भारत की जल सुरक्षा, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। उन्होंने विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, नीति-निर्माताओं और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वित प्रयासों पर बल देते हुए कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और जनभागीदारी के माध्यम से ही हिमालय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव है। संगोष्ठी में वक्ताओं ने हिमालय को भारत की प्राकृतिक, सामरिक एवं पारिस्थितिक धरोहर बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास और बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच हिमालयी क्षेत्र का संरक्षण पहले से अधिक आवश्यक हो गया है। विशेषज्ञों ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग, जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समाचार पत्रों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को समाज में जन-जागरूकता बढ़ाने तथा सकारात्मक एवं जनहितकारी पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। संगोष्ठी के विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने हिमालय संरक्षण, पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन तथा विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने शोधपत्र एवं विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने इस बात पर बल दिया कि हिमालय का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि देश की जल, खाद्य एवं पारिस्थितिक सुरक्षा से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम ने संगोष्ठी को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की विविधता को दर्शाते हुए लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय संगीत तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता, हिमालयी विरासत तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए इसे संगोष्ठी का आकर्षक एवं यादगार आयोजन बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि संगोष्ठी में हुए विचार-विमर्श से हिमालय संरक्षण एवं विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को नई दिशा और गति मिलेगी।

सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से कराएं अनुपालन

स्कूल-कॉलेजों में चलेगा जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों, प्रवर्तन कार्रवाई, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधार तथा सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अपने सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया जाए, ताकि कम उम्र से ही उनमें सुरक्षित यातायात व्यवहार विकसित हो सके। जनजागरूकता अभियान, रैली, प्रतियोगिताओं एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से यातायात नियमों और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। बैठक में यातायात नियमों के उल्लंघन पर की गई प्रवर्तन कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जून 2026 में यातायात पुलिस द्वारा ओवर स्पीडिंग में 9,619, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर 38,221, रॉन्ग साइड ड्राइविंग में 14,707, ड्रंक एंड ड्राइविंग में 422 तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने पर 367 चालान किए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए और दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई जारी रखी जाए। बैठक में डीसीपी यातायात रविंद्र कुमार, एडीएम सिटी आलोक कुमार गुप्ता सहित लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

सीए दंपती घर से निकला पर वापस नहीं लौटा, नहर में मिले शव

जीरकपुर (मोहाली)। जीरकपुर निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) राजीव बाली और उनकी पत्नी नीरजा बाली की नहर में डूबने से मौत हो गई। राजीव का शव राजपुरा के खेड़ी गांव के पास भाखड़ा नहर से बरामद हुआ, जबकि नीरजा का शव करीब 80 किलोमीटर दूर हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित ज्योतिसर के पास सरस्वती फीडर नहर से मिला। प्रारंभिक जांच में पुलिस आर्थिक तंगी की वजह से तनाव को घटना का संभावित कारण मान रही है। पुलिस के अनुसार, राजपुरा स्थित भाखड़ा नहर पुल पर एक कार लावारिस हालत में मिली थी। कार से चार मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद हुआ। मोबाइल नंबरों के आधार पर पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया, जिससे कार की पहचान जीरकपुर निवासी सीए राजीव बाली की हुई। इसके बाद नहर में सर्च अभियान चलाया गया और कुछ समय बाद खेड़ी गांव के पास से राजीव का शव बरामद कर लिया गया। परिजनों ने बताया कि राजीव और उनकी पत्नी नीरजा घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। राजीव का शव मिलने के बाद नीरजा की तलाश तेज की गई। कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर के पास सरस्वती फीडर नहर से एक महिला का शव मिला। तस्वीर जारी होने पर डेराबस्सी निवासी दिनेश चावला ने शव की पहचान अपनी बहन नीरजा बाली के रूप में की और मोर्चरी पहुंचकर पुष्टि की।

कर संग्रह केवल एक ड्यूटी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आराधना है

167वें आयकर दिवस समारोह का आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 167वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं करदाताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए श्रीमती मीनाक्षी सिंह, मुख्य आयकर आयुक्त, इलाहाबाद ने कहा कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में कर प्रशासन और करदाता, दोनों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कर संग्रह केवल राजस्व जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास, जनकल्याण और मजबूत आर्थिक व्यवस्था की आधारशिला है। अपने संबोधन में उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता

के श्लोक 'योगः कर्मसु कौशलम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि कार्य में कुशलता, समर्पण और अनुशासन ही उत्कृष्ट प्रशासन की पहचान है। उन्होंने कहा कि 'कर संग्रह केवल एक ड्यूटी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आराधना है,' क्योंकि प्रत्येक करदाता का योगदान राष्ट्र के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से सहायक होता है। आपने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान इलाहाबाद क्षेत्र ने 940 करोड़ के बजट लक्ष्य के मुकाबले 2,038.95 करोड़ का शुद्ध संग्रह हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 132.10% की प्रभावशाली वृद्धि है। उन्होंने कहा कि मुख्य आयकर आयुक्त, इलाहाबाद प्रभार द्वारा करदाता सेवाएँ एवं पारदर्शिता में वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए प्रभार के सभी 48 स्टेशनों पर दिनांक 15 जुलाई से 31 जुलाई तक बकाया मांग और शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 15 जुलाई से प्रारंभ इस अभियान में अब तक बकाया मांग तथा अन्य शिकायतों 551 मामलों 277 का निस्तारण किया गया। आपने सभी संबंधित करदाताओं एवं टैक्स प्रैक्टिशनरों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे कैंप में आते समय अपने मामलों से जुड़े आवश्यक दस्तावेज (जैसे- प्रासंगिक असेसमेंट ईयर का नोटिस, टैक्स जमा करने के चालान की प्रति, पूर्व में दिए गए आवेदनों की प्रति आदि) अपने साथ अवश्य लाएं, ताकि उनके मामलों की जांच कर तुरंत कार्रवाई की जा सके। आपने बताया कि आयकर विभाग द्वारा नए आयकर अधिनियम तथा नियम लागू किए गए हैं। कानून का निर्माण निसंदेह महत्वपूर्ण दायित्व है। किंतु उसकी वास्तविक सफलता उसके प्रभावी, निष्पक्ष और संवेदनशील क्रियान्वयन में ही निहित है। कार्यक्रम में प्रधान आयकर आयुक्त, इलाहाबाद मानस मेहरोत्रा ने प्रभार की हालिया उपलब्धियों और करदाता-सेवा में पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। आयकर आयुक्त (अपील) यूनिट-1, इलाहाबाद कौशलेंद्र तिवारी ने अपील निस्तारण तथा शिकायत निवारण में उठाये गये कदमों का उल्लेख किया। ए.के.सिंह, आयकर आयुक्त (ओएसडी) ने विभागीय कार्यों को तत्परता से करने पर बल दिया। संयुक्त आयकर आयुक्त, इलाहाबाद सुदीप पाल ने करदाता जागरूकता और आउटरीच गतिविधियों के महत्व को बताया। आयकर दिवस के अवसर पर अध्यक्ष, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली का संदेश का वीडियो प्रसारण किया गया तथा आयकर की उपलब्धियों पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, साथ ही सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रीमती मीनाक्षी सिंह जी द्वारा प्रतिज्ञा दिलाई गई। कर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से इलाहाबाद प्रभार के सभी 48 स्टेशनों पर आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन कर करदाताओं से परस्पर संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा आयकर परिसर, प्रयागराज एवं अधीनस्थ कार्यालयों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु कदम उठाए गए हैं। आयकर दिवस को उल्लासपूर्ण ढंग से मनाते हुए इलाहाबाद प्रभार तथा इसके 48 अधीनस्थ कार्यालयों में 'डिजीटल इंडिया और टैक्स प्रणाली का सरलीकरण' तथा 'राष्ट्र निर्माण में कर की भूमिका' विषय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता करते हुए अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मानस मेहरोत्रा, प्रधान आयकर आयुक्त, इलाहाबाद; कौशलेंद्र तिवारी, आयकर आयुक्त (अपील), इलाहाबाद; सुदीप पाल, संयुक्त आयकर आयुक्त, इलाहाबाद तथा प्रभार के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी सहित आईटीईएफ तथा आईटीजीओआ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

ससुराल में पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेजा (प्रयागराज)। मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा चौकी अंतर्गत पकरी सेवार गांव में पत्नी से हुए विवाद के बाद 28 वर्षीय युवक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह उसका शव घर के कमरे में छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पकरी सेवार गांव निवासी सत्यनारायण सताई (28) पुत्र उमाशंकर निषाद गुरुवार को अपनी पत्नी के साथ उसके मायके सीतामढ़ी गया था, जहां मेले का आयोजन चल रहा था। बताया जा रहा है कि मेला देखने के बाद घर लौटने को लेकर पति-पत्नी के बीच

किसी बात पर विवाद हो गया। विवाद के बाद सत्यनारायण नाराज होकर अकेले अपने घर लौट आया, जबकि उसकी पत्नी मायके में ही रुक गई। घर पहुंचने के बाद सत्यनारायण ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। शुक्रवार सुबह काफी देर तक जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने उसे आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। कमरे के अंदर का दृश्य देखकर सभी के होश उड़ गए। सत्यनारायण का शव छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटका हुआ था।

प्रयागराज मंडल में रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति अभिरुचि विकसित करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी (Quiz) प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन आज उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल कार्यालय में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों से कुल 21 कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन पूर्णतः हिंदी माध्यम में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों से रेलवे संबंधी विषयों, हिंदी भाषा एवं साहित्य, राजभाषा तथा सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान, त्वरित निर्णय

क्षमता एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राजभाषा नीति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रेलवे से संबंधित ज्ञान का विस्तार करना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित टीम आगामी क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता का आयोजन राजभाषा विभाग द्वारा सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण देखने को मिला।

पीडीए ने औद्योगिक क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की तीन अवैध निर्माण सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए शुक्रवार को जोन-4 के उपजोन नवाबी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जोनल अधिकारी के निर्देश पर विभिन्न स्थानों पर अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया तथा तीन अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।पीडीए की टीम ने सबसे पहले साई गेस्ट हाउस के दक्षिण, गहुआरी (थाना औद्योगिक क्षेत्र) में शालू यादव, प्रभुनाथ मिश्रा, लक्ष्मी नारायण मिश्रा, अरुण मिश्रा, त्रिभुवन नाथ मिश्रा, शम्भूनाथ मिश्रा एवं अन्य द्वारा लगभग तीन बीघा क्षेत्र में की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।इसके बाद मौजा नेवादा समोगर में शिवपूजन पाण्डेय, आत्माराम, आनंद कान्त शुक्ला एवं अन्य द्वारा लगभग 20 बीघा क्षेत्र में विकसित की गई अवैध प्लाटिंग पर

बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त किया गया।अभियान के दौरान तेजबली पटेल द्वारा लगभग 110 वर्गमीटर, संजय गुप्ता एवं अरविन्द कुमार गुप्ता द्वारा लगभग 100 वर्गमीटर तथा संतोष तिवारी द्वारा लगभग 220 वर्गमीटर क्षेत्रफल में किए गए अवैध निर्माणों को भी पीडीए ने सील कर दिया।पीडीए ने स्पष्ट किया है कि संबंधित सभी व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए संबंधित थाने में तहरीर दी जाएगी। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

CATC-69 का समापन शानदार समारोह के साथ हुआ सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 10 दिनों तक चले कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप (CATC-69) का समापन आज एक शानदार समारोह के साथ हुआ। यह कार्यक्रम NCC कैडेट्स की कड़ी ट्रेनिंग, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास के सफल समापन का प्रतीक था। समापन समारोह की शुरुआत कैंप कमांडेंट के स्वागत भाषण से हुई। अपने समापन भाषण में, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रितु श्रीवास्तव रावत ने कैंप के दौरान बेहतरीन अनुशासन, समर्पण और उत्साह दिखाने के लिए सभी कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने उन्हें NCC के आदर्श वाक्य 'एकता और

अनुशासन' (Unity and Discipline) को बनाए रखने और पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ देश की सेवा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। दस दिनों के इस कैंप के दौरान, कैडेट्स ने ड्रिल, हथियार चलाने की ट्रेनिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, फिजिकल ट्रेनिंग, बायोमेट्रिक अटेंडेंस, सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों और लीडरशिप, टीमवर्क व आत्मविश्वास बढ़ाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स और विजेता टीमों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन में रंग भर दिया और दर्शकों व गणमान्य अतिथियों ने इसकी खूब सराहना की। साथ ही, कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रितु श्रीवास्तव रावत ने आगामी प्रतियोगिता के लिए IGC TSC टीम को शुभकामनाएं दीं और कैडेट्स को उत्तर प्रदेश डायरेक्टरेट टीम में चुने जाने के लिए अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह का समापन सभी कैडेट्स, एसोसिएट NCC ऑफिसर्स, परमानेंट इंस्ट्रक्शनल स्टाफ और खास मेहमानों की ग्रुप फोटो के साथ हुआ, जो CATC-69 के सफल समापन की यादगार निशानी बनी। कार्यक्रम का अंत धन्यवाद प्रस्ताव और उसके बाद 'भारत माता की जय' व '15 BN की जय' के जोशीले नारों के साथ हुआ। प्रतिभागी अपने साथ ऐसी यादगार यादें और कीमती अनुभव लेकर गए जो उन्हें भविष्य के प्रयासों में प्रेरित करेंगे

सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
राहुल जायसवाल

नैनी, प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र, नैनी प्रयागराज के छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह भगवान श्रीराम के वनपथ गमन मार्ग स्थित पावन तीर्थ श्रृंगवेरपुर में वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों का श्रीफल, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।समारोह के मुख्य अतिथि सुभेन्दु जी (विभाग प्रचारक, प्रयाग) तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष ओमप्रकाश जी (विभाग प्रचारक, प्रतापगढ़-सुल्तानपुर) रहे। विशिष्ट अतिथियों में अवधेश जी (खंड कार्यवाह,

श्रृंगवेरपुर), रामचन्द्र (ग्राम प्रधान, श्रृंगवेरपुर), अमित जी (संपर्क प्रमुख, श्रृंगवेरपुर) एवं सूबेदार जी (सह विभाग कार्यवाह, प्रतापगढ़ विभाग) उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष ने छात्र संसद के प्रधानमंत्री सर्वदमन शुक्ल, कन्या भारती की प्रधानमंत्री खुशी यादव, शिशु भारती के अध्यक्ष आदित्य कुमार मिश्र सहित मंत्रिमंडल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को गोपनीयता एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।अपने संबोधन में अतिथियों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए विद्यालय की गरिमा एवं मर्यादा बनाए रखने की प्रेरणा दी।

गजरौला पुलिस ने घर से लापता दो किशोर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। घर से लापता हुए दो किशोरों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। बच्चों के सुरक्षित मिलने पर परिजनों के चेहरे पर हर्ष साफ दिखाई दे रहा था। कोतवाली क्षेत्र से घर से लापता हुए दो किशोरों को गजरौला पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार गांव राजीव नगर निवासी मोहम्मद बारिस पुत्र शाकिर अपने पड़ोसी दोस्त इस्लामुद्दीन के साथ घर से घूमने के लिए निकले थे। देर शाम तक दोनों के घर नहीं लौटने पर

परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने पूरनपुर पुलिस को सूचना दी। गुरुवार रात गजरौला पुलिस को दोनों किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते मिले। पुलिस उन्हें थाने ले गई और पूछताछ में उनकी पहचान होने पर तत्काल परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही रात करीब 10 बजे परिजन गजरौला थाने पहुंचे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने दोनों किशोरों को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चों के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

मां के पास जाने की बात कहकर गई सात वर्षीय बच्ची लापता

बच्ची को तेंदुए द्वारा उठा लिए जाने की आशंका से दहशत, दूसरे दिन भी तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। मां के पास जाने की बात कहकर गई सात वर्षीय बच्ची के लापता होने की घटना से हड़कंप मच गया। आशंका जताई जा रही है कि बच्ची को तेंदुआ उठाकर ले गया है। इसको लेकर ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। बच्ची की तलाश को लेकर दूसरे दिन भी बच्ची के परिजन, ग्रामीण और पुलिस व वन विभाग की टीम मेहनत से जुटी रही, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं लग सका। टीम द्वारा लगातार निगरानी कर बच्ची की खोजबीन की जा

रही है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा में गुरुवार शाम सात वर्षीय बच्ची के रहस्यमय ढंग से लापता होने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बच्ची को तेंदुआ उठा ले गया है। सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए और वन विभाग की टीम भी जांच के लिए पहुंची, देर रात तक तलाश जारी रही और शुक्रवार को सुबह से फिर तलाश शुरू कर दी।बताया जाता है कि गांव के गोधनलाल की पत्नी मीरा देवी गांव के बाहर सूखा बाबा धार्मिक स्थल के पास मवेशी चरा रही थीं। इसी दौरान उनकी सात वर्षीय बेटी अंशिका घर से मां के पास जाने के लिए निकली। ग्रामीणों ने उसे धार्मिक स्थल की ओर जाते देखा, लेकिन इसके बाद वह अचानक गायब हो गई। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला।घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों का दावा है कि देर रात खेतों में तेंदुआ घूमता देखा गया था और वही बच्ची को उठा ले गया होगा। गांव के पास पीटीआर की हरिपुर रेंज का जंगल होने से क्षेत्र में अक्सर वन्यजीवों की आवाजाही रहती है। अंधेरा होने के कारण वन विभाग की टीम खेतों में गहराई तक नहीं जा सकी। इस दौरान ग्रामीणों और वनकर्मियों के बीच नोकझोंक भी हुई।सामाजिक वानिकी के रेंजर सोबरन लाल ने बताया कि सूचना पर सामाजिक वानिकी और हरिपुर रेंज की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल आसपास तेंदुआ दिखाई नहीं दिया है। टीम लगातार निगरानी कर रही है और बच्ची की तलाश जारी है।

थानाध्यक्ष पर धमकी के आरोप मामले में परिवाद दर्ज

न्यायालय जारी किया आदेश, 5 अगस्त को दर्ज होंगे बयान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। ग्रामीण को दी गई धमकी के मामले में न्यायालय ने संबंधित थानाध्यक्ष पर परिवाद दर्ज कर लिया है। जारी किए गए आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि थानाध्यक्ष के विरुद्ध जो भी आरोप हैं उसमें पीड़ित को न्यायालय में उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने होंगे। जनपद पीलीभीत विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) राम किशोर चतुर्थ की अदालत ने करेली थाना क्षेत्र निवासी रामबहोरे द्वारा दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए उसे परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने परिवादी का बयान धारा 223 बीएनएसएस के तहत दर्ज करने के लिए 5 अगस्त 2026 की तिथि निर्धारित की है।रामबहोरे ने आरोप लगाया था कि उसने 24 मार्च 2026 की घटना को लेकर तत्कालीन थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन आवेदन निरस्त हो गया। इसके बाद पुनरीक्षण भी खारिज हो गया। आरोप है कि 25 मई 2026 को भगवन्तापुर मोड़ के पास थानाध्यक्ष ने सरकारी वाहन से उसका रास्ता रोककर गाली गलौज की, न्यायालय जाने पर नाराजगी जताई तथा झूठे मुकदमे में फंसाने और एनकाउंटर कराने की धमकी दी। उसने पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय ने पत्रावली का अवलोकन करते हुए कहा कि परिवादी आरोपितों को पहले से जानता है, घटना के सभी तथ्य उसके संज्ञान में हैं और मामले में किसी बरामदगी अथवा विस्तृत पुलिस विवेचना की आवश्यकता नहीं है। इसलिए प्रार्थना पत्र को परिवाद के रूप में दर्ज कर आगे की कार्यवाही के आदेश दिए गए। जिसके क्रम में पीड़ित को न्यायालय के सम्मुख उपस्थित होकर 5 अगस्त को अपने आरोपों के क्रम में बयान दर्ज कराने हैं।

जनपद पीलीभीत विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एट) राम किशोर चतुर्थ की अदालत ने करेली थाना क्षेत्र निवासी रामबहोरे द्वारा दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए उसे परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया है। अदालत ने परिवादी का बयान धारा 223 बीएनएसएस के तहत दर्ज करने के लिए 5 अगस्त 2026 की तिथि निर्धारित की है।रामबहोरे ने आरोप लगाया था कि उसने 24 मार्च 2026 की घटना को लेकर तत्कालीन थानाध्यक्ष विपिन शुला व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन आवेदन निरस्त हो गया।

नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड नंबर 20 में लगाए गए फ्रीजर का हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। भीषण गर्मी से लोगों को राहत प्रदान करने के लिए नगर पालिका द्वारा नगर में विभिन्न स्थानों पर फ्रीजर की स्थापना कर लोगों को शीतल व शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 20 में स्थापित किए गए फ्रीजर का बीते दिन मिष्ठान वितरण कर शुभारंभ कर दिया गया।

नगर पालिका परिषद पूरनपुर द्वारा मोहल्ला गणेशगंज पूर्वी वार्ड 20 में नगर पालिका परिषद पूरनपुर के अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता द्वारा ठन्डे पानी हेतु लगाए गए फ्रीजर का शुभारम्भ नगर पालिका परिषद के वार्ड 20 सभासद नादिर रज़ा बरकाती तथा तौफ़ीक़ अहमद क़ादरी द्वारा मिठाई वितरण कर किया गया। इस मौके पर वार्ड के लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता सहित दोनों सभासदों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पालिका द्वारा लगाए गए फ्रीजर सराहनीय कार्य हैं। इस अवसर पर तौफ़ीक़ अहमद क़ादरी, इमरान, पप्पू शाह, मोहम्मद अख़लाक़, सकरुल्ला, भूरा, हबीब अहमद, ऊषा मिश्रा, पुष्प कुमार, मोहित सहित कई वार्डवासी मौजूद रहे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर समझौता नहीं सरकार संग मीटिंग के बाद सीजेपी का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के अलावा कोई समझौता स्वीकार नहीं है। सरकार के साथ हुई मीटिंग के बाद सीजेपी के नेताओं ने यह बात दोहराई। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके और प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासनों और फास्ट-ट्रैक कोर्ट जैसे वादों से उन्हें संतोष नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेकर ही हम मानेंगे। आंदोलन बिना रुके जारी रहेगा।'

मीटिंग में क्या हुआ?

सरकार की ओर से सीजेपी नेताओं से बातचीत हुई, जिसमें जेपी नड्डा समेत अन्य नेता शामिल थे। सीजेपी ने अपनी मांगों का मेमोरेंडम सौंपा, जिसमें मुख्य रूप से प्रधान के इस्तीफे, पेपर लीक में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई, प्रभावित छात्रों के परिवारों को मुआवजा और परीक्षा प्रणाली में सुधार

शामिल हैं। हालांकि, मीटिंग के बाद सीजेपी ने साफ किया कि इस्तीफे की मांग पर कोई समझौता नहीं होगा। दीपके ने कहा कि सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल (जिसे उन्होंने समाप्त कर दिया) को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। आंदोलन जंतर-मंतर पर जारी रहेगा और पूरे देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन फैलाए जाएंगे। नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों के बाद देशभर में छात्रों का आक्रोश बढ़ा है। कई छात्रों की आत्महत्या की खबरें भी आई, जिसके चलते सीजेपी ने आंदोलन शुरू किया। विपक्षी दल भी संसद में प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं, जैसे उच्च शिक्षा सचिव का तबादला, लेकिन सीजेपी इसे पर्याप्त नहीं मान रही। पार्टी के नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन और तेज होगा। सीजेपी ने युवाओं और छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा जारी है। फिलहाल जंतर-मंतर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और कई मेट्रो स्टेशन प्रभावित रहे।सीजेपी का कहना है कि प्रधानमंत्री का जवाब काफी नहीं, इस्तीफा तक प्रदर्शन चलेगा। यह आंदोलन शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग को लेकर छात्रों की व्यापक नाराजगी को दर्शाता है। आगे की घटनाक्रम पर नजर बनी हुई है।

> **विपक्षी दल भी संसद में प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं, जैसे उच्च शिक्षा सचिव का तबादला, लेकिन सीजेपी इसे पर्याप्त नहीं मान रही। पार्टी के नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा। सीजेपी ने युवाओं और छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।**

'सैराब' में मदिराक्षी मुंडले संग रोमांस करेंगे कृष्णा कौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डी एस त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। टेलीविजन के लोकप्रिय अभिनेता कृष्णा कौल अब स्टार प्लस के 'सैराब' में मदिराक्षी मुंडले के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय से लाखों दिल जीत चुके कृष्णा अब अपने खास अंदाज, गहराई और रोमांटिक आकर्षण के साथ इस शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं। मदिराक्षी के साथ उनकी नई ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री प्यार, जज्बात और रोमांस से भरपूर होगी, जो दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार है। 'सैराब' ने अपनी शुरुआत से ही इशान और नयनिका की दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी के जरिए दर्शकों को कई यादगार पल दिए हैं। दोनों की खूबसूरत केमिस्ट्री और मासूम रोमांस ने दर्शकों को किसी परीकथा जैसा एहसास कराया है। अपनी भावनात्मक कहानी, सुकून भरे रोमांस और दमदार अभिनय के दम पर इस शो ने कम समय में दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। 'सैराब' का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी

जाहिर करते हुए, कृष्णा कौल ने कहा, 'मैं सैराब परिवार का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूँ। दर्शकों ने इस शो को अब तक जितना प्यार दिया है, वह सचमुच शानदार है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जिसने इतने खूबसूरत तरीके से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है, मेरे लिए जितना रोमांचक है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं लंबे समय से मदिराक्षी मैम के काम की सराहना करता आया हूँ। वह एक बेहतरीन कलाकार हैं और मैं उनके साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। मुझे पूरा भरोसा है कि हम साथ मिलकर ऐसे कई यादगार पल रचेंगे, जिनसे दर्शक दिल से जुड़ाव महसूस करेंगे। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हर शो आपकी जिंदगी में किसी न किसी खास वजह से आता है और सैराब मेरे अभिनय सफर का एक अहम् पड़ाव है। मेरे किरदार की कई परतें हैं और मैं बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहा हूँ, जब दर्शक हमारी केमिस्ट्री, ड्रामा, रोमांस और कहानी में आने वाले कई दिलचस्प मोड़ों को देखेंगे।' देखिए 'सैराब', हर दिन सिर्फ स्टार प्लस पर। साथ ही, इसे कभी-भी जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम करें।

सड़क पर कीचड़ होने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम कठौतिया रामनाथ में मेन सड़क से जो रास्ता अस्पताल व पावर हाउस पर जाने के लिए है उस पर एक भट्ठा व उसके बगल में मछली पालन का एक तालाब है,बीच में इस मार्ग पर इतना कीचड़ हैं कि आने -जाने वालों को चलना दुर्लभ है ।कीचड़ से सड़क भरा हुआ है। इटवा से बिस्कोहर सड़क से अस्पताल की ओर विद्युत विभाग व अस्पताल कठौतिया रामनाथ में स्थिति है सड़क जो विद्युत विभाग व अस्पताल के लिए गया है उसी पर कीचड़ बहुत ज्यादा है पैदल यात्रा करना मुश्किल है गाड़ी ले जाने में बहुत कठिनाई होती है। जेई सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा कि ड्यूटी के लिए भट्ठे के पहले गाड़ी से उतर कर पैदल जाना पड़ता है जो पैर फिसल कर गिरने कि संभावना बना रहता है। डाक्टर राहुल कुमार ने बताया कि गाड़ी ले कर चलना दुर्लभ होता हैं बरसात के मौसम में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर कीचड़ को देखकर मरीज अस्पताल में आने के लिए इच्छा नहीं करते हैं सड़क का कार्य नहीं होगा तो मरीज का आना जाना बड़ा समस्या हो जायेगा गंभीर मरीजों के लिए बहुत कठिनाई हो रहा है।

शहर की तीन प्रमुख समस्याओं को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने सौंपा ज्ञापन

समस्याओं का शीघ्र समाधान न हुआ तो आन्दोलन-राकेश कुमार सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती शहर की तीन गंभीर समस्याओं को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में शास्त्री चौक पर तिरंगा फहराने, गोवंश की सुरक्षा और बड़े वन ब्रिज के पास शौचालय निर्माण की मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर के ऐतिहासिक शास्त्री चौक पर लगाया गया हाई-मास्ट राष्ट्रीय ध्वज स्तम्भ पिछले करीब छह महीनों से तिरंगे विहीन खड़ा है। व्यापारी मंडल ने कहा कि शहर के हृदयस्थल पर तिरंगे का न होना स्थानीय नागरिकों और युवाओं में निराशा पैदा कर रहा है और यह शहर की गरिमा से जुड़ा विषय है। इसे तत्काल सही कराया जाय। ज्ञापन में दूसरी गंभीर समस्या शहर के खुले कूड़ेदानों में असुरक्षित तरीके

से फेंके जा रहे मेडिकल वेस्ट की बताई गई। इस्तेमाल की गई पट्टियां, दवाइयां और इंजेक्शन की सुइयां कूड़ेदानों में फेंके जाने से भोजन की तलाश में भटकने वाली गायों के मुंह और गले में चुभ रही हैं, जिससे मवेशियों की जान को खतरा बना हुआ है। तीसरी मांग बड़े वन ब्रिज के पास सार्वजनिक शौचालय की कमी को लेकर की गई। इस व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र में रोजाना हजारों ग्राहकों, राहगीरों और व्यापारियों का आना-जाना होता है, लेकिन यहां महिला या पुरुष किसी के लिए भी शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के बाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, हरिमूर्ति सिंह मण्डल अध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, रत्नाकर श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज स्तम्भ पिछले करीब छह महीनों से तिरंगे विहीन खड़ा रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। डीएम को तत्काल इस दिशा में प्रभावी कदम उठाना चाहिये। संगठन महामंत्री बस्ती मण्डल किशन सिंह, संगठन महामंत्री आलोक कुमार दुबे, जिला महामंत्री, भरत राम बबलू अग्रहरि जिला संगठन महामंत्री, राणा महेंद्र प्रताप नगर अध्यक्ष, कमलेश चौधरी उद्योग मंच जिला अध्यक्ष, कुलदीप श्रीवास्तव युवा जिला अध्यक्ष, बंदना वर्मा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, महेंद्र गुप्ता जिला कोषाध्यक्ष, प्रदीप सिंह नगर संगठन महामंत्री समीर राना ने जिलाधिकारी से आग्रह किया कि जनहित की समस्याओं का त्वरित निदान कराया जाय। समस्या का शीघ्र हल न हुआ तो पुनः आन्दोलन को बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से रवि कुमार, राम गोपाल सिंह, संजय गुप्ता, अश्विन कुमार, नितिन श्रीवास्तव, शुभम कुमार, सुखसागर, आकाश सोनी, उज्ज्वल श्रीवास्तव, उपमेय प्रताप सिंह, अभिषेक कुमार गुप्ता, सुजीत कुमार गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी , व्यापारी शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति एक पौधा जरूर लगाएं : अजय गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर में वार्ड नंबर 05 अटल नगर के अन्त्येष्टी स्थल पर शनिवार को हरिशंकरी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए स्वयं पौधे रोपित किए। इस अभियान का उद्देश्य अन्त्येष्टी स्थल को हराभरा बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाना है। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर पंचायत अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा, अन्त्येष्टी स्थल वह जगह है जहां अंतिम यात्रा समाप्त होती है। हरियाली

का विकास करना न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि भावी पीढ़ी के लिए भी एक बेहतरीन उपहार है। हरिशंकरी वृक्षारोपण के तहत हमने सैकड़ों पौधे रोपे हैं, जिनमें पीपल, बरगद, पाकड़ जैसे महत्वपूर्ण और औषधीय गुणों वाले वृक्ष शामिल हैं। ये पौधे न केवल छाया प्रदान करेंगे बल्कि वायु प्रदूषण को भी कम करेंगे। कार्यक्रम में नगर पंचायत के विभिन्न पदाधिकारियों, वार्ड स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। अध्यक्ष अजय गुप्ता के नेतृत्व में पूरे वार्ड को हरित क्षेत्र बनाने की दिशा में यह पहला बड़ा कदम बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अन्त्येष्टी स्थल पर पहले सूखे और बंजर भूमि का मंजर था, जिसे अब हराभरा बनाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। हरिशंकरी अभियान के तहत चयनित पौधों की देखभाल के लिए नगर पंचायत द्वारा नियमित पानी, खाद और सुरक्षा की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया है। इस अवसर पर अनूप पाण्डेय, विमल सिंह , संदीप यादव, रामनरेश पासवान, कन्हैया वरुण , रोहित गौतम, विनोद पासवान, पिंकू मोदनवाल,उत्तम शर्मा, राहुल , उमेश आदि उपस्थित रहें।

झूंसी में 18.20 लाख रुपये की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। झूंसी थाना पुलिस की नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अपराध शाखा) की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 91 ग्राम स्मैक, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 18 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है, बरामद की है। इसके अलावा स्मैक की बिक्री से प्राप्त 2,220 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर झूंसी थाना पुलिस और नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम ने

त्रिवेणीपुरम ग्राउंड के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसकी पहचान अमर सोनकर उर्फ बाबा (35 वर्ष) पुत्र दीपचन्द्र सोनकर, निवासी नारायण दास का पुरा, थाना झूंसी, प्रयागराज के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 91 ग्राम स्मैक और 2,220 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर थाना झूंसी में मु0अ0सं0 266/2026 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह स्मैक की खेप कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था।

मुंबई में नीट प्रोटेस्टरों को ड्रग्स केस में फँसाने की धमकी देने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ड्रग्स केस में फँसाने की धमकी देने वाला वीडियो वायरल होने के बाद मुंबई के पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। वीडियो में पुलिसकर्मी हिरासत में लिए गए छात्रों को कथित तौर पर झूठे ड्रग्स केस में फँसाने की धमकी देता सुनाई दे रहा है। उधर, दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के आरोप में दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को भी विरोध-प्रदर्शन स्थल से हटा दिया गया है। मुंबई के मामले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक पुलिस वाहन के अंदर बैठे पुलिसकर्मी को छात्रों से कहते हुए सुना जा सकता है, 'अगर तुम दोबारा यहाँ प्रदर्शन में दिखे तो मैं तुम्हारी ज़िंदगी बर्बाद कर दूंगा। तुम्हारे बैग में 50-50 ग्राम पाउडर डाल दूंगा। फिर तुम्हें जमानत भी नहीं मिलेगी और पूरी जिंदगी जेल में सड़ोगे।' वीडियो में पुलिसकर्मी यह भी कहता सुनाई देता है कि, 'तुम लोगों की वजह से हमें भी परेशानी उठानी पड़ रही है।' वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी तीखी आलोचना शुरू हो गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद मुंबई पुलिस ने जाँच के आदेश दिए हैं। मुंबई पुलिस के डीसीपी (ऑपरेशन) अकबर पठान ने कहा कि मामले की जाँच की जा रही है और वीडियो की सत्यता की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि संबंधित पुलिस चालक को उसकी मौजूदा पोस्टिंग से हटाकर बाद में निलंबित कर दिया गया है। वीडियो सामने आने के बाद आप और कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। आम आदमी पार्टी ने भी बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले दिल्ली में छात्रों पर बल प्रयोग किया गया और अब महाराष्ट्र में उन्हें झूठे ड्रग्स मामलों में फँसाने की धमकी दी जा रही है।

कप्तानगंज पुलिस की कार्रवाई, बीएनएसएस की धाराओं में चालान कर भेजा गया न्यायालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कप्तानगंज पुलिस ने अलग-अलग गांवों में हुए विवादों में शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार कर एसडीएम हर्रैया न्यायालय भेज दिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपराध एवं कानून -व्यवस्था के प्रति अपनाई जा रही सख्ती के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पहला मामला ग्राम रतास उर्फ

कप्तानगंज का है, जहां घर की सफाई को लेकर अत्ताउल्लाह और मकसूद अहमद के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन विवाद बढ़ने पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की। दूसरा मामला ग्राम घटमापुर का है, जहां खेत की मेड़ बांधने और भूमि पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के चलते पुलिस ने दोनों पक्षों के पांच लोगों रामकेश, तुलसीराम, विमला देवी,चंद्रशेखर आजाद तथा नीलम देवी–को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वहीं तीसरी कार्रवाई ग्राम भीटा में की गई। यहां राजस्व विभाग की ओर से भूमि पर पत्थर निस्तारण (सीमांकन) की कार्रवाई के दौरान कुछ लोग विरोध करते हुए उग्र हो गए। मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए अनिल, अनुज, अंकित तथा रामेश्वर को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध भी बीएनएसएस की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में शांति व्यवस्था भंग करने अथवा कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने लोगों से किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में कानून का पालन करने तथा समस्या का समाधान वैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से कराने की अपील की है। *कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में* थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक अनिल कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक विवेकानंद तिवारी, उपनिरीक्षक वीरेंद्र राय, कांस्टेबल आशीष कुमार, कांस्टेबल रामजी तिवारी, कांस्टेबल आकाश पाल, कांस्टेबल राहुल सिंह, महिला कांस्टेबल कोमल वर्मा तथा महिला कांस्टेबल शिल्पा रावत शामिल रहे।

दहेज हत्या के मामले में वांछित आरोपी को, धूमनगंज पुलिस ने रेलवे पुल के पास दबोचा।

प्रयागराज। दहेज हत्या के एक मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को धूमनगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी को सुबेदारगंज रेलवे डाट पुल के पास से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, थाना धूमनगंज में दर्ज मु0अ0सं0 241/2026 के तहत धारा 85/80(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में पंजीकृत दहेज हत्या के मामले में आरोपी शिवम चौरसिया की तलाश की जा रही थी। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी।